राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

• बोकारो, बुधवार 2 सितम्बर 2026 • वर्ष : 10 • अंक : 108 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

बोकारो इस्पात संयंत्र के जनरल अस्पताल स्थित रक्त केंद्र में सामाजिक संस्था 'कर्ण समागम' के तत्वावधान में आयोजित शिविर में रक्तदान करते लोग

केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय विभागीय शिखर सम्मेलन में शामिल हुए झारखंड के मंत्री

झारखंड को शीघ्र मिले जल जीवन मिशन के लिए 6500 करोड़ रुपये

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। नई दिल्ली के सुषमा स्वराज भवन में केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय 'विभागीय शिखर सम्मेलन 2026' में झारखंड ने केंद्र के सामने अपनी लंबित वित्तीय मांगों को प्रमुखता से रखा। सम्मेलन में झारखंड के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री योगेंद्र प्रसाद और जल संसाधन मंत्री हफीजुल हसन ने हिस्सा लिया। मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल के सामने जल जीवन मिशन से जुड़ी करीब 6,500 करोड़ रुपये की बकाया राशि का मुद्दा उठाया और इसके जल्द भुगतान की मांग की। राज्य सरकार के अनुसार झारखंड जैसे पहाड़ी और जंगली क्षेत्रों में हर घर तक नल से शुद्ध पेयजल पहुंचाना एक बड़ी चुनौती है। केंद्र से समय पर राशि का बंटवारा न होने के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में कई महत्वाकांक्षी पेयजल योजनाएं अधर में लटकी हुई हैं। मंत्री ने जोर देकर कहा कि यदि बकाया राशि का भुगतान हो जाता है तो अधूरी पड़ी योजनाओं को तेजी से पूरा कर राज्य की ग्रामीण आबादी को 100 फीसदी शुद्ध पेयजल आपूर्ति उपलब्ध कराई जा सकेगी। शिखर सम्मेलन के दौरान मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि केवल पाइपलाइन बिछा देना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि जल स्रोतों की दीर्घकालिक स्थिरता, योजनाओं का संचालन और रखरखाव बेहद महत्वपूर्ण हैं। इसके लिए केंद्र और राज्य के बीच बेहतर तालमेल और पर्याप्त वित्तीय सहयोग की आवश्यकता है। बैठक में 'कैच द रेन', जल संचय में जनभागीदारी और जल जीवन मिशन 2.0 के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी विस्तृत चर्चा हुई। पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य के प्रत्येक परिवार तक स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है। जल क्षेत्र की योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए स्पष्ट निर्णय, पर्याप्त संसाधन और केंद्र-राज्य का बेहतर समन्वय जरूरी है।

यूजीसी के फैसले के विरोध में सवर्ण समाज ने निकाला विरोध मार्च

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। सवर्ण समाज के लोगों ने यूजीसी के फैसले और आरक्षण व्यवस्था में संशोधन की मांग को लेकर मंगलवार को विरोध मार्च निकाला। मार्च जिला परिषद मैदान से शुरू होकर रणधीर वर्मा चौक तक पहुंचा। इसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों के हाथों में 'यूजीसी रोल बैक' लिखी तख्तियां थीं। इस दौरान केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की गई। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यूजीसी से जुड़े फैसले और वर्तमान आरक्षण व्यवस्था को लेकर उनकी कई आपत्तियां हैं। उनका कहना था कि व्यवस्था में बदलाव कर इसे अधिक न्यायसंगत बनाया जाना चाहिए। मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों ने अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद की और सरकार से इस दिशा में तत्काल पहल करने की मांग की। जिला परिषद मैदान से निकला मार्च शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए रणधीर वर्मा चौक पहुंचा जहां प्रदर्शनकारियों ने अपनी मांगों को दोहराया। विरोध मार्च का नेतृत्व राजपूत विचार मंच के अध्यक्ष अरुण सिंह ने किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका संगठन आरक्षण के खिलाफ नहीं है। उनकी मांग है कि आरक्षण का आधार जाति के बजाय आर्थिक स्थिति को बनाया जाए। अरुण सिंह ने आरोप लगाया कि यूजीसी से संबंधित कानून समाज में जाति के आधार पर मतभेद और मनमुटाव को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने कहा कि आरक्षण का लाभ वास्तविक रूप से जरूरतमंद लोगों तक पहुंचना चाहिए। उनका तर्क था कि आर्थिक रूप से सक्षम लोगों को भी आरक्षण का लाभ मिलने के कारण ऐसे लोगों तक इसका फायदा नहीं पहुंच पाता जिन्हें वास्तव में इसकी जरूरत है। उन्होंने समाज के लोगों से जातिगत भेदभाव से ऊपर उठने और देश के विकास में योगदान देने का आह्वान किया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि उनका विरोध किसी वर्ग के खिलाफ नहीं है बल्कि वे आरक्षण की व्यवस्था में बदलाव की मांग कर रहे हैं ताकि आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को इसका लाभ मिल सके।

संक्षिप्त समाचार

रांची यूनिवर्सिटी का दीक्षांत समारोह 9 को

रांची(नबिटा ब्यूरो)। राजधानी रांची में सितंबर का महीना विश्वविद्यालयों के हजारों विद्यार्थियों के लिए खास होने जा रहा है। रांची विश्वविद्यालय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह की तैयारियां तेज हो गई हैं। रांची विश्वविद्यालय का 39वां दीक्षांत समारोह 9 सितंबर को दीक्षांत मंडप परिसर में आयोजित होगा। वहीं डीएसपीएमयू का तीसरा दीक्षांत समारोह 26 सितंबर को प्रस्तावित है। दोनों समारोहों में विद्यार्थियों को डिग्री के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले टॉपर्स को स्वर्ण पदक प्रदान किए जाएंगे। रांची विवि के रजिस्ट्रार राजकुमार शर्मा ने बताया कि समारोह से जुड़ी तमाम तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

सड़क हादसे में युवक की मौत

कोडरमा(नबिटा ब्यूरो)। जिले के डोमचांच थाना क्षेत्र में नीरू पहाड़ी के पास सोमवार देर रात सड़क हादसे में 33 वर्षीय युवक प्रीतम पटेल की मौत हो गई। प्रीतम स्वर्गीय मुन्ना राउत का बेटा था। जानकारी के अनुसार प्रीतम अपने पैतृक गांव गिरिडीह जिले के राजधनवार गए थे। देर रात वह बाइक से झुमरी तिलैया स्थित अपने किराए के मकान लौट रहे थे। इसी दौरान क्षेत्र में मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। नीरू पहाड़ी के पास पहुंचने पर वह अचानक एक अज्ञात वाहन की चपेट में आ गए।

सीआइएसएफ जवान का ड्यूटी पर निधन

कोडरमा(नबिटा ब्यूरो)। जिले के जयनगर थाना क्षेत्र स्थित कोडरमा थर्मल पावर प्लांट (केटीपीएस) में तैनात केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआइएसएफ) के सब-इंस्पेक्टर 58 वर्षीय श्याम सिंह का निधन हो गया। ड्यूटी के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें सदर अस्पताल कोडरमा ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। श्याम सिंह मूल रूप से उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के निवासी थे। करीब एक वर्ष पूर्व उनका तबादला कोडरमा थर्मल पावर प्लांट में हुआ था। यहां वह सीआइएसएफ में सब-इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत थे।

पेड़ से लटका मिला महिला का शव

रांची(नबिटा ब्यूरो)। लापुंग थाना क्षेत्र अंतर्गत रामाटोली जंगल के किनारे मुरुप में मंगलवार को एक महिला का शव पेड़ से फंदे के सहारे लटका मिला। खबर लिखे जाने तक महिला की पहचान नहीं हो सकी है। उसकी उम्र करीब 50 से 55 वर्ष बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार स्थानीय लोगों ने मंगलवार की सुबह महिला का शव पेड़ पर लटकता देखा। इसके बाद मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। सूचना पाकर लापुंग थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पेड़ से नीचे उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन में शामिल छात्रों पर दर्ज सभी एफआइआर रद्द करने का आदेश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नयी दिल्ली। नीट-यूजी पेपर लीक के खिलाफ हुए प्रदर्शन में शामिल छात्रों पर दर्ज एफआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बड़ा फैसला सुनाया। कोर्ट ने आर्टिकल 142 के तहत मिले अपने विशेष अधिकार का इस्तेमाल करते हुए दिल्ली और चार राज्यों में दर्ज एफआईआर रद्द करने का आदेश दिया। साथ ही सीजेपी ने केंद्र के कदम और कोर्ट के आदेश को देखते हुए पांच सितंबर को प्रस्तावित मार्च वापस ले लिया। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के अलावा असम, महाराष्ट्र, बंगाल और बिहार में नीट प्रदर्शन से जुड़ी एफआईआर रद्द करने का आदेश दिया। ये मामले 20 से 25 जुलाई के बीच हुए प्रदर्शन से जुड़े थे। दिल्ली पुलिस और चार राज्य सरकारों ने कोर्ट से आर्टिकल 142 के तहत इन मामलों को खत्म करने की मांग की थी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने मामले पर सुनवाई की और एफआईआर रद्द करने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि केंद्र सरकार प्रदर्शनकारियों से बातचीत में दिए गए भरोसे पर कायम है। उन्होंने बताया कि नीट प्रदर्शन के दौरान आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को मुआवजा दिया जाएगा। केंद्र ने इसके लिए तीन महीने का समय मांगा है। मुआवजे का तरीका तय करने के लिए अलग-अलग राज्य सरकारों और संबंधित पक्षों से बातचीत की जाएगी।

जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं की नियमावलियों में बड़ा बदलाव

23610 पदों पर होगी नियुक्ति

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) तथा झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की परीक्षाओं में गड़बड़ियां सामने आने के बाद राज्य सरकार परीक्षा प्रक्रियाओं में व्यापक सुधार की दिशा में काम कर रही है। दोनों आयोगों की कार्य प्रणाली में सुधार के लिए विकास आयुक्त की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय कमेटी गठित की गई है जिनमें कार्मिक एवं वित्त सचिव को भी सदस्य के रूप में सम्मिलित किया गया है। यह कमेटी न केवल आयोगों की कार्य प्रणाली में सुधार को लेकर बल्कि आयोग के पदाधिकारियों, कर्मियों की सेवाशर्त को लेकर भी अपना सुझाव सरकार को देगी। इसमें आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति एवं सेवाशर्त भी सम्मिलित हैं। इधर राज्य सरकार ने विभिन्न परीक्षाओं की नियमावलियों की त्रुटियों को दूर करने के लिए उनमें बदलाव के निर्देश दिए हैं। जेपीएससी एवं जेएसएससी में कई नियुक्तियां संबंधित नियमावलियों में त्रुटि के कारण स्थगित या रद होती रही हैं। कई मामले कोर्ट तक पहुंच जाते हैं। बाद में कोर्ट के हस्तक्षेप तथा आदेश पर नियुक्ति प्रक्रिया पूरी होती है। इसे देखते हुए ठोस नियमावलियों के गठन पर जोर दिया जा रहा है। परीक्षा प्रक्रियाओं में सुधार के निर्णय के बाद भी विभागों को नियुक्ति नियमावलियों में बदलाव करना होगा। पेपर लीक जैसी संभावनाओं को खत्म करने के लिए राज्य सरकार अधिसंख्य परीक्षाएं सीबीटी मोड अर्थात कंप्यूटर आधारित आयोजित करने पर विचार कर रही है। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग ने इसे लेकर प्रस्ताव भी तैयार किया है। साथ ही प्रारंभिक परीक्षा कई चरणों में आयोजित करने पर भी विचार किया जा रहा है। इससे एक ही दिन परीक्षा संपन्न कराने का बोझ कम होगा। साथ ही पेपर लीक की संभावना को कम किया जा सकेगा। इन सभी प्रक्रियाओं के लिए यह माह काफी महत्वपूर्ण होगा। संभावना जताई जा रही है कि सितंबर माह में आयोगों और परीक्षा प्रक्रियाओं में सुधार को लेकर आवश्यक निर्णय ले लिया जाएगा। जेपीएससी और जेएसएससी के माध्यम से इस वर्ष 23,610 पदों पर नियुक्ति होनी है। इनमें 1,645 पदों पर नियुक्ति जेपीएससी तथा 21,965 पदों पर नियुक्ति जेएसएससी के माध्यम से होनी है। इनमें इन दोनों आयोगों द्वारा विज्ञापित पदों के अलावा विभिन्न विभागों से भेजी गई वैसी अधियाचनाएं भी सम्मिलित हैं, जिनका अभी तक विज्ञापन प्रकाशित नहीं किया गया है। जेपीएससी में 798 पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया चल रही थी, जिनपर या तो रोक लगा दी गई है या स्थगित कर दी गई है। वहीं 847 पदों पर नियुक्ति के लिए विज्ञापन प्रकाशित किया जाना है। इसी तरह जेएसएससी में 20,206 पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया चल रही है। वहीं 1,759 पदों पर नियुक्ति के लिए विज्ञापन प्रकाशित किया जाना है।

पलामू में सोन नदी खतरे के निशान से ऊपर, हाई अलर्ट जारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। पलामू जिले में पिछले 36 घंटे से लगातार बारिश हो रही है। उत्तरी कोयल समेत कई छोटी बड़ी नदियां उफान पर है। पलामू प्रमंडल के मुख्यालय मेदिनीनगर के निचले इलाकों में एक बार फिर से पानी भर गया है। हुसैनाबाद इलाके में भी जनजीवन प्रभावित हुआ है। इस बीच सोन नदी खतरे के निशान से ऊपर पहुंच चुका है। सोन नदी की सहायक नदी उत्तरी कोयल भी उफान पर है। सोन नदी में बढ़ते जल स्तर को लेकर हाई अलर्ट जारी किया गया है। पलामू पुलिस के द्वारा तटवर्ती क्षेत्रों में लगातार माइकिंग करवाई जा रही है और लोगों से नदी से दूर रहने का आग्रह किया जा रहा है। सोन के डीला पर रहने वाले लोगों को नदी में जाने से मना किया गया है। वहीं सोन नदी के तटवर्ती गांवों में निगरानी रखी जा रही है। साथ ही प्रशासन ने चेतावनी भी जारी की है। पलामू में सोन नदी हैदरनगर और हुसैनाबाद प्रखंड होते हुए बिहार के इलाके में दाखिल होती है। सोन नदी के बढ़ते जलस्तर से सोनपुरवा, देवरी खुर्द, देवरी कला, बुधुआ, बड़ेपुर और दंगवार समेत कई इलाके के लोग प्रभावित हुए हैं। इलाकों में जमीन का कटाव भी शुरू हो गया है। हुसैनाबाद के अनुमंडल पदाधिकारी समीर अल्फ्रेड मुर्मू व अंचल पदाधिकारी पंकज कुमार ने लोगों से अपील की है कि जलस्तर बढ़ने की स्थिति में नदी के बीच बने टीलों, निचले इलाकों और कटाव प्रभावित क्षेत्रों में जाने से बचें तथा किसी भी तरह की सूचना मिलने पर तत्काल सुरक्षित स्थान की ओर चले जाएं। सिंचाई विभाग के मुख्य अभियंता अजय कुमार सिंह ने कहा कि नॉर्थ कोयल समिट अन्य जलाशयों से करीब दो लाख क्यूसेक अतिरिक्त पानी सोन नदी में पहुंचा है जिसके चलते जलस्तर में वृद्धि हुई है। हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। वहीं हुसैनाबाद थाना प्रभारी चंदन कुमार ने बताया कि तटवर्ती क्षेत्रों में निगरानी को बढ़ाया गया है। लगातार माइकिंग करवाई जा रही है।

घर के कमरे में फंदे से लटकी मिली ममता बनर्जी की भतीजी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के चचेरे भाई निहार मुखोपाध्याय की बेटी ब्रिष्टि मुखोपाध्याय मंगलवार को बीरभूम के रामपुरहाट स्थित अपने घर की दूसरी मंजिल पर फंदे से लटकी मिलीं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। परिवार के मुताबिक ब्रिष्टि पिछले पांच-छह वर्षों से मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रही थीं। वहीं शिक्षक भर्ती में अनियमितता के आरोपों, नौकरी रद्द करने वाली सूची में नाम और पति से चल रहे तलाक के मामले को लेकर भी पुलिस जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार मंगलवार सुबह रामपुरहाट थाना क्षेत्र के कुसुंबा गांव स्थित घर की दूसरी मंजिल पर ब्रिष्टि मुखोपाध्याय फंदे से लटकी मिलीं। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार के सदस्यों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर रामपुरहाट थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में ले लिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए रामपुरहाट राजकीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेज दिया गया है। ब्रिष्टि मुखोपाध्याय ने आखिर ऐसा कदम क्यों उठाया, इसकी वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों को लेकर स्थिति और स्पष्ट होने की उम्मीद है। ब्रिष्टि के पिता निहार मुखोपाध्याय ने कहा कि मेरी बेटी करीब पांच-छह साल से मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रही थी। हम नियमित रूप से उसे डॉक्टर को दिखाते थे। आज यह सब कैसे हो गया, मुझे नहीं पता। उस समय हम घर के ग्राउंड फ्लोर पर थे। रामपुरहाट पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

झारखंड में 400 रिसोर्स शिक्षकों को मिलेगा विशेष प्रशिक्षण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में विशेष जरूरत वाले बच्चों को स्कूल से जोड़ने और उनकी पढ़ाई को बेहतर बनाने की दिशा में शिक्षा विभाग ने नई पहल शुरू की है। बौद्धिक और विकासात्मक दिव्यांगता वाले बच्चों को उनकी क्षमता और जरूरत के अनुसार शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए राज्य के करीब 400 रिसोर्स शिक्षकों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के बाद ये शिक्षक स्कूलों में दिव्यांग बच्चों के लिए अधिक प्रभावी शिक्षण व्यवस्था तैयार करने में अहम भूमिका निभाएंगे। इस पहल को 'दिशा' पाठ्यक्रम के तहत संचालित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य केवल दिव्यांग बच्चों को सामान्य कक्षा में शामिल करना नहीं बल्कि उनकी सीखने की क्षमता को समझते हुए पढ़ाई का तरीका विकसित करना है। इसके लिए शिक्षकों को बच्चों की व्यक्तिगत जरूरत, सीखने की गति और व्यवहार के अनुरूप शिक्षण तकनीकों की जानकारी दी जा रही है। शिक्षा विभाग की योजना के तहत प्रशिक्षण को अलग-अलग चरणों में पूरा किया जा रहा है। यह आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम निर्धारित चरणों में आयोजित होगा। प्रत्येक चरण में रिसोर्स शिक्षकों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा ताकि वे स्कूल लौटने के बाद सीखी गई तकनीकों को सीधे बच्चों की पढ़ाई में लागू कर सकें। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को केवल सैद्धांतिक जानकारी देने के बजाय व्यावहारिक तरीके से भी प्रशिक्षित किया जा रहा है। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद (जेईपीसी) के राज्य परियोजना निदेशक शशि रंजन के अनुसार प्रशिक्षण के माध्यम से रिसोर्स शिक्षकों की क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। इससे शिक्षक दिव्यांग बच्चों की शैक्षणिक जरूरतों को बेहतर तरीके से समझ सकेंगे और कक्षा में उनके लिए अनुकूल माहौल तैयार कर पाएंगे। समावेशी शिक्षा को प्रभावी बनाने में रिसोर्स शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण है क्योंकि वे बच्चों और स्कूलों के बीच समन्वय स्थापित करने का काम भी करते हैं। इस कार्यक्रम को राष्ट्रीय बौद्धिक दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान (एनआईईपीआईडी), सीआरसी, जेईपीसी और यूनिसेफ झारखंड के संयुक्त सहयोग से आगे बढ़ाया जा रहा है। 'दिशा' मॉडल को देश के कई राज्यों में लागू किया जा चुका है। वहां मिले अनुभवों के आधार पर झारखंड में भी इसे लागू करने की तैयारी की गई है। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद रिसोर्स शिक्षकों को बच्चों की वास्तविक जरूरत के अनुसार शिक्षण सामग्री भी उपलब्ध कराई जाएगी। स्कूल में नामांकित दिव्यांग बच्चों की संख्या के आधार पर विशेष शिक्षण सामग्री और वर्कशीट मुहैया कराने की योजना है। इसका मकसद यह है कि प्रशिक्षण प्राप्त शिक्षक बच्चों के साथ नियमित कक्षा गतिविधियों में इन सामग्रियों का इस्तेमाल कर सकें। दरअसल विशेष जरूरत वाले बच्चों के लिए एक जैसी शिक्षण पद्धति हमेशा प्रभावी नहीं होती। कई बच्चों को किसी विषय को समझने के लिए अतिरिक्त समय, अलग तरह की गतिविधियों या विशेष शिक्षण सामग्री की जरूरत होती है। ऐसे में प्रशिक्षित रिसोर्स शिक्षक बच्चों की क्षमता के अनुसार पढ़ाई की रणनीति तैयार करने में मदद करेंगे। शिक्षा विभाग की इस पहल से राज्य के सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे विशेष जरूरत वाले बच्चों को लाभ मिलने की उम्मीद है। प्रशिक्षण के जरिए शिक्षकों को अधिक संवेदनशील और व्यावहारिक तरीके से काम करने के लिए तैयार किया जा रहा है ताकि दिव्यांग बच्चे भी अपनी क्षमता के अनुरूप आगे बढ़ सकें और शिक्षा व्यवस्था में उनकी भागीदारी और मजबूत हो।

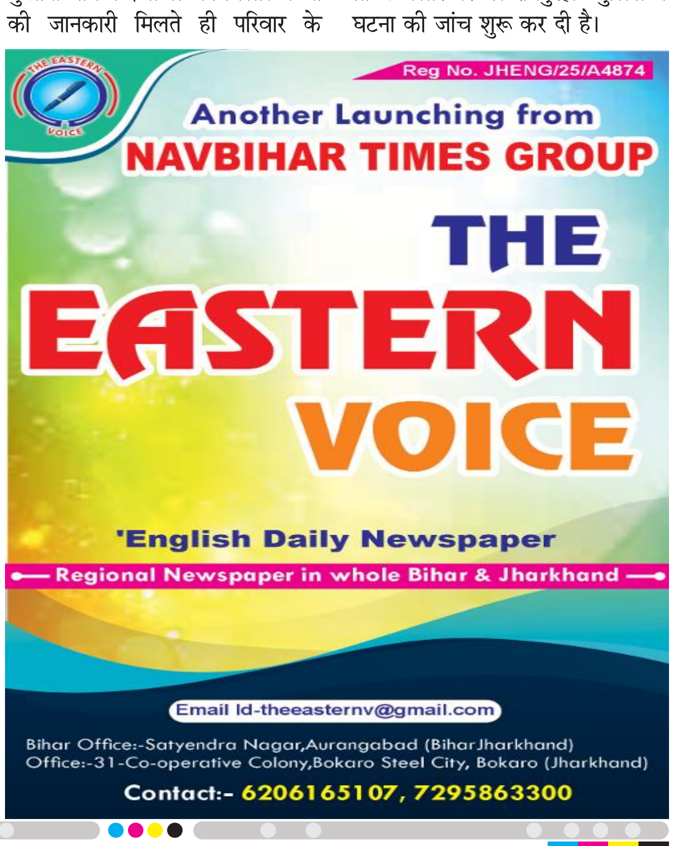

C M Y K

संक्षिप्त समाचार

राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर पर धनंजय सिंह बोले डरने और झुकने वाली नहीं कांग्रेस

गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददात)। कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष सह प्रदेश सचिव धनंजय सिंह ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ उत्तराखंड में दर्ज एफआईआर की कड़ी निंदा की है।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए सरकारी दबाव और मुकदमों का सहारा ले रही है। धनंजय सिंह ने कहा कि भाजपा को यह नहीं भूलना चाहिए कि ह्लन्याय योद्धा राहुल गांधी न एफआईआर से डरेंगे और न ही सरकारी दबाव से उनकी आवाज दबाई जा सकती है।ह्व उन्होंने कहा कि राहुल गांधी अकेले नहीं हैं, बल्कि कांग्रेस के करोड़ों कार्यकर्ता, किसान, युवा और छात्र उनके साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि जब भाजपा जनता के सवालों का जवाब देने में विफल होती है, तब जांच एजेंसियों और मुकदमों का सहारा लेकर विपक्ष को डराने का प्रयास किया जाता है। लेकिन कांग्रेस पार्टी न डरने वाली है और न झुकने वाली। धनंजय सिंह ने कहा कि राहुल गांधी सामाजिक न्याय और संवैधानिक अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे हैं। संविधान और लोकतंत्र के साथ किसी भी तरह का खिलवाड़ कांग्रेस पार्टी बर्दाश्त नहीं करेगी।

डीएवी हजारीबाग में विद्यार्थियों के लिए सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान

हजारीबाग (नवबिहार टाइम्स ब्यूरो)। स्थानीय डीएवी पब्लिक स्कूल, हजारीबाग में कक्षा कएवं क्क के विद्यार्थियों के लिए मंगलवार को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विशेष जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में यातायात विभाग के अधिकारियों ने विद्यार्थियों को सड़क पर सुरक्षित आवागमन, यातायात नियमों के पालन तथा जिम्मेदार नागरिक के रूप में सड़क सुरक्षा के प्रति अपनी भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी। अधिकारियों ने विद्यार्थियों को वाहन चलाते समय निर्धारित गति सीमा का पालन करने, हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने तथा यातायात संकेतों और नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर श्री पुनी अनूप प्रसाद, इंस्पेक्टर एवं थाना प्रभारी, ट्रैफिक, श्री सुरेन्द्र प्रसाद शर्मा, एएसआई, ट्रैफिक तथा मोहम्मद इमरान, कांस्टेबल, यातायात विभाग उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों के साथ संवाद करते हुए सड़क दुर्घटनाओं से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियों पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की और यातायात नियमों के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। विद्यालय के विद्यार्थियों ने भी सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने तथा अपने परिवार और समाज के अन्य लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजनीश कुमार ने यातायात विभाग के अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यार्थियों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी यदि यातायात नियमों के प्रति सजग और जिम्मेदार बने, तो सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल यातायात नियमों की जानकारी देना ही नहीं, बल्कि उनमें जिम्मेदार सड़क व्यवहार और सुरक्षित नागरिकता की भावना विकसित करना भी था।

डॉ किशोर कुमार गुप्ता की सेवानिवृत्ति पर जंतु विज्ञान विभाग में विदाई समारोह

हजारीबाग (नवबिहार टाइम्स ब्यूरो)। विनोबा भावे विश्विद्यालय में स्नातकोत्तर जंतु विज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ किशोर कुमार गुप्ता के सेवानिवृत्ति पर सम्मान सह विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत नितेश कुमार मोदी के स्वागत भाषण से हुई। दीप प्रज्वलन के पश्चात शिवम के द्वारा नृत्य प्रस्तुत कर गणेश वंदना की गई। डॉ के के गुप्ता के सम्मान में निशु व नितेश के द्वारा साफा - पगड़ी पहना कर उनका स्वागत किया गया। विश्विद्यालय के कुलपति प्रो चंद्र भूषण शर्मा के द्वारा डॉ के के गुप्ता को स्मृति चिह्न प्रदान कर शुभकामनाएँ एवं बधाई दी। कुलपति ने डॉ. गुप्ता के दीर्घकालीन शैक्षणिक योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उनके अनुभव, ज्ञान और मार्गदर्शन से संस्थान एवं विद्यार्थियों को लंबे समय तक लाभ मिलता रहा है। उन्होंने डॉ. के. के. गुप्ता के स्वस्थ, सुखद, शांतिपूर्ण एवं सक्रिय जीवन की कामना करते हुए उनके भावी जीवन के लिए मंगलकामनाएँ प्रेषित कीं। कुलसचिव श्री सुरेंद्र प्रसाद कुशवाहा ने कहा कि सेवानिवृत्ति किसी शिक्षक के ज्ञान को समाज और नई पीढ़ी के साथ और व्यापक रूप से साझा करने के एक नए अध्याय की शुरूआत है।

कोचिंग संस्थानों पर प्रशासन की सख्ती सदर एसडीएम ने किया औचक निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिला उपायुक्त रामनिवास यादव के निर्देश पर सदर एसडीएम धीरेंद्र कुमार ने सोमवार को शहर के कई कोचिंग संस्थानों का निरीक्षण किया। कार्रवाई का उद्देश्य संस्थानों में निर्धारित नियमों के अनुपालन के साथ विद्यार्थियों को मिल रही शैक्षणिक, सुरक्षा और मूलभूत सुविधाओं की जांच करना था। निरीक्षण के दौरान आकाश इंस्टीट्यूट, फिजिक्स वाला (विद्यापीठ), सद्दाम फिजिक्स क्लासेज, नागेंद्र फिजिक्स क्लासेज, मंटू मैथेमेटिक्स, शिराज केमिस्ट्री क्लासेज, लिटलैक्कर प्वाइंट और एग्जाम प्वाइंट समेत विभिन्न संस्थानों की व्यवस्थाएं देखी गई।एसडीएम ने संस्थानों के पंजीकरण दस्तावेज, शिक्षक एवं विद्यार्थियों के अभिलेख, कक्षाओं की व्यवस्था, मूलभूत सुविधाएं और सुरक्षा इंतजाम की जांच की। संचालकों को झारखंड कोचिंग सेंटर (नियंत्रण एवं विनियमन) अधिनियम, 2025 के प्रावधानों का अनिवार्य रूप से पालन करने का निर्देश दिया गया। एसडीएम ने स्पष्ट किया कि विद्यार्थियों की सुरक्षा और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। नियमों की अनदेखी या उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित संस्थान के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

प्रत्येक व्यक्ति पुस्तक से जुड़े, यही सच्ची संगिनी और मार्ग-दर्शिका : पूर्व राज्यपाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। प्रत्येक व्यक्ति को, चाहे वह विद्यार्थी हो, शिक्षक हो अथवा और कुछ भी, सभी साक्षरों को पुस्तकों से जुड़ना चाहिए। पुस्तकें ही सबकी सच्ची और अच्छी संगिनी और मार्ग-दर्शिका होती हैं। यह केवल ज्ञान ही नहीं प्रदान करती, बल्कि दुखी मन का रंजन भी करती है और थके हुओं को नया उत्साह और नयी ऊर्जा भी प्रदान करती है। यह बातें मंगलवार को, कदमकुआँ स्थित बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में आरंभ हुए, 'हिन्दी पखवारा एवं पुस्तक चौदस मेला' का उद्घाटन करते हुए, सिक्किम के पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद ने कही। उन्होंने कहा कि संपूर्ण भारतवर्ष अब यह समझ चुका है कि देश के लिए हिन्दी बहुत आवश्यक है। दक्षिण और पूर्वोत्तर में भी अब संपर्क भाषा के रूप में हिन्दी का उपयोग किया जा रहा है। राष्ट्रभाषा के संबंध में आरंभ में ही भूल हो गयी। यदि हिन्दी 'राष्ट्रभाषा' घोषित कर दी गयी होती, तो आज हमें इस विषय पर चर्चा करने की आवश्यकता नहीं होती। हिन्दी एक भाषा ही नहीं, भारत की अभिमान है। समारोह के मुख्यअतिथि और राज्य उपभोक्ता संरक्षण आयोग, बिहार के अध्यक्ष न्यायमूर्ति संजय कुमार ने कहा कि यह शुभ संकेत है कि अब पुस्तकों के प्रति पाठकों का रुझान बढ़ा है। हिन्दी के प्रति भी सम्मान का भाव बढ़ा है। पुस्तक और पुस्तकालय से जुड़ कर ही हम अपना ज्ञान बढ़ा सकते हैं। साहित्य सम्मेलन हिन्दी के विकास और हिन्दी के प्रति आमजन की रूचि बढ़ाने हेतु निरन्तर कार्य करता रहा है। यह आयोजन भी उसी कड़ी में है। सभा की अध्यक्षता करते हुए सम्मेलन अध्यक्ष डा अनिल

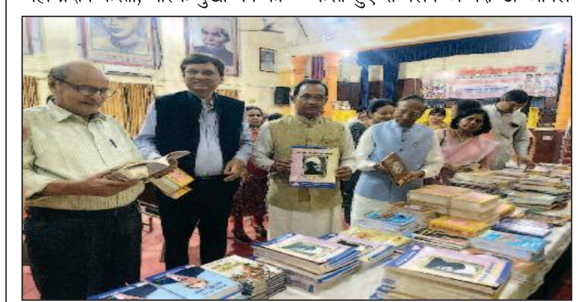

सुलभ ने कहा कि, जिस कारण से हम हिन्दी-दिवस मनाते हैं, वह तो आज भी छलावा है। हिन्दी को 'भारत की राजभाषा' घोषित कर भी 'राज-भाषा' का स्थान नहीं दिया गया। अब तो भारत के लोग हिन्दी को 'राष्ट्रभाषा'के रूप में ही देखना चाहते हैं। इससे कम में भारत के डेढ़ अरब की आबादी कुछ भी स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है। उन्होंने पुस्तक चौदस मेले से पुस्तकों के क्रय का आग्रह करते हुए कहा कि यह मेला सम्मेलन द्वारा इस भाव और आकांक्षा से लगाया जाता है कि यहाँ से क्रय कर घर ले जायी गयी पुस्तकें, उसी प्रकार ज्ञान की वृद्धि करती हैं, जिस प्रकार 'धन-त्रयोदशी' को खरीदी गयी संपत्ति से घर में लक्ष्मी की वृद्धि होती है। हिन्दी के महान ध्वज-वाहक फादर कामिल बुल्के और राष्ट्रभाषा-प्रहरी नृपेंद्रनाथ गुप्त को स्मरण करते हुए, डा सुलभ ने कहा कि इन जैसे हिन्दी के घोर पक्षधरों के कारण यह भाषा, अवरोधों के बाद भी निरन्तर आगे बढ़ती रही।

जनता दरबार में 60 से अधिक फरियादी पहुंचे, डीसी ने सुनीं समस्याएं

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। आम लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी रामनिवास यादव ने मंगलवार को अपने कार्यालय में जनता दरबार लगाया। जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे 60 से अधिक फरियादियों ने बिजली बिल, जमीन विवाद, पेंशन, रोजगार, आवास, राशन कार्ड, सामाजिक सुरक्षा और पारिवारिक विवाद समेत कई समस्याएं रखीं। डीसी ने एक-एक कर फरियादियों की शिकायतें सुनीं और संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण कार्रवाई का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जिन मामलों का तत्काल समाधान संभव है, उनका शीघ्र निष्पादन किया जाए, जबकि जांच की जरूरत वाले मामलों को निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जाए। डीसी ने अधिकारियों को आवेदनों की नियमित मॉनिटरिंग करने और कार्रवाई की प्रगति से अवगत कराने का भी निर्देश दिया। जनता दरबार में कई मामलों का ऑन-द-स्पॉट समाधान किया गया, जबकि शेष मामलों के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

70 स्ट्रीट फूड वेंडर्स को प्रमाणपत्र और किट के साथ दो दिवसीय शिविर का समापन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। शहर के स्ट्रीट फूड वेंडर्स को स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से नेशनल एसोसिएशन ऑफ स्ट्रीट वेंडर्स ऑफ इंडिया (नासवी) के तत्वाधान में आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण एवं जागरूकता शिविर का मंगलवार को समापन हुआ। समापन समारोह में 70 प्रशिक्षित स्ट्रीट फूड वेंडर्स को प्रमाणपत्र और आवश्यक किट प्रदान किए गए। प्रशिक्षण के दौरान विक्रेताओं को खाद्य सुरक्षा, व्यक्तिगत स्वच्छता, साफ-सफाई, सुरक्षित खाद्य पदार्थों के रखरखाव तथा ग्राहकों को गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी गई। आयोजकों ने कहा कि स्वच्छता के मानकों का पालन कर स्ट्रीट फूड कारोबार को और बेहतर बनाया जा सकता है। प्रशिक्षण में शामिल वेंडर्स ने इसे अपने व्यवसाय के लिए उपयोगी पहल बताते हुए आयोजकों के प्रति आभार जताया। कार्यक्रम को सफल बनाने में गिरिडीह फुटपाथ दुकानदार विक्रेता संघ के अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा टार्जन, सदस्य एवं सामाजिक कार्यकर्ता पंकज कुमार सागर, सचिव अफगान उर्फ बबलू तथा कोषाध्यक्ष मोहम्मद इकबाल सहित अन्य लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पीएम आवास की स्थायी प्रतीक्षा सूची पर 16 सितंबर तक आपत्ति का मौका

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत आवास प्लस 2024 सर्वेक्षण से तैयार स्थायी प्रतीक्षा सूची को लेकर जिला प्रशासन ने पात्र परिवारों को बड़ी राहत दी है। ग्राम सभा स्तर पर सूची से बाहर किए गए पात्र परिवार 1 से 16 सितंबर तक जिला स्तरीय अपीलीय समिति के समक्ष आपत्ति या अपील दर्ज करा सकेंगे। उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी रामनिवास यादव ने अधिकारियों को पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया है। आवासॉफ्ट के जिला लॉगिन पर स्वीकृत और अस्वीकृत लाभुकों की सूची उपलब्ध कराई जा रही है।जिला स्तरीय समिति आपत्तियों की जांच करेगी। जांच में पात्र पाए जाने वाले परिवारों का नाम समिति की अनुशंसा पर अंतिम स्थायी प्रतीक्षा सूची में शामिल किया जा सकेगा। अंतिम सूची जारी होने के बाद किसी भी स्तर पर संशोधन की अनुमति नहीं होगी। इसलिए पात्र परिवारों से निर्धारित समय सीमा के भीतर आपत्ति या अपील दर्ज कराने की अपील की गई है।

योजनाओं का वास्तविक मूल्यांकन कागजों पर नहीं बल्कि लाभुकों में आए बदलाव से : शिल्पी नेहा तिर्की

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो। सरकार योजनाएँ बनाती है, बजट उपलब्ध कराती है और संसाधन सुनिश्चित करती है, लेकिन किसी भी योजना की वास्तविक सफलता तभी मानी जा सकती है, जब उसका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे और उसके जीवन में सकारात्मक बदलाव दिखाई दे। इसी सोच के साथ कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के मत्स्य प्रभाग द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जमीनी स्थिति का जायजा लेने आज कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की हजारीबाग जिले के नगवा एवं चुरचू गाँव पहुँचीं। इस दौरान मंत्री ने योजनाओं से जुड़े लाभुकों से सीधे संवाद किया और योजनाओं से मिल रहे लाभ, उनके अनुभव, सामने आ रही चुनौतियों तथा रोजगार एवं आय बढ़ाने की संभावनाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता केवल योजनाएँ शुरू करना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि उनका लाभ वास्तविक रूप से किसानों, युवाओं और ग्रामीण परिवारों तक पहुँचे। निरीक्षण के दौरान बायोफ्लॉक योजना के लाभुकों से बातचीत करते हुए मंत्री ने कहा कि मत्स्य पालन आज ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने का प्रभावी माध्यम बन सकता है। 25 बायोफ्लॉक टैंक की एक इकाई की लागत लगभग 25 लाख रुपये है, जिस पर सरकार द्वारा 60 प्रतिशत तक अनुदान का प्रावधान है। इस योजना से जुड़कर युवा मत्स्य पालन को व्यवसाय के रूप में अपना रहे हैं और अपने गाँव में ही रोजगार एवं आय के नए अवसर तैयार कर रहे हैं। मंत्री ने कहा कि युवाओं के उत्साह और मेहनत को देखकर यह विश्वास और मजबूत होता है कि यदि सरकारी योजनाओं का सही क्रियान्वयन और तकनीकी सहयोग मिले, तो ग्रामीण क्षेत्रों में ही रोजगार की मजबूत संभावनाएँ विकसित की जा सकती हैं। हजारीबाग में विकसित हो रहा पर्ल क्लस्टर झारखंड में मत्स्य क्षेत्र के विविधीकरण और ग्रामीण आय बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। मोती की खेती के माध्यम से किसान पारंपरिक कृषि एवं मत्स्य गतिविधियों के साथ अपनी आय के अतिरिक्त स्रोत विकसित कर रहे हैं। सरकार द्वारा प्रति यूनिट ₹16,000 की सहायता उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे किसानों को मोती की खेती जैसे नए और संभावनाशील क्षेत्र से जुड़ने में प्रोत्साहन मिल रहा है।

हरलाडीह मंडल में भाजपा की मासिक बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर गिरिडीह विधानसभा क्षेत्र के पीरटांड़ प्रखंड अंतर्गत हरलाडीह मंडल में भाजपा की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष सोमनाथ पाण्डेय ने की। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष रंजीत कुमार राय एवं मंडल प्रवासी सुनील पासवान मौजूद रहे। इस दौरान संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, आगामी पार्टी कार्यक्रमों तथा संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर कार्यकताओं के साथ विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में मंडल के सभी पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यकताओं ने संगठन को और अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाने तथा जनसेवा के कार्यो को गति देने का संकल्प लिया। बैठक में कार्यकताओं ने एकजुट होकर संगठन के विस्तार और पार्टी की गतिविधियों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया।

फजीर्वाड़ा मामले में राधास्वामी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष मुकेश सिन्हा हिरासत में

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। चर्चित फजीर्वाड़ा मामले में राधास्वामी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष मुकेश सिन्हा को पचम्बा थाना पुलिस ने हिरासत में लिया है। पुलिस उनसे मामले में उनकी कथित भूमिका को लेकर गहन पूछताछ कर रही है। जानकारी के अनुसार मुकेश सिन्हा पिछले कई दिनों से पुलिस की नजर से दूर थे। मामले की जांच के दौरान जुटाए गए तथ्यों के आधार पर पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। सूत्रों के अनुसार जांच एजेंसियां फजीर्वाड़े से जुड़े विभिन्न पहलुओं और इसमें शामिल अन्य संभावित लोगों की भूमिका की भी पड़ताल कर रही हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूछताछ के दौरान मिले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। मामले में वित्तीय लेन-देन, दस्तावेजों की सत्यता तथा कथित अनियमितताओं से जुड़े बिंदुओं की भी जांच की जा रही है। फिलहाल मुकेश सिन्हा से पूछताछ जारी है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही मामले में उनकी भूमिका और आगे की कानूनी कार्रवाई को लेकर स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। इस घटनाक्रम के बाद जिले में मामले को लेकर चचाओं का दौर तेज हो गया है।

70 साल में एलआईसी बना भरोसे का बरगद, 59 लाख करोड़ की संपत्ति

71वें स्थापना दिवस पर गिरिडीह में दीप प्रज्वलन, कर्मचारी संघ ने गिनाई उपलब्धियां; आर्थिक विकास में योगदान को बताया बेमिसाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने मंगलवार को अपना 71वां स्थापना दिवस मनाया। गिरिडीह शाखा कार्यालय में दीप प्रज्वलित कर बीमा सप्ताह का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में अधिकारियों, कर्मचारियों, विकास अधिकारियों और अभिकताओं ने एलआईसी की सात दशक लंबी सेवा यात्रा को याद कियाक कार्यक्रम का संचालन राजेश कुमार उपाध्याय ने किया। वरीय शाखा प्रबंधक एसएन भर्तृवर, बीमा कर्मचारी संघ के सचिव धर्म प्रकाश, विकास अधिकारी मनोज कुमार समेत अन्य अधिकारियों एवं अभिकताओं ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित किया। इस अवसर पर वरिष्ठ कर्मचारी संजय शर्मा को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इसके बाद अखिल भारतीय बीमा कर्मचारी संघ, गिरिडीह शाखा की ओर से प्रेस वार्ता आयोजित की गई। मंडलीय संयुक्त सचिव धर्म प्रकाश ने कहा कि 1 सितंबर 1956 को लगाए गए एलआईसी के छोटे से पौधे ने 70 वर्षों में वित्तीय क्षेत्र के विशाल बरगद का रूप ले लिया है। उन्होंने कहा कि एलआईसी ने न केवल करोड़ों लोगों को आर्थिक सुरक्षा दी, बल्कि देश के विकास में भी बड़ी भूमिका निभाई है। धर्म प्रकाश के अनुसार एलआईसी की कुल संपत्ति 59 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। देश के विकास के लिए किए गए करीब 55 लाख करोड़ रुपये के निवेश में से लगभग 40 लाख करोड़ रुपये केंद्र एवं राज्य सरकारों की प्रतिभूतियों के साथ सिंचाई, आवास, बिजली, सड़क, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी ढांचों में लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि पिछले 70 वर्षों में एलआईसी ने भारत सरकार को लाभांश के रूप में 51 हजार करोड़ रुपये से अधिक दिए हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 में ही केंद्र सरकार को 12,207 करोड़ रुपये लाभांश दिया गया। इसी अवधि में प्रथम प्रीमियम आय में एलआईसी की बाजार हिस्सेदारी 56.66 प्रतिशत और नव व्यवसाय पॉलिसियों में 65.16 प्रतिशत रही। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में निगम की कुल आय 12.42 प्रतिशत बढ़कर 9,72,914 करोड़ रुपये हो गई। यह उपलब्धि एलआईसी की मजबूत स्थिति और ग्राहकों के भरोसे को दशार्ती है।वितरण व्यवस्था में बदलाव पर जताई चिंता धर्म प्रकाश ने आईआरडीए द्वारा बीमा वितरण व्यवस्था में किए जा रहे बदलावों पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि एलआईसी की 98.42 प्रतिशत पॉलिसियां अभिकताओं के माध्यम से होती हैं। ऐसे में वितरण प्रणाली में बदलाव का असर निगम के कामकाज और अभिकताओं की भूमिका पर पड़ सकता है।उन्होंने कहा कि मौजूदा चुनौतीपूर्ण आर्थिक माहौल में एलआईसी की वृद्धि दर, बाजार हिस्सेदारी और ग्राहकों का भरोसा बनाए रखना जरूरी है। इसके लिए अधिकारी, कर्मचारी, विकास अधिकारी और अभिकर्ता मिलकर बेहतर ग्राहक सेवा देने के लिए काम करें। इस अवसर पर संघ ने एलआईसी को और मजबूत बनाने तथा उसके सामाजिक और आर्थिक दायित्वों की रक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।और ज्यादा तीखा मुख्य शीर्षक चाहें तो इनमें से कोई भी इस्तेमाल किया जा सकता है: ह्लभरोसे का बरगद बना एलआईसी, 70 साल में खड़ा किया 59 लाख करोड़ का साम्राज्यह्व सात दशक की सेवा, 59 लाख करोड़ की ताकत— एलआईसी ने रचा इतिहासह्व बीमा से विकास तक एलआईसी का दबदबा, 70 साल में बना आर्थिक सुरक्षा का मजबूत स्तंभ।

सोन नदी का जलस्तर बढ़ा, हुसैनाबाद के तटीय गांवों में अलर्ट

दो लाख क्यूसेक अतिरिक्त पानी पहुंचने से बढ़ी चिंता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हुसैनाबाद (पलामू)। सोन नदी के जलस्तर में लगातार हो रही वृद्धि को देखते हुए हुसैनाबाद क्षेत्र में प्रशासन और जल संसाधन विभाग ने नदी किनारे रहने वाले ग्रामीणों, किसानों और पशुपालकों को सतर्क रहने की सलाह दी है। पिछले दिन विभिन्न बराज एवं जलाशयों से करीब दो लाख क्यूसेक अतिरिक्त पानी सोन नदी में पहुंचने के बाद नदी के जलस्तर में अचानक वृद्धि दर्ज की गई। इससे सोन तटवर्ती इलाकों में चिंता बढ़ गई है। हुसैनाबाद प्रखंड के सोनपुरवा, देवरी खुर्द, देवरी कला, बुधुआ, बड़ेपुर और दंगवार समेत कई गांवों में सोन नदी के किनारे भूमि कटाव जारी है। ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों से नदी के कटाव से बचाव के लिए तटबंध निर्माण की मांग की जा रही है, लेकिन अबतक इस दिशा में ठोस पहल नहीं हुई है। ग्रामीणों का आरोप है कि जनप्रतिनिधियों द्वारा भी कई बार आवाज उठाए जाने के बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है। सोन नदी के बीच कई स्थानों पर बालू के ऊंचे टीले हैं। इन टीलों पर स्थानीय और कुछ बाहरी किसान परवल, खीरा समेत विभिन्न मौसमी सब्जियों की खेती करते हैं और कुछ लोग मवेशी भी रखते हैं। हालांकि सोन नदी के बीच स्थित ऊंचे स्थानों और नदी के किनारे रहने वाले लोगों को एहतियातन अलर्ट किया गया है। बारिश के मौसम में जलाशयों में पानी बढ़ने के साथ अतिरिक्त पानी को सोन नदी में छोड़ा जाता है। इंद्रपुरी स्थित सोन बराज से भी अतिरिक्त पानी को विभिन्न नहरों में छोड़े जाने की प्रक्रिया जारी है। ऐसे में सोन नदी के जलस्तर पर लगातार नजर रखी जा रही है। सोन नदी का बहाव आगे बिहार के रोहतास जिले की ओर जाता है। इंद्रपुरी बराज और अन्य जल स्रोतों से पानी छोड़े जाने का असर रोहतास के सोन तटीय इलाकों पर भी पड़ सकता है। हालांकि फिलहाल किसी बड़े खतरे की स्थिति नहीं बताई गई है लेकिन जलस्तर में अचानक वृद्धि की संभावना को देखते हुए नदी किनारे रहने वाले लोगों और नदी के बीच खेती करने वालों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि जलस्तर बढ़ने की स्थिति में नदी के बीच बने टीलों, निचले इलाकों और कटाव प्रभावित क्षेत्रों में जाने से बचें तथा किसी भी तरह की सूचना मिलने पर तत्काल सुरक्षित स्थान की ओर चले जाएं।

तटवर्ती गांवों में माइकिंग कर किया जा रहा अलर्ट

सोन नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी को देखते हुए हुसैनाबाद और हैदर नगर क्षेत्र के तटवर्ती गांवों में प्रशासन ने सतर्कता बढ़ा दी है। जलाशयों से करीब दो लाख क्यूसेक अतिरिक्त पानी सोन नदी में पहुंचने के बाद नदी का जलस्तर बढ़ा है। हैदर नगर थाना क्षेत्र के सोन नदी से सटे सभी गांवों यथा-कबरा कला, परता एवं सजवन में पुलिस ने माइकिंग कर ग्रामीणों को अलर्ट किया है। थाना प्रभारी तंजीलूल मनान मनउव्वर ने बताया कि नदी के बीच बालू के टीलों पर खेती करने वाले किसानों, पशुपालकों और नदी किनारे रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थान पर लौटने की सलाह दी गई है। इधर हुसैनाबाद के सोनपुरवा, देवरी खुर्द, देवरी कला, बुधुआ, बड़ेपुर और दंगवार समेत तटीय इलाकों में ग्रामीणों को विशेष सावधानी बरतने को कहा गया है। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है लेकिन जलस्तर में अचानक वृद्धि की आशंका को देखते हुए प्रशासन लगातार निगरानी कर रहा है।

टेंटा की बेटी ने हासिल की पीएचडी की उपाधि

शालिग्राम तिवारी के परिवार ने बढ़ाया हुसैनाबाद का मान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जपला (पलामू)। ग्रामीण परिवेश में पली-बढ़ी टेंटा गांव की बेटी संचिता गौड़ ने अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने पटना विश्वविद्यालय से गृह विज्ञान विषय में पीएचडी (डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी) की उपाधि प्राप्त कर न केवल अपने परिवार, बल्कि हुसैनाबाद और टेंटा गांव का नाम भी गौरवान्वित किया है। पटना में आयोजित दीक्षांत समारोह में बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सय्यद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) ने उन्हें पीएचडी की उपाधि प्रदान की। संचिता गौड़ हुसैनाबाद प्रखंड के टेंटा गांव निवासी पत्रकार एवं व्यवसायी शालिग्राम तिवारी की पुत्री हैं। उनकी इस उपलब्धि की खबर मिलते ही टेंटा गांव सहित पूरे हुसैनाबाद क्षेत्र में खुशी का माहौल है। परिवार के लोगों, रिश्तेदारों और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। संचिता के पिता शालिग्राम तिवारी एवं माता नीता तिवारी लंबे समय से पत्रकारिता एवं व्यवसाय के क्षेत्र से जुड़े हैं और फिलहाल उत्तर प्रदेश के वाराणसी में रहते हैं। बेटी की इस उपलब्धि से पूरा परिवार उत्साहित है। संचिता की सफलता पर बीएचयू छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष बीरेन्द्र सिंह, समाजसेवी उपेंद्र सिंह तथा पूर्व मुखिया धर्मराज सिंह उर्फ बैरिस्टर सिंह सहित कई गणमान्य लोगों ने बधाई दी है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण परिवेश से निकलकर उच्च शिक्षा के क्षेत्र में पीएचडी जैसी उपलब्धि हासिल करना क्षेत्र के अन्य छात्र-छात्राओं के लिए प्रेरणादायक है। संचिता गौड़ की सफलता ने यह साबित किया है कि प्रतिभा किसी क्षेत्र या परिवेश की मोहताज नहीं होती। लगन, मेहनत और निरंतर प्रयास के बल पर ग्रामीण क्षेत्र की बेटियां भी शिक्षा के सर्वोच्च मुकाम तक पहुंच सकती है।

एक नजर

12 सितंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत, 5600 वाद चिन्हित

बिहारशरीफ। नालंदा में 12 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता को लेकर न्यायिक प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। बिहारशरीफ में आयोजित होने वाली लोक अदालत में अधिक से अधिक मामलों का त्वरित एवं आपसी समझौते के आधार पर निष्पादन कराने की तैयारी की जा रही है। राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, नालंदा की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक हुई। इसमें मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कुलदीप, रोहन रंजन, एसीजेएम द्वितीय प्रमोद कुमार शर्मा, एसडीजेएम प्रियांशु शर्मा समेत सभी न्यायिक दंडाधिकारी मौजूद रहे।बैठक में बताया गया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए कुल 5600 वाद चिन्हित किए गए हैं। इनमें अब तक 11,112 नोटिस जारी किए जा चुके हैं। वहीं 651 मामलों में प्री-सिटिंग की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है, जबकि 117 मामलों में अवार्ड भी तैयार किए जा चुके हैं।जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव राजेश कुमार गौरव तैयारियों की लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं। सभी न्यायालयों से प्रतिदिन चिन्हित मामलों, नोटिस जारी करने और प्री-सिटिंग की प्रगति रिपोर्ट ली जा रही है।बैठक में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने सभी न्यायिक पदाधिकारियों को पूरी तत्परता से कार्य करते हुए अधिक से अधिक मामलों का निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही प्रतिदिन की प्रगति रिपोर्ट सचिव को उपलब्ध कराने को कहा गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव राजेश कुमार गौरव ने बताया कि 12 सितंबर को आयोजित लोक अदालत में ट्रैफिक चालान के मामले को प्राथमिकता देते हुए ज्यादा से ज्यादा निपटारा किया जायेगा। इसके लिए परिवहन कार्यालय को अधिक से अधिक पक्षकारों को सूचना देने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने बताया कि 90 दिन पुराने मामले को सरकार के नियमो अनुसार 50 फिशदी छुट दिया जाएगा।

सड़क पर बह रहा नाले का गंदा पानी, स्कूली छात्र-छात्राओं और राहगीरों की बढ़ी परेशानी

हरनौत। नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड संख्या-13 स्थित आदर्श नगर मोहल्ले में जलनिकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। मुख्य सड़क पर नाले का गंदा पानी बहने के कारण राहगीरों, स्कूली छात्र-छात्राओं और स्थानीय लोगों को आवागमन में कठिनाई हो रही है। मंगलवार को हुई बारिश के बाद स्थिति और गंभीर हो गई। लोगों को गंदे पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ा। स्थानीय लोगों के अनुसार, सड़क की मरम्मत एवं ढलाई का कार्य करीब 64 लाख रुपये की लागत से कराया जा रहा है, लेकिन कई स्थानों पर निर्माण अधूरा पड़ा है। सड़क पर बने ऊंचे-नीचे हिस्सों और अवरोधों के कारण बाइक, निजी वाहन और स्कूली वाहनों के परिचालन में भी परेशानी हो रही है।इस मार्ग से प्रतिदिन सैकड़ों छात्र-छात्राएं प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय तथा विभिन्न कोचिंग संस्थानों में जाते हैं। लोगों का कहना है कि गंदे पानी के कारण कई छात्राओं के कपड़े खराब हो जाते हैं और उन्हें वापस घर लौटना पड़ता है। कोचिंग संचालक सहदेव कुमार पटेल ने बताया कि अधूरी सड़क और जलजमाव से विद्यार्थियों के साथ आसपास के ग्रामीणों को भी परेशानी हो रही है।मोहल्लेवासी संजय सिंह ने आरोप लगाया कि आसपास के करीब 500 घरों का गंदा पानी आदर्श नगर की ओर आकर जमा हो रहा है। इससे दुर्गंध, मच्छरों के प्रकोप और जलजनित बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। अवधेश कुमार, अजय कुमार, नरेंद्र प्रसाद और अमन कुमार ने भी समस्या के शीघ्र समाधान की मांग की।स्थानीय लोगों ने नगर पंचायत एवं संबंधित विभाग से उचित नाला और आउटलेट बनाकर जलनिकासी की स्थायी व्यवस्था करने तथा अधूरी सड़क की ढलाई जल्द पूरा कराने की मांग की है।

सोशल मीडिया पर कमेंट से बचने की सलाह

दाउदनगर (औरंगाबाद)। भगवान प्रसाद शिवनाथ प्रसाद बीएड कॉलेज में सोमवार को आयोजित यदुवंशी संवाद कार्यक्रम में कई वक्ताओं ने लोगों को सलाह दी। अपील की कि अनावश्यक लिखापढ़ी सोशल मीडिया पर न करें। मालूम हो कि सोशल मीडिया पर अनावश्यक बातें लिखने से सामाजिक, राजनीतिक व वैयक्तिक शत्रुता बढ़ रही है। दाउदनगर में इस कारण माहौल गंदा हो गया है। अनावश्यक टीका टिप्पणी से विवाद गंभीर हो जा रहा और कई बार हिंसक स्थिति बन जाती है। ऐसे में मंच से इस मुद्दे पर बात रखना खासा महत्वपूर्ण है। पूर्व मुखिया व जिप सदस्य राधेश्याम सिंह ने लोगों से विशेषतः यादवों से आग्रह किया कि वे अपशब्द, अनावश्यक न लिखें। लिखना पढ़ना है तो बीपीएससी के लिए लिखिए, पढ़िए। इसी मंच से हेलीकॉप्टर हाउस के अजीत सिंह ने विधायक डॉ. प्रकाशचंद्र और उनके लोगों को सलाह दिया कि अनावश्यक विवाद से बचना चाहिए। मामूली विवाद को विस्तार देना उचित नहीं है। माफी मांग कर विवाद को खत्म करना महत्वपूर्ण है।

राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता को लेकर थानाध्यक्षों की बैठक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन को लेकर आज जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा के तत्वावधान में व्यवहार न्यायालय, नवादा परिसर स्थित लाइब्रेरी हॉल में जिले के विभिन्न थानों के थाना अध्यक्षों/प्रभारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 12 सितम्बर 2026 को किया जाना है। बैठक की अध्यक्षता प्रभारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा द्वारा की गई। बैठक में राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक मामलों का सुलह एवं समझौते के आधार पर निष्पादन सुनिश्चित करने के लिए संबंधित थानों को निर्गत नोटिसों की तामिला की समीक्षा की गई।

समीक्षा के दौरान पाया गया कि जिले के विभिन्न थानों को कुल 4080 नोटिस तामिला हेतु भेजे गए हैं, जिनमें से अब तक 1934 नोटिसों की तामिला कराई जा चुकी है। जिन थानों में नोटिसों की तामिला अपेक्षाकृत कम हुई है, उनके थाना अध्यक्षों/प्रभारियों को शत-प्रतिशत नोटिसों की तामिला सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। प्रभारी सचिव द्वारा निर्देश दिया गया कि निर्गत नोटिसों की अधिक से अधिक तामिला कराई जाए तथा पक्षकारों को राष्ट्रीय लोक अदालत के महत्व एवं इसके माध्यम से मामलों के त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण समाधान के संबंध में जानकारी दी जाए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता काफी हद तक नोटिसों की तामिला पर निर्भर करती है। इसलिए सभी संबंधित पदाधिकारी तामिला कार्य में विशेष रुचि लेते हुए ग्राम स्तर तक पहल करें। साथ ही, जिन मामलों में नोटिसों की तामिला हो चुकी है, उनमें अधिक से अधिक पक्षकारों को राष्ट्रीय लोक अदालत में उपस्थित कराने तथा सुलह-समझौते के आधार पर मामलों के निष्पादन हेतु आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। संबंधित थानों को तामिला से संबंधित प्रतिवेदन जिला विधिक सेवा प्राधिकार कार्यालय को उपलब्ध कराने को कहा गया। बैठक में संबंधित थाना अध्यक्ष/थाना प्रभारी उपस्थित रहे तथा उन्हें आगामी 12 सितम्बर 2026 को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

मतदाता पंजीकरण एवं मतदाता पंजी विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की तैयारी पूरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। मतदाता पंजीकरण एवं मतदाता पंजी' विषय पर रांची के नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ में कल से दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की शुरुआत होगी। सम्मेलन में नामचीन शिक्षाविद, चुनाव प्रबंधन विशेषज्ञ, विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधि और निर्वाचन संबंधी मास्टर ट्रेनर हिस्सा लेंगे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के। रवि कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस दो दिवसीय सम्मेलन की जानकारी दी।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि इस दो दिवसीय सम्मेलन की शुरुआत कल 2 सितंबर को सुबह के 10:00 बजे होगी, जो 03:00 सितंबर की शाम 04:00 बजे तक चलेगी। सम्मेलन का उद्घाटन सत्र 02 सितंबर को पूर्वाह्न 10:00 बजे से 11:30 बजे तक होगा। इसका मुख्य उद्देश्य विभिन्न लोकतांत्रिक देशों और भारत के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों के अनुभवों व सुझावों का मंथन कर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करना है, जो भविष्य में वैश्विक व राष्ट्रीय स्तर पर निर्वाचन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने में सहायक सिद्ध होगी।

दो दिनों में 58 रिसर्च पेपर पर होगी चर्चा

मतदाता पंजीकरण एवं मतदाता पंजी' विषय पर आयोजित इस दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 15 सत्र होंगे। जिसमें 58 रिसर्च पेपर पर चर्चा होगी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि इस सम्मेलन के लिए कुल 230 पेपर प्राप्त हुए थे, जिसमें से प्रारंभिक चरण में 80 को स्वीकार किया गया। तत्पश्चात संबंधित विषयों के विशेषज्ञों ने अंतिम रूप से 58 पेपर को स्वीकृत किया है।

इस मौके पर कार्यक्रम के नॉलेज पार्टनर बने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट रांची, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ रांची और सेंट जेवियर्स कॉलेज, रांची के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। इन प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञों ने भारत निर्वाचन आयोग के इस पहल की सराहना की और इस तरह के आयोजन पर आनेवाले विचार को चुनावी प्रक्रियाओं में सुधार, मतदाता सूची के वैज्ञानिक प्रबंधन और लोकतांत्रिक भागीदारी बढ़ाने के व्यवहारिक व कानूनी पहलुओं के लिए महत्वपूर्ण बताया।

दो दिवसीय सम्मेलन में विशेषज्ञों का होगा व्याख्यान

दो दिवसीय इस सम्मेलन में सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड के कुलपति प्रो। सारंग मेढेकर, एनयूएसआरएल के कुलपति प्रो. (डॉ.) अशोक आर. पाटिल, आईआईएम रांची के निदेशक प्रो। दीपक कुमार श्रीवास्तव और सेंट जेवियर्स कॉलेज, रांची के प्राचार्य डॉ. फादर रॉबर्ट प्रदीप कुजूर सहित विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों के शिक्षाविद् एवं विशेषज्ञ भाग लेंगे। विशिष्ट अतिथियों में भारत निर्वाचन आयोग के प्रधान सचिव अरविंद आनंद सहित निर्वाचन एवं अकादमिक क्षेत्र के विशेषज्ञ शामिल होंगे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के। रवि कुमार ने बताया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार द्वारा इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल असिस्टेंस की अध्यक्षता ग्रहण करने के उपरांत भारत मंडपम में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के क्रम में देश के राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के निर्वाचन कार्यालयों को निर्वाचन से संबंधित अलग-अलग विषयों पर शोध का दायित्व दिया गया था। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि शुद्ध, समावेशी, अद्यतन व विश्वसनीय मतदाता सूची लोकतांत्रिक निर्वाचन व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। सम्मेलन में मतदाता पंजीकरण एवं मतदाता सूची निर्माण से जुड़े प्रशासनिक, कानूनी, सामाजिक, तकनीकी और अकादमिक पहलुओं के साथ व्यावहारिक चुनौतियों और बेहतर कार्यप्रणालियों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। उन्होंने बताया कि दो दिनों के तकनीकी व अकादमिक सत्रों में मतदाता पंजीकरण, निर्वाचक नामावली प्रबंधन, डिजिटाइजेशन, मतदाताओं की समावेशिता और लोकतांत्रिक भागीदारी से जुड़े उभरते विषयों पर चर्चा होगी। इसमें निर्वाचन प्रबंधन से जुड़े पदाधिकारी, नीति-निर्माता, विधि विशेषज्ञ, शिक्षाविद्, शोधकर्ता, पत्रकार एवं सिविल सोसाइटी के प्रतिनिधि सहभागिता करेंगे। के। रवि कुमार ने कहा कि सम्मेलन के माध्यम से निर्वाचन प्रबंधन से जुड़े व्यावहारिक अनुभवों और अकादमिक शोध को एक मंच पर लाने का प्रयास किया गया है।

8 सितंबर से काला बिल्ला, मांग नहीं मानने पर अवकाश पर जाएंगे वर्दी वाले

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। पुलिसकर्मियों के मान-सम्मान और लंबित मांगों को लेकर झारखंड पुलिस एसोसिएशन अब सरकार पर सीधा दबाव बनाने की तैयारी में है। धनबाद के बरवाअड्डा थाना प्रकरण को लेकर बढ़ी नाराजगी के बीच एसोसिएशन ने आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। प्रदेश अध्यक्ष राहुल कुमार मुर्मू ने मंगलवार को रांची में आयोजित प्रेस वार्ता में साफ कर दिया कि मांगों पर सरकार ने पहल नहीं की तो आंदोलन चरणबद्ध तरीके से तेज होता जाएगा और आखिर में पुलिसकर्मी छह दिनों के सामूहिक अवकाश पर चले जाएंगे। एसोसिएशन ने आंदोलन को चार चरणों में बांटा है।

पहला चरण : 8 से 11 सितंबर - पुलिसकर्मी ड्यूटी के दौरान वर्दी पर काला बिल्ला लगाकर विरोध दर्ज कराएंगे।

दूसरा चरण : 19 सितंबर - पुलिस केंद्रों, थानों और ओपी में सामूहिक उपवास किया जाएगा। संगठन ने इस दिन मेस बंद रखने का भी निर्णय लिया है।

तीसरा चरण : 24 सितंबर - जिला और इकाई स्तर पर एसपी अथवा समादेष्टा कार्यालय के समक्ष एकदिवसीय धरना होगा। वहीं एसोसिएशन के केंद्रीय पदाधिकारी डीजीपी कार्यालय के सामने धरना देकर अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपेंगे।

चौथा चरण : 5 से 10 अक्टूबर - यदि तब तक मांगों का समाधान नहीं हुआ तो पुलिसकर्मी छह दिनों के सामूहिक अवकाश पर जाएंगे। पुलिस एसोसिएशन ने आंदोलन की शुरुआत 8 सितंबर से करने का एलान किया है। इसके तहत चार दिनों तक पुलिसकर्मी वर्दी पर काला बिल्ला लगाकर ड्यूटी करेंगे। इसके बाद 19 सितंबर को सामूहिक उपवास और 24 सितंबर को धरना दिया जाएगा। इसके बावजूद सरकार ने मांगों पर निर्णय नहीं लिया तो 5 से 10 अक्टूबर तक सामूहिक अवकाश लिया जाएगा, यानी पूरे राज्य के कनीय पुलिसकर्मी ड्यूटी से हट जाएंगे। पुलिस एसोसिएशन के निशाने पर फिलहाल धनबाद का बरवाअड्डा थाना प्रकरण है। संगठन का आरोप है कि थाना और पुलिसकर्मियों के साथ कथित तौर पर अमर्यादित व्यवहार, धक्का-मुक्की, सरकारी कार्य में बाधा और हाजत से आरोपी को छुड़ाने का प्रयास किया गया। मामले में डुमरी विधायक जयराम कुमार महतो और उनके समर्थकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज होने के बावजूद गिरफ्तारी नहीं हुई। संगठन का कहना है कि कार्रवाई की मांग को लेकर धनबाद एसएसपी को पांच दिनों का समय दिया गया था लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। यही वजह है कि पुलिस एसोसिएशन ने अब इस मुद्दे को अपने सदस्यों के सम्मान से जोड़ते हुए आंदोलन का रास्ता चुना है। प्रदेश अध्यक्ष राहुल कुमार मुर्मू ने आरोप लगाया कि विधायक की ओर से संगठन को लेकर सोशल मीडिया और सार्वजनिक मंचों पर कथित तौर पर अभद्र और अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल किया गया।

महिला अधिवक्ताओं के लिए बना कॉमन रूम, प्रधान जिला जज ने किया उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। जिला विधिज्ञ संघ औरंगाबाद में महिला कॉमन रूम का उद्घाटन प्रधान जिला जज राजीव रंजन कुमार ने किया। इस अवसर पर प्रधान जिला जज ने कहा कि व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद में महिला अधिवक्ताओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इसको देखते हुए महिला कॉमन रूम की आवश्यकता नितांत आवश्यक हो गया था। जिला विधिज्ञ संघ औरंगाबाद के अध्यक्ष विजय कुमार पाण्डेय और महासचिव जगनरायण सिंह कि महिला अधिवक्ताओं के आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए महिला कॉमन रूम बनाया है। यह सराहनीय व्यवस्था है। अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि महिला अधिवक्ताओं को आपस में बैठक करने के लिए सुरक्षित और निजी स्थान की आवश्यकता थी। कॉमन रूम का उपयोग मातृत्व एवं शिशु देखभाल, ग्रुप स्टडी, पेशेवर गतिविधियों और गोपनीय कार्यों में भी किया जा सकेगा। नवनिर्मित कॉमन रूम में महिला अधिवक्ताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीन, अलग बाथरूम और शांत एवं स्वच्छ वातावरण जैसी सुविधाएं उपलब्ध करायी गयी है। महिला अधिवक्ताओं ने कॉमन रूम के निर्माण पर खुशी जताते हुए कहा कि इससे न्यायालय परिसर में उन्हें अपनी आवश्यकताओं के अनुरूप सुरक्षित और सुविधाजनक स्थान मिल सकेगा। इस अवसर पर परिवार न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश अरूण कुमार, जिला जज विश्व विभूति गुप्ता, अनंदिता सिंह, अशोक कुमार गुप्ता, दिव्या वशिष्ठ, जिला विधिक सेवा प्राधिकार औरंगाबाद के सचिव तान्या पटेल, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी लाल बिहारी पासवान, जिला विधिज्ञ संघ औरंगाबाद के अध्यक्ष विजय कुमार पाण्डेय महासचिव जगनरायण सिंह सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित थे।

दक्षिण पूर्व रेलवे-निविदा

ई-निविदा सूचना सं. 4629-जीआरसी-सीईसी-II-13-2026, दिनांक 31.08.2026; भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से मुख्य अभियंता (निर्माण)/II/गार्डनरीच-700043, दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। नीचे उल्लिखित निविदाएं वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर अपलोड कर दी गई है। निविदा नियत तारीख को 12.00 बजे बंद कर दी जाएगी। **कार्य का संक्षिप्त विवरण:** दक्षिण पूर्व रेलवे के उप मुख्य अभियंता/निर्माण/आद्रा, निर्माण संगठन के अधिकार क्षेत्र में विभिन्न निर्माण स्थलों/अनुभागों में परियोजना पर्यवेक्षण सेवाएं प्रदान करने के लिए परियोजना पर्यवेक्षण सेवा एजेंसी (पीएसएसए) की नियुक्ति हेतु प्रस्ताव के लिए अनुरोध (आरएफपी)। **अनुमानित लागत:** रु. 10.52 करोड़; **बोली सुरक्षा:** रु. 21,04,200; **समापन अवधि:** 24 महीने [निर्माण अवधि: 18 महीने + डीएलपी अवधि: 6 महीने]। **बंद होने की तारीख:** 25.09.2026; निविदाओं के सम्पूर्ण विवरण/ब्यौरा/विनिर्देश के लिए इच्छुक निविदादातागण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देख सकते हैं तथा अपनी बोलियां ऑनलाइन जमा करें। इन मदों के लिए कोई भी मैनुअल निविदाएं स्वीकार नहीं की जाएगी। **वि.द्र:** प्रत्याशित बोलीदातागण अन्य सभी निविदाओं में भाग लने हेतु नियमित रूप स **www.ireps.gov.in** देख सकते हैं। (PR-703)

पूर्व रेलवे

खुली निविदा सूचना सं.: 53-एसडीएसटीई-एएसएन-2026-27 के तहत ई-निविदा आमंत्रण, दिनांक 31.08.2026, वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम/स्थान:** "आसनसोल मंडल-आसनसोल मंडल में वीएचएफ कम्यूनिकेशन की विश्वसनीयता में सुधार"। **निविदा मूल्य:** रु. 72,94,811.90, **बयाना राशि:** रु. 1,45,900/- **कार्य की समापन अवधि:** एलओए जारी करने की तिथि से 18 माह। **निविदा बंद होने की तिथि और समय:** 23.09.2026 को 14.00 बजे। **वेबसाइट का विवरण: http://www.ireps.gov.in** ASN-239/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: एनआईटी/02/26/44, दिनांक: 31.08.2026, प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, 17, नेताजी सुभाष रोड, दूसरी मंजिल, फेयरली प्लेस, कोलकाता-700001, पूर्व रेलवे के द्वारा निम्नलिखित सामानों की आपूर्ति हेतु ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं:

(क) क्रम सं.; निविदा सं.; विवरण; बयाना राशि निम्नानुसार हैं : **(1) 20263070ए,** (एम) ईएलजीआई का ओवरहॉलिंग किट आरआर20070, रु. 3,07,990/-, **निविदा खुलने की तिथि:**17.09.2026, **समय :** 13.30 बजे **(2) 14261190,** मेमोरी स्टोरेज सुविधा के साथ डिजिटल क्लैंप अर्थ टेस्टर/मीटर की आपूर्ति का क्रय, रु. 2,60,400/-, **निविदा खुलने की तिथि:**21.09.2026, **समय :** 13.30 बजे **(3) 11261657,** एक्सल बॉक्स हाउसिंग फिनिश मशीन्ड आदि, रु. 7,98,820/- **(4) 10262478,** हॉल इफेक्ट एक्टिव स्पीड सेंसर, रु. 1,85,820/-, **निविदा खुलने की तिथि:**18.09.2026, **समय :** 13.30 बजे (क्रम सं. 3 एवं 4 हेतु) **(5) 10262160,** डब्ल्यूएपी-7 एवं डब्ल्यूएजी-9 के लिए अधिकतम करेंट रिले, रु. 2,70,540/-, **निविदा खुलने की तिथि:**14.09.2026, **समय :** 13.30 बजे **(6) 11261146,** बॉल जॉइंट रोल लिंक, रु. 3,70,520/- **निविदा खुलने की तिथि:**22.09.2026, **समय :** 13.30 बजे**(7) 11262603,** आर्टिक्युलेटेड स्फेरोइलास्टिक रबर बेयरिंग, रु. 7,92,260/-, **निविदा खुलने की तिथि:**17.09.2026, **समय :** 13.30 बजे **(8) 20265021,** 1216 केवीए, 22.5 केवी, एसी 50 हर्ट्ज, मेन ट्रैक्शन ट्रांसफॉर्मर (टाइप एलओटी-1216), बॉम्बार्डियर इलेक्ट्रिक फिटेड 3-फेज़ ईएमयू रेक के लिए बिल्ट-इन फ़िल्टर वाइंडिंग, ऑयल और एक्सेसरीज़ के साथ, जो आरडीएसओ स्पेसिफिकेशन नंबर आरडीएसओ/पीई/एसपीसी/ईएमयू/0163 (रिव. 3)-2022 (परिशिष्ट/शुद्धिपत्र संख्या 1 से 4 के साथ) के अनुसार हैं, रु.4,83,330/-, **निविदा खुलने की तिथि:**22.09.2026, **समय :** 13.30 बजे **(9) 11261121,** नॉन-एस्बेस्टस बेस्ड ऑर्गेनिक ब्रेक पैड, रु. 15,79,000/-, **निविदा खुलने की तिथि:**09.10.2026, **समय :** 13.30 बजे**(10) 08261057,** वी-डीप ग्रूव एक्सल पुली आदि का क्रय रु.2,29,680/-, **निविदा खुलने की तिथि:**18.09.2026, **समय :** 13.30 बजे**(11) 15255004डी,** ईओटी क्रेन 20 टन, रु. 1,20,800/-, **निविदा खुलने की तिथि:**21.09.2026, **समय :** 13.30 बजे **(12) 15265052,** ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी-एंजियो का क्रय, रु. 1,69,040/-, **निविदा खुलने की तिथि:**19.10.2026, **समय :** 13.30 बजे **(13) 08261089ए,** रेलवे कैरिज फैन 140 वोल्ट एसी आदि का क्रय, रु.9,28,160/- **(14) 20265046,** 25 केवी एसी ईएमयू के लिए 1050 केवीए ईएमयू ट्रांसफॉर्मर संपूर्ण, रु. 15,19,840/- **(15) 11261007,** मानकीकृत इक्वलाइजिंग स्टे आदि के लिए लोअर स्प्रिंग बीम अरेंजमेंट, रु. 6,64,860/-, **निविदा खुलने की तिथि:**18.09.2026, **समय :** 13.30 बजे (क्रम 13, 14 एवं 15 हेतु) **(16) 15265098,** 30/5 टन कैपासिटी की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण एवं आरंभ आदि, रु.1,30,800/- **(17) 08261096,** पानी ऊपर उठाने वाले 3-फेज़ हॉरिज़ॉन्टल सेंट्रीफ़्यूगल सेल्फ़-प्राइमिंग मोनोसेट पंप%ए0 आदि की खरीद, रु.1,34,300/-, **निविदा खुलने की तिथि:**21.09.2026, **समय :** 13.30 बजे (क्रम सं. 16 एवं 17 हेतु) **(18) 07261153,** सितंबर 2013 के आरडीएसओ के एसटीआर नंबर सी-8217 (रिव. 2) के अनुसार एल्युमिनियम चेकर्ड शीट, साइज़ 3360X813X2.03 मिमी की खरीद, रु. 4,44,470/-, **निविदा खुलने की तिथि:**18.09.2026, **समय :** 13.30 बजे **(19) 08261739,** 03 आइटमों से संलग्न कम्प्रेसर किट, रु. 4,66,000/- **(20) 11265007बी,** एलएचबी नॉन एसी के लिए आईओटी आधारित वाटर लेवल इंडिकेटर सिस्टम की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण एवं आरंभ, रु. 9,74,360/- **(21) 11261038ए,** डायरेक्ट माउंटेड डबल रो सेल्फ-अलाइनिंग स्फेरिकल रोलर बेयरिंग, रु. 7,55,890/-, **निविदा खुलने की तिथि:**22.09.2026, **समय :** 13.30 बजे (क्रम 19, 20 एवं 21 हेतु) **(22) 11262641,** ओवरहेड डबल एक्टिंग कंसील्ड डोर सीआई आदि का क्रय, रु.1,32,710/- **(23) 11261520,** एलएचबी कोचों आदि के लिए बाइट टाइप फिटिंग्स के सेट का क्रय आदि, रु.1,04,770/-, **निविदा खुलने की तिथि:**18.09.2026, **समय :** 13.30 बजे (क्रम सं. 22 एवं 23 हेतु) **(24) 1226_एलसी_फिटिंग_4916,** आरडीएसओ ड्रॉ. नंबर टी-4916 के अनुसार 60 केजी के लिए पीएससी स्लीपर बीजी पर लेवल क्रॉसिंग फिटिंग की खरीद, फिटिंग सहित, रु. 4,69,450/-, **निविदा खुलने की तिथि:**08.09.2026, **समय :** 13.30 बजे **(25) 1226_आईएसईजे_6902,** आरडीएसओ ड्रॉ. नं. टी-6902 के तहत इंप्रूव्ड स्विच एक्सपैंशन जॉइंट के क्रय हेतु चालू ठेका, रु.12,72,040/-, **निविदा खुलने की तिथि:**29.09.2026, **समय :** 13.30 बजे **(26) 1226_एंड_कट_एचवीएन,** विभिन्न एंड कट कॉम्बिनेशन हाई विस्कस नाइलन (एचवीएन-66) इंसुलेटिंग लाइनर के निर्माण एवं आपूर्ति के लिए चालू ठेका, रु. 5,77,050/-, **निविदा खुलने की तिथि:**18.09.2026, **समय :** 13.30 बजे **(27) 1226_ग्लूड_2572,** आरडीएसओ ड्रॉ. नं. टी-2572 के अनुरूप 60 केजी ग्लूड इंसुलेटेड रेल जॉइंट्स (जी-3) (एल) टाइप के निर्माण एवं आपूर्ति के लिए चालू ठेका, रु. 50,00,000/- **(28) 12261030ए,** आरडीएसओ ड्रॉ. नंबर टी-5919 के तहत इलास्टिक रेल क्लिप एमके-V के निर्माण और आपूर्ति का चालू ठेका, रु. 50,00,000/-, **निविदा खुलने की तिथि:**03.09.2026, **समय :** 13.30 बजे (क्रम सं. 27 एवं 28 हेतु) **(29) 22261333,** इंट्राविट्रियल इस्तेमाल के लिए नीडल के साथ इंज. एफ्लिबर्सेप्ट 40 मिग्रा/मिली (उत्पाद, निर्माणकारी फर्म की रेलवे बोर्ड द्वारा अनुमोदित उत्पाद सूची में उपलब्ध होना चाहिए) एआई 2026-27, रु.3,04,790/-, **निविदा खुलने की तिथि:**21.09.2026, **समय :** 13.30 बजे **(30) 1226_मेटललाइनर_8995,** आरडीएसओ ड्रॉ. नंबर टी-8995 के समरूप शार्प कर्व के लिए मेटल लाइनर के निर्माण और आपूर्ति का चालू ठेका, रु. 1,23,630/-, **निविदा खुलने की तिथि:**30.09.2026, **समय :** 13.30 बजे। **निविदा मूल्य:** रु. 0 [क्रम सं. 1 से 30 हेतु]।

(ख) अधिक मूल्य वाली निविदा, क्रम सं. : 1, निविदा सं.: 52266667ए, **संक्षिप्त विवरण:** कोचों के एक्सटीरियर के लिए एंटी ग्रैफिटी क्लीयर कोटिंग..., **निविदा की अंतिम तिथि** :28.09.2026, **अनुमानित निविदा मूल्य :** रु. 1,15,96,497, **क्रम सं. : 2, निविदा सं.:** 52257677बी, **संक्षिप्त विवरण:**गुड्स सप्लाई एवं अपहोल्सट्री का फिटमेंट, **निविदा की अंतिम तिथि** :14.09.2026, **अनुमानित निविदा मूल्य :** रु. 1,94,70,000/-, **टिप्पणी:** उपर्युक्त सभी निविदाएँ ई-निविदाएँ हैं एवं सभी निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि आईआरईपीएस की वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** के माध्यम से अपनी बोली ऑनलाइन जमा करें। ऊपर उल्लिखित निविदाओं एवं अन्य आपूर्ति निविदाओं के संबंध में विस्तृत विवरण के लिए, कृपया आईआरईपीएस की वेबसाइट देखें। STORES-32/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व मध्य रेल

निविदा सूचना

ई:निविदा सूचना सं. एस.जी. 664-14-संकेत-2026-27 भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्य हेतु ई:निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्रम सं० : 1. कार्य का नाम : धनबाद डिवीजन में 10 No.-300 मीटर लंबाई वाली ट्रैक मशीन साइडिंग की व्यवस्था हेतु। **2. कार्य का आकलित मूल्य :** ₹1,65,17,595.61 (लगभग), **3. कार्य का अग्रधन राशि :** ₹3,30,400.00, **4. निविदा बंद होने की तिथि एवं समय :** 18.09.2026 (12:30 बजे), **5.** ऐसी ई:निविदाओं के तहत डाक/कुरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रुप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई निविदा के ई निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : **http//www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध होंगे। **द्रष्टव्य :-** प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की अंतिम तिथि से कम से कम दस दिन पहले वेबसाइट : **http//www.ireps.gov.in** का अवलोकन करें।

वरीय मण्डल संकेत एवं दूर संचार अभियन्ता
पूर्व मध्य रेल, धनबाद
पीआर/0829/डीएचएन/एस&टी/टी/26-27/40

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के तरफ से निम्न कार्य हेतु ई.निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.सं. : 1, **ई.निविदा सं० :** इ.सी.आर.-सी.ए.ओ.-सी/एस/इ.टी.इ.एन-एच.जे.ड.एम.इ.-08, **कार्य का नाम :** ECR के धनबाद डिवीजन में गोमोह फ्लाई ओवर (डाउन कनेक्टिविटी के लिए) के निर्माण के सिलसिले में, रेल, स्लीपर, फिटिंग आदि जैसे P.Way मटीरियल की ढुलाई और रेलवे के स्पेसिफिकेशन और स्टैंडर्ड के अनुसार अन्य संबंधित कार्यों सहित परमानेंट वे (permanent way) को जोड़ने का काम। इसमें ये लाइनें शामिल हैं: टेलो से गोमोह ROR लाइन (Ch: 4150.0, Br. No. 7 से गोमोह तक), टेलो से मटारी UP लाइन (Ch: 4150.0, Br. No. 7 से मटारी तक) और टेलो से मटारी DN लाइन (Ch: 4150.0, Br. No. 7 से मटारी तक), **आंकलित मूल्य :** 98137322.92, **बोली प्रतिभूति (रू.):** 1962800.00, **कार्य पूर्ण करने की अवधि :** 09 (नौ) महिना।

उप मुख्य अभियन्ता/निर्माण/1
पूर्व मध्य रेलवे, हजारीबाग
पीआर/0831/कॉन एचजेडबीएन/सीओएनएसटी/टी/26-27/32

तेज धार में तीन बहे

एक को लोगों ने निकाला, दो की एसडीआरएफ की टीम कर रही तलाश

डूबे डायवर्सन पर तीनों बाइक से कर रहे थे पार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। शाहपुर-बनाही रोड पर छेर नदी के डायवर्सन पर बाढ़ का पानी पार करना मंगलवार की दोपहर तीन युवकों को भारी पड़ गया।
बाइक से डायवर्सन पार करने के दौरान तीनों युवक तेज धार की चपेट में आकर बाइक समेत नदी के पानी में बह गए। स्थानीय लोगों की मदद से एक युवक को किसी तरह सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।
दो युवक तेज बहाव में बहकर लापता हो गए। लापता युवकों की पहचान शाहपुर नगर पंचायत के वार्ड नंबर एक स्थित शोभिटोला निवासी सचिन रवानी (21) और संदीप रवानी (20) के रूप में हुई है।
बताया जाता है कि तीनों दोस्त मंगलवार की दोपहर बाइक से रुद्रनगर गांव गए थे। वहां से वापस लौटने के दौरान छेर नदी के डायवर्सन पर बाढ़ का पानी बह रहा था। इसके बावजूद तीनों बाइक से पानी पार करने का प्रयास करने लगे। इसी दौरान अचानक तेज धार की चपेट में आने से बाइक समेत तीनों युवक बह गए। आसपास मौजूद स्थानीय लोगों ने एक युवक को काफी मशक्कत के बाद सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हालांकि, सचिन रवानी और संदीप रवानी का कोई पता नहीं चल सका।
घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय गोताखोरों की मदद से दोनों युवकों की तलाश शुरू कराई।
तेज बहाव होने के कारण खोजबीन में परेशानी हो रही है। प्रशासन की ओर से लापता युवकों की तलाश के लिए एसडीआरएफ की टीम को भी बुलाया गया है। लापता युवकों के स्वजन घटनास्थल पर पहुंच गए।

घंटों तलाश के बाद मिली दूसरी लाश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। रैन बसेरा तालाब में नाव पलटने से लापता हुए दोनों युवकों की तलाश आखिरकार पूरी हो गई है। रविवार रात हुए हादसे के बाद सोमवार को एक युवक का शव बरामद किया गया था, जबकि दूसरे की तलाश जारी थी। मंगलवार सुबह एसडीआरएफ की टीम ने दो प्रयासों के बाद दूसरे युवक कल्लू उर्फ विपिन सेन (27) का शव भी तालाब से बाहर निकाल लिया। शव को एसआरजी अस्पताल की मोर्चरी में पहुंचाया गया। हादसे के बाद से ही परिजन और प्रशासन लगातार रेस्क्यू अभियान पर नजर बनाए हुए थे।
जानकारी के अनुसार, रविवार रात झालावाड़ शहर के पास करीब आधा दर्जन दोस्त दुर्गपुरा स्थित रेन बसेरा तालाब में नाव से घूम रहे थे। इसी दौरान नाव अनियंत्रित होकर पलट गई। नाव में कुल छह युवक सवार थे। इनमें से चार युवक तैरकर सुरक्षित बाहर निकलने में कामयाब रहे, जबकि कान्हा सेन (30) और विपिन उर्फ कल्लू सेन (27) तालाब में डूबने के बाद लापता हो गए। हादसे के बाद बाहर निकले युवकों ने परिजनों और पुलिस को घटना की सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने सिविल डिफेंस की मदद से रेस्क्यू अभियान शुरू किया, लेकिन देर रात तक दोनों युवकों का कोई पता नहीं चल सका।
लापता युवकों की तलाश में सोमवार को एसडीआरएफ की टीम ने अभियान चलाया। काफी मशक्कत के बाद टीम ने कान्हा सेन का शव तालाब से बरामद कर लिया। इसके बाद दूसरे युवक विपिन सेन की तलाश लगातार जारी रही। मंगलवार सुबह एसडीआरएफ की टीम ने दोबारा सर्च ऑपरेशन चलाया। दो प्रयासों के बाद टीम को सफलता मिली और विपिन उर्फ कल्लू सेन का शव भी तालाब से बाहर निकाल लिया गया।

रिश्वत लेते बीडीओ धराया

बीडीओ के मामा को भी लिया हिरासत में □घर पर पहले से तैनात थी निगरानी टीम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार के बांका जिले में निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने बड़ी कार्रवाई करते हुए फुल्लीडुमर के प्रखंड विकास पदाधिकारी अमित प्रताप सिंह को 75 हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। पटना से पहुंची निगरानी टीम ने मंगलवार को बांका शहर के नेहरू कॉलोनी स्थित इउड के निजी आवास पर ट्रैप की कार्रवाई की। इस दौरान बीडीओ के मामा बच्चन प्रसाद सिंह को भी हिरासत में लिया गया। दोनों को पूछताछ के लिए बांका परिसदन ले जाया गया।
निगरानी विभाग के मुताबिक, फुल्लीडुमर प्रखंड प्रमुख गौतम प्रकाश ने बीडीओ के खिलाफ रिश्वत मांगने की शिकायत की थी। आरोप था कि पंचायती राज विभाग से जुड़ी विभिन्न विकास योजनाओं की प्रशासनिक स्वीकृति और राशि की निकासी के एवज में 75 हजार रुपये की मांग की जा रही थी। शिकायत मिलने के बाद निगरानी विभाग ने पहले आरोपों का सत्यापन कराया। सत्यापन में रिश्वत मांगने की पुष्टि होने के बाद टीम ने बीडीओ को रंगे हाथ पकड़ने की योजना बनाई।
मंगलवार को डीएसपी स्तर के अधिकारी के नेतृत्व में निगरानी की टीम पटना से बांका पहुंची। टीम ने नेहरू कॉलोनी स्थित बीडीओ के निजी आवास के आसपास निगरानी शुरू कर दी। शिकायतकर्ता को तय रकम के साथ बीडीओ के आवास पर भेजा गया। बताया जा रहा है कि जैसे ही 75 हजार रुपये का लेनदेन हुआ, निगरानी टीम ने मौके पर कार्रवाई करते हुए बीडीओ अमित प्रताप सिंह को गिरफ्तार कर लिया। उनके मामा बच्चन प्रसाद सिंह को भी हिरासत में लिया गया। दोनों से बांका परिसदन में पूछताछ की जा रही है।
बीडीओ की गिरफ्तारी के बाद यह मामला इसलिए भी चर्चा में है, क्योंकि सोमवार को ही फुल्लीडुमर प्रखंड कार्यालय में बीडीओ और पूर्व मुखिया संजीव कुमार मंडल के बीच विवाद हुआ था। जन्म प्रमाण पत्र जारी करने को लेकर हुए विवाद में बीडीओ ने पूर्व मुखिया पर मारपीट और धक्का-मुक्की का आरोप लगाया था। मामले में शिकायत के बाद पुलिस ने पूर्व मुखिया को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। अब पूर्व मुखिया की गिरफ्तारी के करीब 24 घंटे बाद उसी प्रखंड के बीडीओ के रिश्वत लेते पकड़े जाने से पूरे घटनाक्रम ने नया मोड़ ले लिया है। निगरानी विभाग की टीम मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। गिरफ्तार बीडीओ को निगरानी की विशेष अदालत में पेश किए जाने की प्रक्रिया की जा रही है।

पानी को ले सड़क पर उतरे लोग, जाम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जहानाबाद। सदर प्रखंड की लरसा पंचायत अंतर्गत गोडीहा गांव में नल-जल योजना का समरसेबल मोटर जल जाने के कारण करीब एक सप्ताह से ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल नहीं मिल रहा। ग्रामीणों ने इस समस्या की शिकायत सहयोग पोर्टल पर भी दर्ज कराई थी, लेकिन समाधान नहीं होने पर मंगलवार को एनएच-33 अरवल-जहानाबाद मुख्य सड़क पर बाल्टी, टब और गैलन रखकर आवागमन बाधित कर दिया।
ग्रामीणों के सड़क पर उतरने से करीब एक घंटे तक आवागमन बाधित रहा। सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई।
स्कूली बच्चों, कार्यालय कर्मियों और यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों का कहना था कि मोटर जलने की सूचना वार्ड सदस्य, मुखिया और पीएचईडी विभाग के अधिकारियों को दी गई थी।
शुरुआत में विभाग की ओर से बताया गया कि मोटर का स्टार्टर खराब है। ग्रामीणों ने आपस में पैसे जुटाकर स्टार्टर बनवाया, लेकिन नल-जल योजना चालू नहीं हो सकी। विभागीय कर्मियों ने बताया कि मोटर ही जल गया है।
मोटर की मरम्मत में अधिक राशि खर्च होने के कारण वे स्वयं इसे बनवाने में असमर्थ थे। पानी की आपूर्ति बंद रहने से घरों में घरेलू कार्य प्रभावित हो रहा था।
पीने के लिए शुद्ध पानी की व्यवस्था नहीं होने से ग्रामीणों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही थी, जिसके बाद लोगों ने सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया।
जाम की सूचना मिलते ही डायल-112 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों से बातचीत की। विभाग के कर्मी भी पहुंचे और जले हुए मोटर को बाहर निकालकर मरम्मत के लिए ले गए।
इसके बाद ग्रामीणों ने सड़क जाम समाप्त कर दिया और यातायात सामान्य हुआ। पीएचईडी विभाग के कार्यपालक अभियंता रमेश कुमार ने बताया कि जला हुआ सबमर्सिबल मोटर विभाग के पास लाया गया है।

अबोध के दुष्कर्मी को आजीवन कारावास

पीड़िता को 13 लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बक्सर। जिले की विशेष पॉक्सो अदालत ने छह वर्षीय बालिका के साथ दुष्कर्म के गंभीर मामले में सुनवाई पूरी करते हुए अभियुक्त अरुण कुमार उर्फ अरुण कमकर (33 वर्ष) नाम के युवक को दोषी करार देते हुए आजीवन कठोर कारावास की सजा सुनाई है।
साथ ही 10,000 रुपये के अर्थदंड की सजा तय की है। जुर्माना अदा नहीं करने पर एक वर्ष की अतिरिक्त सश्रम कैद भुगतनी होगी। सरकार की ओर से पीड़िता और उसके परिवार को 13 लाख रुपये मुआवजा भी दिया जाना है। पॉक्सो कोर्ट के विशेष लोक अभियोजक सुरेश कुमार सिंह ने बताया कि बिहार पीड़ित मुआवजा योजना और पॉक्सो नियमों के तहत एडीजे-6 सह पॉक्सो कोर्ट के विशेष न्यायाधीश अमित कुमार शर्मा की अदालत ने पीड़िता को 11 लाख रुपये तथा उसकी मां को मजदूरी हानि व घर के रखरखाव के लिए दो लाख रुपये यानी कुल 13 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है।
यह राशि 30 दिनों के भीतर उपलब्ध करानी होगी। इसके साथ ही न्यायालय ने जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव और समाज कल्याण विभाग को पीड़िता के लिए मुफ्त शिक्षा, बीपीएल कार्ड, राशन कार्ड तथा आयुष्मान स्वास्थ्य कार्ड की सुविधा सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए हैं।
यह मामला 16 अगस्त 2023 का है, जब सिमरी थाना क्षेत्र के एक गांव में स्कूल से लौटकर शौच के लिए गई छह साल की मासूम को उसके पड़ोस में रहने वाले अरुण ने पैसे का लालच देकर अपनी हैवानियत का शिकार बनाया था।
घटना के बाद आरोपित व स्थानीय लोगों द्वारा मामले को 5000 रुपये में रफा-दफा करने का दबाव पीड़िता के परिवार पर बनाया गया और धमकी भी दी गई थी।
हालांकि, पीड़िता के परिवार ने हिम्मत दिखाते हुए 18 अगस्त 2023 को सिमरी थाने में मामला दर्ज कराया। अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत आठ गवाहों व साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने आरोपों को सही पाया।

युवक ने की आत्महत्या

दरभंगा। पत्नी से विवाद के बाद एक युवक ने ऐसा खौफनाक कदम उठाया कि कुछ ही देर में परिवार में मातम पसर गया। पहले पत्नी को फोन कर घर बुलाया, रास्ते में उसके साथ मारपीट की और फिर उसे घर के बाहर छोड़कर खुद कमरे में बंद हो गया। अनहोनी की आशंका पर पत्नी ने डायल-112 को सूचना दी। पुलिस जब मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़ा तो युवक पंखे से साड़ी के सहारे फंदे पर लटका मिला। घटना बिरौल थाना क्षेत्र के कमलपुर गांव की है।

नेपाल की त्रासदी से गया के कारोबारी चिंतित

गयाजी। नेपाल में आई भीषण त्रासदी का असर अब भगवान बुद्ध की ज्ञानस्थली बोधगया पर भी साफ दिखाई देने लगा है। हर साल सितंबर में पितृपक्ष मेला और इसके बाद शुरू होने वाले बौद्ध पर्यटन सीजन को लेकर यहां के होटल, ट्रैवल्स और अन्य व्यवसायी तैयारी में जुट जाते हैं। इस बार तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा के प्रस्तावित आगमन से कारोबारियों को अच्छी आमद की उम्मीद थी, लेकिन नेपाल में आई तबाही ने इन उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। नेपाल से आने वाले श्रद्धालुओं ने होटल बुकिंग रद्द करनी शुरू कर दी है, जिससे स्थानीय कारोबारियों की चिंता बढ़ गई है।
ऑल इंडिया भिक्षु संघ के महामंत्री प्रज्ञादीप ने कहा कि नेपाल में बेहद भीषण त्रासदी आई है और इसका असर आम जनजीवन पर साफ दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में भारत सरकार ने नेपाल की हर संभव मदद की है, जिससे राहत और बचाव कार्य को गति मिली है। उन्होंने लोगों से एक-दूसरे की मदद करने की अपील करते हुए कहा कि ऐसे समय में सहयोग ही सबसे बड़ा सहारा है।

हवाई यात्रियों की हुई फजीहत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दरभंगा। दिल्ली और मुंबई से दरभंगा आने-जाने वाले यात्रियों को मंगलवार को एक बार फिर परेशानी का सामना करना पड़ा। मुंबई-दरभंगा रूट पर स्पाइसजेट की फ्लाइट लगातार तीसरे दिन शेड्यूल से बाहर रही।
वहीं दिल्ली रूट पर अकासा की एक जोड़ी फ्लाइट भी निर्धारित शेड्यूल में शामिल नहीं रही। दोनों प्रमुख हवाई मार्गों पर विमानों की संख्या घटने से यात्रियों के विकल्प भी सीमित रहे। मुंबई से दरभंगा आनेवाली स्पाइसजेट की फ्लाइट मंगलवार को भी शेड्यूल में नहीं रही। इससे मुंबई रूट पर यात्रियों को परेशानी हुई। लगातार तीसरे दिन फ्लाइट के शेड्यूल से बाहर रहने से यात्रियों की संख्या भी प्रभावित हुई। दिल्ली से रोजाना आने-जाने वाली अकासा की एक जोड़ी फ्लाइट भी मंगलवार को शेड्यूल में नहीं रही। दिल्ली-दरभंगा रूट पर विमानों की संख्या कम होने का असर यात्रियों की आवाजाही पर पड़ा। मंगलवार को दरभंगा एयरपोर्ट से कुल आठ विमानों का आवागमन हुआ। इनमें कई उड़ानें निर्धारित समय से पहले ही दरभंगा पहुंचीं। बेंगलुरु से आनेवाली अकासा की फ्लाइट क्यूपी-1513 निर्धारित समय 12:10 बजे से 20 मिनट पहले पहुंची।

गुस्साये लोगों ने रेल मंत्री का फूंका पुतला

मुंगेर। ऐतिहासिक जमालपुर-हावड़ा सुपर एक्सप्रेस ट्रेन के परिचालन का विस्तार पटना तक किए जाने की सुगबुगाहट और चचाओं के बीच मुंगेर में विरोध की चिंगारी भड़क उठी है। ट्रेन विस्तार के विरोध में 'जमालपुर रेल निर्माण कारखाना संघर्ष मोर्चा' ने आर-पार के आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। मोर्चा के नेताओं और सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने बुधवार को शहर में जोरदार विरोध-प्रदर्शन करते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष सतीश कुमार का पुतला दहन किया। प्रदर्शनकारियों ने साफ लफ्जों में चेतावनी दी कि सुपर एक्सप्रेस का विस्तार किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

महिला के खाते से करोड़ों का लेनदेन

पीड़िता ने की जांच कर कार्रवाई की मांग □पति के नाम से भी खाता खुलवाने का आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमुई। थाना क्षेत्र के सलैया गांव की एक महिला ने अपने बैंक खाते का दुरुपयोग कर बड़े पैमाने पर लेन-देन किए जाने का आरोप लगाया है। महिला ने इस संबंध में सोनो थाने में आवेदन देकर जांच और कार्रवाई की मांग की है।
शिकायतकर्ता बड़की किस्कू का कहना है कि उसके खाते में उसकी जानकारी के बिना लंबे समय से बड़ी रकम का लेन-देन होता रहा और बैंक से जानकारी लेने पर उसे करीब तीन करोड़ रुपये के लेन-देन की बात बताई गई।
महिला के अनुसार, ग्राम पंचायत राज लोहा के मुखिया जमादार सिंह से उसे जानकारी मिली कि समस्तीपुर निवासी सतीश कुमार राय की 1.09 लाख रुपये की राशि उसके बैंक खाते में चली गई है। इसके बाद वह सोनो स्थित बिहार ग्रामीण बैंक की शाखा पहुंची और खाते का स्टेटमेंट निकलवाया।
स्टेटमेंट की जानकारी लोगों से पढ़वाने के बाद उसे पता चला कि खाते में लंबे समय से लगातार बड़ी रकम का लेन-देन किया जा रहा है। शिकायतकर्ता ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया है कि बैंक की ओर से उसे 47,88,610 रुपये के ट्रांजेक्शन का दस्तावेज दिया गया। वहीं, बैंक अधिकारी ने खाते में करीब तीन करोड़ रुपये का लेन-देन होने की जानकारी दी। यह सुनकर महिला के होश उड़ गए।
बड़की किस्कू ने आवेदन में आरोप लगाया है कि उसके नाम से सोनो के मानधाता स्थित बिहार ग्रामीण बैंक के सीएसपी में केशोफरका निवासी विक्रम पासवान के माध्यम से खाता खुलवाया गया था। उसने कहा कि खाता खुलवाते समय विक्रम ने उसे बताया था कि सरकार की ओर से उसके नाम पर राशि भेजी जाएगी। महिला के अनुसार, खाता खुलने के दो दिन बाद उसका एटीएम कार्ड भी बन गया।
बैंक से खाता और एटीएम कार्ड मिलने के बाद विक्रम पासवान ने जिद करके एटीएम कार्ड अपने पास रख लिया।
महिला का कहना है कि उसे उस समय इस बात का अंदाजा नहीं था कि उसके बैंक खाते का इस्तेमाल किस तरह किया जा रहा है।
खाते में लगातार हो रहे बड़े वित्तीय लेन-देन की जानकारी मिलने के बाद उसने पूरे मामले की जांच की मांग की है।
शिकायतकर्ता ने यह भी बताया है कि उसके पति सोनेलाल किस्कू के नाम से भी विक्रम पासवान ने बैंक खाता खुलवाया था। महिला ने आशंका जताई है कि उसके पति के खाते का भी कहीं दुरुपयोग तो नहीं किया गया है, उसे इसकी कोई जानकारी नहीं है।
महिला ने सोनो थानाध्यक्ष से पूरे मामले की जांच कराने, खाते में हुए लेन-देन की पड़ताल करने तथा दोषी व्यक्ति के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस जांच के बाद ही पूरे मामले की वास्तविकता सामने आएगी।

अतिक्रमण से लोग हलकान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। सुप्रीम कोर्ट ने हाल के दिनों में आदेश दिया है कि आम लोगों के लिए प्रशासन को फुटपाथ उपलब्ध कराना होगा। शीर्ष कोर्ट के इस आदेश का जिले में अनुपालन नहीं हो रहा है। यही नहीं यहां स्थिति बद से बदतर है। यहां फुटपाथ आमलोगों की जगह दुकानदारों को लिए उपलब्ध हो गया है। दुकानदारों ने फुटपाथ के साथ सड़क पर भी कब्जा कर लिया है।
वे दुकान के सामने आमलोगों को बाइक तक नहीं लगाने देते। भाजपा के प्रदेश मंत्री मनोज कुमार चौधरी का सिर इसलिए फाड़ दिया कि उन्होंने दुकान के सामने बाइक लगा दी थी।
शहर के व्यस्ततम बाजर में शामिल मोतीझील में भी यह बड़ी समस्या है। कल्याणी चौक से लेकर ओवरब्रिज तक सुबह दुकान खोलते ही दुकानदार फुटपाथ पर कब्जा कर सामान रख देते। इसके बाद सड़क के किनारे उनके कर्मचारियों की बाइक लग जाती। ओवरब्रिज के नीचे पार्किंग स्थल पर भी होटल, ठेला-खोमचा, मोबाइल, कपड़ा आदि की दुकानें अवैध रूप से खुल जाती है। इसके बाद यहां आमलोगों की समस्या शुरू हो जाती है। वह बाइक भी कहां लगाए यह समस्या हो जाती है।

नदियों के जलस्तर में उफान, खौफ में लोग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जहानाबाद। जिले से होकर गुजरने वाली दरधा, मोरहर, बलदईया और फल्गु नदियों के जलस्तर में लगातार वृद्धि हो रही है। चारों नदियां उफान पर हैं।
दरधा नदी का पानी सोमवार रात जाफरगंज पुल पर चढ़ गया। इससे शहर के पूर्वी हिस्से का पश्चिमी क्षेत्र से सड़क संपर्क पूरी तरह बाधित हो गया है। जाफरगंज पुल शहर के दोनों हिस्सों को जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग है।
पुल पर पानी चढ़ने के कारण लोगों को आवागमन के लिए अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है। वहीं, नदी के किनारे और निचले इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है।
कई घरों में नदी का पानी प्रवेश कर गया है। इन इलाकों में झुग्गी-झोपड़ियों के साथ-साथ पक्के मकान भी बने हुए हैं। अचानक जलस्तर बढ़ने से निचले इलाकों में रहने वाले लोगों की चिंता बढ़ गई है। कई परिवार घरों से सामान निकालकर सुरक्षित स्थानों पर ले जाने लगे हैं।
शहर के पुराना थाना रोड स्थित पैदल पुल के समीप भी दरधा नदी का बहाव तेज हो गया है। इससे वहां आवागमन प्रभावित हो रहा है। लोगों को पानी के बीच से गुजरने में परेशानी हो रही है।
इधर, शकुराबाद क्षेत्र में मोरहर नदी का पानी पुल के ऊपर से बहने लगा है। इसके कारण जहानाबाद-कुर्था मार्ग पर आवागमन रोक दिया गया है। इस मार्ग से आने-जाने वाले लोगों को वैकल्पिक रास्तों का सहारा लेना पड़ रहा है, जिससे उन्हें अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है।
फल्गु नदी के जलस्तर में भी लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। नदी के आसपास के निचले इलाकों में पानी बढ़ने से बाढ़ की आशंका बनी हुई है। नदी किनारे रहने वाले लोगों में भय का माहौल है। वहीं, बलदईया नदी के जलस्तर पर भी प्रशासन की नजर बनी हुई है। प्रशासन की ओर से सभी नदियों के जलस्तर और निचले इलाकों की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है।

14 लाख की लागत वाला पुल एक साल में बेकार

पूर्णिया। कसबा प्रखंड अंतर्गत मोहनी पंचायत में सौरा नदी पर महज एक वर्ष पूर्व 14 लाख रुपये की लागत से निर्मित पुल धंसने लगा है। गेरुआ चौक के पूरब स्थित इस नवनिर्मित पुल के क्षतिग्रस्त होने और धंसने की खबर से क्षेत्र की लगभग पांच पंचायतों के ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है। 15वीं वित्त योजना की राशि से बने इस पुल के निर्माण में घोर तकनीकी अनियमितता और घटिया सामग्री के इस्तेमाल का आरोप लगाते हुए स्थानीय लोग लगातार विरोध जता रहे हैं। पुल धंसने की गंभीर सूचना मिलने के बाद शनिवार को जिला ग्रामीण विकास अभिकरण के निदेशक अमरेंद्र कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी मधु कुमारी और प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी दीपक कुमार ने तकनीकी अभियंताओं की टीम के साथ गेरुआ पहुंचकर पुल की वस्तुस्थिति का सघन निरीक्षण किया। जांच के दौरान पुल की संरचना कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त पाई गई, जिसके बाद सुरक्षा के मद्देनजर तत्काल प्रभाव से पुल के ऊपर भारी वाहनों के आवागमन पर पूर्णतः रोक लगा दी गई है।
स्थानीय ग्रामीणों का सीधा आरोप है कि निर्माण के समय निर्धारित तकनीकी मानकों की खुलेआम अनदेखी की गई और पुल में पर्याप्त मात्रा में सरिया तथा गुणवत्तापूर्ण सीमेंट का इस्तेमाल नहीं किया गया। यही मुख्य वजह है कि निर्माण के मात्र एक साल के भीतर ही पुल की बुनियाद और ऊपरी संरचना कमजोर पड़ गई और यह जगह-जगह से धंसने लगा। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि यदि समय रहते पुल की मुकम्मल मरम्मत या पुनर्निर्माण नहीं कराया गया, तो किसी भी दिन बड़ा हादसा हो सकता है।

बेटों की मौत के बाद पीड़ित मां को मिली सहायता राशि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिवाजीनगर। प्रखंड क्षेत्र के बरियाही घाट स्थित बोरज गांव में बीते 6 अप्रैल 2026 को हुए दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के तीन बेटों की नदी में डूबने से मौत हो गई थी। इस हृदयविदारक घटना के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा था। मंगलवार को पीड़ित परिवार को अंचल अधिकारी अमरपाली यादव एवं वारिसनगर विधायक डॉ. मांजरिक ने मृतकों की माता आशा देवी को 12 लाख रुपये का चेक प्रदान किया। मौके पर मौजूद जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया। ज्ञात हो कि 6 अप्रैल को बरियाही घाट के समीप नदी में डूबने से सुदर्शन झा के तीन पुत्रों की मौत हो गई थी। एक ही परिवार के तीन युवकों की एक साथ मौत की खबर से बोरज गांव सहित पूरे शिवाजीनगर प्रखंड में शोक की लहर दौड़ गई थी। चेक सौंपते हुए अंचल अधिकारी ने परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। वहीं विधायक डॉ. मांजरिक ने भी परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस अपूरणीय क्षति की भरपाई संभव नहीं है, लेकिन संकट की इस घड़ी में सरकार एवं जनप्रतिनिधि परिवार के साथ खड़े हैं।
इस अवसर पर शिवाजीनगर प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों के जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर 500 मीटर के दायरे 25 गड्ढे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुंगेर। राष्ट्रीय राजमार्ग पर तेज रफ्तार और सुगम सफर का सपना मुंगेर और जमुई सीमा पर गड्ढों में फंसकर दम तोड़ रहा है। जमुई-बरियारपुर के बीच बने एनएच 333बी की स्थिति इस कदर जर्जर हो चुकी है कि बरियारपुर में महज 500 मीटर के दायरे में सड़क के दोनों किनारों पर 25 से अधिक बड़े और खतरनाक गड्ढे बन चुके हैं।एक से डेढ़ फीट गहरे इन गड्ढों से होकर भारी वाहनों का गुजरना किसी बड़े जोखिम से कम नहीं है। आए दिन गड्ढों में फंसकर लोडेड ट्रकों के एक्सल और कमानी टूट रहे हैं, जिसके बाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर कई किलोमीटर लंबा जाम लग जाता है।
स्थानीय स्थिति के अनुसार, बरियारपुर तीनबटिया से आरओबी (रेलवे ओवरब्रिज) तक करीब 100 मीटर और आरओबी से सोतीपुल तक 400 मीटर के हिस्से में सड़क पूरी तरह गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। हाल के दिनों में हुई बारिश और अत्यधिक भारी वाहनों के दबाव ने सड़क की सूरत और ज्यादा बिगाड़ दी है। दो अलग-अलग स्थानों पर गड्ढों में फंसकर दो भारी ट्रक खराब हो गए, जिससे सोमवार दोपहर तक भीषण जाम लगा रहा। ट्रैफिक पुलिस को हाइड्रा क्रेन मंगवाकर दोनों ट्रकों को हटाने में छह घंटे से अधिक की मशक्कत करनी पड़ी।
ट्रैफिक डीएसपी प्रभात रंजन ने बताया कि सोतीपुल से बरियारपुर तक एनएच 333बी पूरी तरह जर्जर हो चुका है। सड़क संकरी होने और बीचों-बीच गहरे गड्ढे होने के कारण जैसे ही कोई बड़ा वाहन खराब होता है, दोनों तरफ का आवागमन ठप हो जाता है। ऐसी स्थिति में वन-वे व्यवस्था लागू कर वाहनों को निकालना भी बेहद मुश्किल हो जाता है। हाल ही में संपन्न हुए श्रावणी मेले के दौरान भी कांवरियों का वाहन गड्ढे में फंस गया था, जिससे घंटों जाम की स्थिति बनी रही थी।
राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों के लिए भार क्षमता का कोई साइनेज बोर्ड नहीं लगाया गया है, जिससे ओवरलोड भारी वाहनों का बेरोकटोक परिचालन हो रहा है। एनएच के अधिकारियों के अनुसार, बरियारपुर से गंगटा के बीच सड़क की मरम्मत करीब पांच वर्ष पहले कराई गई थी। इसके बाद से नियमित रखरखाव नहीं होने के कारण सड़क पूरी तरह उखड़ चुकी है।
सड़क की खस्ताहाली पर राष्ट्रीय राजमार्ग मुंगेर के सहायक अभियंता राम प्रवेश चौधरी ने बताया कि एनएच 333बी की विशेष मरम्मत के लिए प्राक्कलन तैयार कर विभागीय मुख्यालय को स्वीकृति हेतु भेजा गया है। निविदा प्रक्रिया पूरी होते ही युद्धस्तर पर सड़क निर्माण और मरम्मत कार्य शुरू कराया जाएगा।

जन्माष्टमी को ले बाजारों में बढ़ी रौनक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। जन्माष्टमी को लेकर आरा शहर के बाजारों में राधा-कृष्ण की पोशाक और श्रृंगार सामग्री की मांग तेजी से बढ़ गई है। खासकर स्कूलों में आयोजित होने वाले जन्माष्टमी कार्यक्रमों को लेकर छोटे बच्चों के लिए राधा-कृष्ण के वस्त्र खरीदने अभिभावकों की भीड़ उमड़ रही है। बच्चे श्रीकृष्ण और राधा का रूप धारण कर स्कूलों में पहुंचने की तैयारी कर रहे हैं। इसे लेकर अभिभावक बच्चों के लिए पसंदीदा पोशाक, मुकुट और आभूषण खरीदने बाजार पहुंच रहे हैं। आरण्य देवी स्थान के गुदरी बाजार के समीप स्थित जलपुरा स्टोर में इन दिनों बच्चों के लिए राधा-कृष्ण की पोशाक की कई वैरायटी उपलब्ध हैं। श्रीकृष्ण की धोती-कुर्ता, मुकुट, बांसुरी और मोरपंख के साथ राधा की आकर्षक पोशाक और श्रृंगार सामग्री लोगों को पसंद आ रही है। दुकानदार के अनुसार जन्माष्टमी नजदीक आने के साथ ही बिक्री में तेजी आई है। बच्चों के आकार के अनुसार अलग-अलग रंग और डिजाइन में तैयार पोशाक अभिभावकों को आकर्षित कर रही हैं।

रसूलपुर की बहु शिल्पी बनी असिस्टेंट प्रोफेसर

रसूलपुर।थाना क्षेत्र स्थित स्थानीय रसूलपुर चट्टी की बहु शिल्पी कुमारी असिस्टेंट प्रोफेसर बनकर क्षेत्र का मान बढ़ाया है। शिल्पी अररिया जिले के नरपतगंज प्रखंड में खुले राजकीय डिग्री कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में योगदान दिया है।
उनकी इस सफलता से घर परिवार एवं क्षेत्र के लोगों में काफी खुशी है। दिसंबर 2024 में उसकी शादी रसूलपुर के चन्द्रकांत द्विवेदी उर्फ बब्लू दुबे के पुत्र हर्ष भारद्वाज के साथ हुई है।
शिल्पी की इस सफलता पर रसूलपुर के मुखिया प्रतिनिधि मिथलेश प्रसाद, उपमुखिया मनोज सोनी 'नन्हे' , सरपंच प्रतिनिधि विकास कुमार, बल्टु दुबे सहित शुभचिंतको ने अपनी शुभकामना व्यक्त की है।

जीविका से संवर रहा बिहार : तंगी और कर्ज के अंधेरे से निकल कर ग्रामीण महिलाएं बनीं आत्मनिर्भर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। कभी आर्थिक तंगी, सीमित संसाधन, साहूकारों के कर्ज और परिवार की बढ़ती जिम्मेदारियों के बीच जीवन गुजारने को मजबूर ग्रामीण महिलाओं ने जब जीविका स्वयं सहायता समूह का हाथ थामा तो उनके जीवन में बदलाव की एक नई शुरुआत हुई। छोटी-छोटी बचत से शुरू हुई यह यात्रा आज स्वरोजगार, उद्यमिता, सम्मान और आत्मनिर्भरता की मिसाल बन चुकी है। जीविका समूहों ने महिलाओं को न केवल बचत और ऋण की सुविधा दी, बल्कि उन्हें आत्मविश्वास, प्रशिक्षण, वित्तीय अनुशासन और अपने पैरों पर खड़े होने का अवसर भी दिया। समूह के माध्यम से ऋण लेकर महिलाओं ने अपनी रुचि और स्थानीय बाजार की जरूरत के अनुसार मसाला उत्पादन, खाद्य प्रसंस्करण, आटा पिसाई और मशरूम उत्पादन जैसे उद्यम शुरू किए और आज वह सालाना लाखों की आमदनी कर रही हैं। भागलपुर की नूतन देवी ने समूह से ऋण लेकर आटा-चक्की स्थापित की और बाद में मसाला उत्पादन शुरू कर अपने व्यवसाय का विस्तार किया। आज उनकी मासिक आय लगभग 20-25 हजार रुपये तक पहुंच गई है। इसी जिले की सविता देवी और नीलम देवी ने भी समूह से ऋण लेकर मसाला उत्पादन शुरू किया और अपने उत्पादों को स्थानीय बाजार तक पहुंचाकर अपनी पहचान बनाई। किशनगंज की असीना खातून की कहानी ग्रामीण उद्यमिता की बड़ी मिसाल है। उन्होंने घर से हस्तनिर्मित मसाला उत्पादन शुरू किया और धीरे-धीरे अपने उत्पादों की बिक्री आसपास के जिलों के साथ-साथ पश्चिम बंगाल तक पहुंचाई। उनके उद्यम से लगभग 40 जीविका दीदियों को रोजगार मिला और उनकी मासिक आय आज लगभग 60 हजार रुपये तक पहुंच चुकी है। विभिन्न मेलों और एक्सपो में भागीदारी व पुरस्कार ने उनके उद्यम को नई पहचान दी है। नालंदा की बीबी तराना बताती हैं कि जीविका के सहयोग और प्रशिक्षण से मसाला उत्पादन को व्यवस्थित रूप दिया गया। गुणवत्ता और शुद्धता को प्राथमिकता देते हुए उन्होंने अपने उत्पादों के लिए ग्राहकों का विश्वास बनाया। आज उनका वार्षिक कारोबार लगभग 3.40 लाख रुपये से अधिक है। इसी जिले की मंजुला कुमारी ने भी जीविका से जुड़कर मशरूम उत्पादन से अपनी उद्यमिता की शुरुआत की।

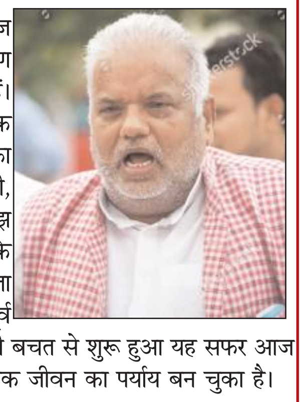

बिहार की ग्रामीण महिलाएं आज स्वावलंबन और महिला सशक्तिकरण की नई मिसाल पेश कर रही हैं। स्वावलंबी दीदियां बिहार को आर्थिक मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। कभी आर्थिक तंगी, सीमित संसाधन और कर्ज के बोझ तले जीने को मजबूर हमारी बहनों के जीवन में जीविका स्वयं सहायता समूहों से जुड़ने के बाद एक अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। उनकी छोटी-छोटी बचत से शुरू हुआ यह सफर आज स्वरोजगार, उद्यमिता और सम्मानजनक जीवन का पर्याय बन चुका है।

श्रवण कुमार
(ग्रामीण विकास और जन सम्पर्क मंत्री)

केपटाउन में जलवायु अनुकूलन पर संसदीय नेतृत्व की भूमिका रखेंगे डॉ. प्रेम कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

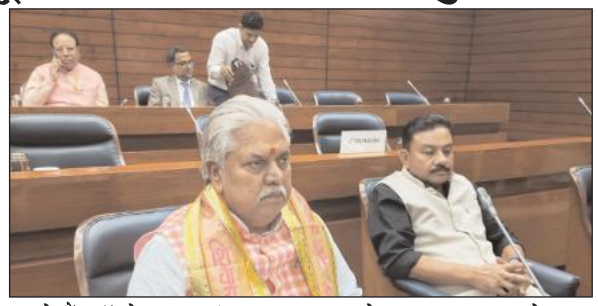

पटना। दक्षिण अफ्रीका के केपटाउन में 13 से 19 सितंबर 2026 तक आयोजित होने वाले 69वें कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री एसोसिएशन (सीपीए) सम्मेलन में बिहार विधान सभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार जलवायु परिवर्तन की चुनौती के बीच संसदीय नेतृत्व की भूमिका पर भारत का पक्ष रखेंगे। सम्मेलन की तैयारियों को लेकर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की अध्यक्षता में भारतीय प्रतिनिधिमंडल की बैठक हुई जिसमें डॉ. प्रेम कुमार सहित प्रतिनिधिमंडल के अन्य सदस्यों ने हिस्सा लिया। बैठक में सम्मेलन के दौरान होने वाले विभिन्न सत्रों, प्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले विषयों और भारत की कार्यप्रणाली पर विस्तार से चर्चा हुई। भारतीय प्रतिनिधिमंडल के प्रत्येक सदस्य को अलग-अलग महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार रखने हैं। डॉ. प्रेम कुमार 'जलवायु अनुकूलन और लचीलापन बढ़ाने में संसदीय नेतृत्व की भूमिका' विषय पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। बैठक में भारत सरकार के विदेश सचिव सहित विभिन्न विभागों के सचिवों ने प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों को सम्मेलन के लिए निर्धारित छह विषयों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विभिन्न सत्रों में भारत का पक्ष प्रभावी और मजबूती से रखने की रणनीति से भी प्रतिनिधिमंडल को अवगत कराया। 69वें सीपीए सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश करेंगे। सम्मेलन में राष्ट्रमंडल देशों की संसदों के प्रतिनिधियों के बीच जलवायु परिवर्तन, लोकतांत्रिक संस्थाओं और संसदीय कार्यप्रणाली सहित विभिन्न वैश्विक विषयों पर विचार-विमर्श होगा। सम्मेलन में डॉ. प्रेम कुमार का जलवायु अनुकूलन और आपदा के प्रति लचीलापन बढ़ाने में संसदों की भूमिका पर विचार रखना बिहार के संदर्भ में भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जहां बाढ़, सूखा और बदलते मौसम का प्रभाव लगातार विकास की चुनौती बन रहा है।

डिम्पी गर्ग बने पूर्व मध्य रेल के नए महाप्रबंधक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। डिम्पी गर्ग ने पूर्व मध्य रेल के नए महाप्रबंधक का पदभार ग्रहण कर लिया। इसके पूर्व उत्तर रेलवे, नई दिल्ली में प्रधान मुख्य यांत्रिक अभियंता के पद पर पदस्थापित थे। डिम्पी गर्ग 'भारतीय रेल यांत्रिक इंजीनियरिंग सेवा' के 1990 बैच के एक ख्यातिप्राप्त अधिकारी हैं। श्री गर्ग स्पेशल क्लास रेलवे अप्रेंटिसशिप के द्वारा भारतीय रेल सेवा में आए। वे अपने बैच के टॉपर और गोल्ड मेडलिस्ट थे। 32 वर्षों से अधिक के अनुभव के साथ श्री गर्ग ने भारतीय रेलवे के बुनियादी ढांचे के निर्माण, रोलिंग स्टॉक, परिचालन, संरक्षा, प्लानिंग एवं पॉलिसी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। तत्कालीन पश्चिम रेलवे के आबु रोड में एएमई/डीजल के रूप में अपनी रेलसेवा शुरू की और उसके बाद उत्तर रेलवे तथा रेलवे बोर्ड में विभिन्न पदों पर कार्य करते हुए अपनी महत्वपूर्ण सेवा दे चुके हैं। उत्तर रेलवे के दिल्ली मंडल में वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर, अपर मंडल रेल प्रबंधक तथा मंडल रेल प्रबंधक के साथ ही उत्तर रेलवे, मुख्यालय में प्रधान मुख्य संरक्षा अधिकारी तथा प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर के रूप में भी कार्य किया है। आरवीएनएल में अपर महाप्रबंधक तथा रेलवे बोर्ड में कार्यकारी निदेशक/कोचिंग तथा कार्यकारी निदेशक/संरक्षा जैसे महत्वपूर्ण पदों पर भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दे चुके हैं। परियोजना निष्पादन और रेलवे इंजीनियरिंग में उत्कृष्टता के लिए विभिन्न स्तरों पर कई पुरस्कार प्राप्त करने का गौरव हासिल है। वर्ष 2001 में सीडीओ/मुंबई सेंट्रल के तौर पर कार्य करते हुए आपने मुंबई सेंट्रल कोचिंग डिपो को पूरी तरह से बेहतर बनाने और आईएसओ 9002 सर्टिफिकेशन प्राप्त करने वाला भारतीय रेलवे का पहला कोचिंग डिपो बनाने में आपके उल्लेखनीय योगदान के लिए जीएम एवार्ड से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही वर्ष 2007 में, रेलवे बोर्ड में डायरेक्टर प्लानिंग (एमई) के तौर पर काम करते हुए रोलिंग स्टॉक की जरूरतों के असेसमेंट और वार्षिक योजना बनाने में उत्कृष्ट योगदान के लिए रेल मंत्री द्वारा पुरस्कृत किया गया।

संजय कुमार सिंह ने किया प्रभारी सचिव का पदभार ग्रहण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार विधान सभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने पूनम सिन्हा, निदेशक-सह-प्रभारी सचिव, बिहार विधान सभा की सेवानिवृत्ति के पश्चात संजय कुमार सिंह, संयुक्त निदेशक, बिहार विधान सभा सचिवालय को 01.09.2026 के पूर्वा. से प्रभारी सचिव के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत किया है। वर्तमान में वे सभा सचिवालय में वरिष्ठतम पदाधिकारी हैं। उन्होंने वर्ष 1993 में जनसंपर्क पदाधिकारी (राजपत्रित पदाधिकारी) के रूप सभा सचिवालय में अपना योगदान दिया था। उन्होंने आज मुख्य भवन स्थित सचिव के कार्यालय कक्ष में प्रभारी सचिव का पदभार ग्रहण कर लिया। इस अवसर पर सभा सचिवालय के पदाधिकारीगण एवं कर्मचारीगण ने भेंट कर उन्हें आगामी कार्यकाल के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

भारतीय सभ्यता, संस्कृति और संस्कार संस्कृत से ही संभव : डॉ. मुकेश कुमार ओझा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राजकीय महिला महाविद्यालय, गुलजारबाग के संस्कृत विभाग के तत्वावधान में 'संस्कृत सप्ताह समारोह' का भव्य आयोजन अत्यंत उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. मुकेश कुमार ओझा, महाविद्यालय की प्राचार्या श्रुति तेतरवे एवं दिल्ली स्थित लेडी श्री राम महाविद्यालय की संस्कृत की छात्रा मोनिका झा की गरिमामयी उपस्थिति रही। तत्पश्चात वैदिक मंगलाचरण मोनिका झा तथा लौकिक मंगलाचरण डॉ. पूनम द्वारा प्रस्तुत किया गया। अतिथियों के औपचारिक स्वागत के उपरांत छात्रा राधा एवं खुशी ने मधुर स्वर में स्वागत गीत प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। प्रतियोगिताओं में न केवल संस्कृत विभाग, बल्कि अंग्रेजी, सामाजिक विज्ञान तथा इतिहास आदि अन्य विभागों की छात्राओं ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रतियोगिता में खुशी, ज्योति, शीतल, स्नेहा, मीनाक्षी, प्रज्ञा, राधा, आरती, सिमरन, सत्यम, सृष्टि एवं शमा आदि छात्राओं ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। महाविद्यालय की प्राचार्या श्रुति तेतरवे ने अपने उद्बोधन में संस्कृत को समस्त भाषाओं की जननी बताते हुए कई रोचक उदाहरण प्रस्तुत किए। मुख्य अतिथि डॉ. मुकेश कुमार ओझा ने अपने ओजस्वी वक्तव्य में संस्कृत दिवस की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए सभी को दैनंदिन जीवन में संस्कृत संभाषण हेतु प्रेरित किया। उन्होंने कहा 'भारतीय सभ्यता, संस्कृति और संस्कारों का संरक्षण एवं संवर्धन केवल संस्कृत के माध्यम से ही संभव है।' लेडी श्री राम महाविद्यालय, दिल्ली की छात्रा मोनिका झा ने अपनी सुमधुर आवाज में आधुनिक संस्कृत गीत प्रस्तुत कर संपूर्ण सभागार को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का सफल एवं कुशल संचालन संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ. रंजू कुमारी ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. कुमारी मणि द्वारा प्रस्तुत किया गया।

दलितों को ज्ञान देने से पहले तेजस्वी यादव अपने राजनीतिक प्रतिनिधित्व का हिसाब दें : डॉ. संतोष कुमार सुमन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार सरकार के मंत्री एवं हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा (से.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार सरकार के लघु जल संसाधन मंत्री डॉ. संतोष कुमार सुमन ने तेजस्वी यादव की प्रेस कांफ्रेंस पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि आरक्षण और सामाजिक न्याय पर लंबा भाषण देने से पहले तेजस्वी यादव को समाज के सबसे वंचित दलितों के सवालों का जवाब देना चाहिए। हम आरक्षण समाप्त करने की नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करने की बात कर रहे हैं कि उसका लाभ समाज के सबसे पीछे खड़े व्यक्ति तक पहुंचे। केवल आरक्षण का प्रतिशत बढ़ा देना ही सामाजिक न्याय नहीं है। असली सवाल यह है कि आरक्षण का लाभ किन लोगों तक पहुंच रहा है और जो जातियां व समुदाय आज भी शिक्षा, नौकरी और राजनीतिक प्रतिनिधित्व में सबसे पीछे हैं उन्हें उनका उचित हिस्सा कब मिलेगा। तेजस्वी यादव पहले यह बताएं कि उनकी पार्टी ने आज तक सामान्य सीटों पर कितने दलितों को टिकट दिया है। कितने दलित नेताओं को गैर-आरक्षित सीटों से चुनाव लड़ाकर विधानसभा और लोकसभा में भेजा है। अगर सामान्य सीटों पर दलितों को अवसर नहीं दिया गया, तो क्यों नहीं दिया गया।

सार्वजनिक जल संचयन संरचनाओं को अतिक्रमण मुक्त कराना विभाग की प्राथमिकता : जायसवाल

तालाब, पोखर, आहर और पइन की पहचान कर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई होगी तेज : जय सिंह

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की तरफ से मंगलवार को राजस्व सर्वे (प्रशिक्षण) संस्थान, शास्त्रीनगर, पटना में 'जल-जीवन-हरियाली दिवस' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 'सार्वजनिक जल संचयन संरचनाओं यथा-तालाबों, पोखरों, आहरों एवं पईनों को चिन्हित कर अतिक्रमण मुक्त कराना' विषय पर विस्तृत परिचर्चा आयोजित की गई। कार्यक्रम का उद्घाटन राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य में सार्वजनिक जल संचयन संरचनाओं की पहचान कर उन्हें अतिक्रमण मुक्त कराना विभाग की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि तालाब, पोखर, आहर और पइन जैसी महत्वपूर्ण सार्वजनिक जल संरचनाएं पर्यावरण संरक्षण, भू-जल स्तर को बनाए रखने तथा आम लोगों की जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। राजस्व मंत्री ने कहा कि जल स्रोतों और सार्वजनिक जल संचयन संरचनाओं पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण गंभीर विषय है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ऐसे मामलों में प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करेगा और चिन्हित अतिक्रमणों को हटाने की प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने इस कार्य में लगे सभी 15 विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों को और बेहतर तरीके से करने के लिए टीम के अन्य सदस्यों से उनके विचार जाना। मंत्री ने कहा कि इस दिशा में हम सभी को आगे की सोच के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है। पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी सोच से ये अभियान धरती पर उतरा। इसका परिणाम भी सामने है। आज हरित पट्टी और जल संरचनाओं को अतिक्रमण मुक्त कराने में सकारात्मक परिणाम मिला है।

एम्स पटना के एनेस्थिसियोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष बने प्रो. डॉ. निशांत सहाय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना के एनेस्थिसियोलॉजी, पेन मेडिसिन एवं क्रिटिकल केयर विभाग के नए विभागाध्यक्ष का दायित्व प्रो. डॉ. निशांत सहाय ने संभाला। उन्होंने यह जिम्मेदारी विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. उमेश कुमार भदानी के सेवानिवृत्त होने के पश्चात ग्रहण की है। प्रो. डॉ. उमेश कुमार भदानी और प्रो. डॉ. निशांत सहाय दोनों मार्च 2013 में एम्स पटना से जुड़े थे। प्रो. डॉ. निशांत सहाय एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद् एवं चिकित्सक हैं। वे विभिन्न चिकित्सा जर्नलों में संपादक, परीक्षक तथा अकादमिक गतिविधियों में सक्रिय योगदानकर्ता के रूप में अपनी भूमिका निभाते रहे हैं। उनके शैक्षणिक, चिकित्सकीय एवं प्रशासनिक अनुभव से विभाग को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। वे वर्तमान में एम्स पटना में चीफ वार्डन, ब्वॉयज हॉस्टल की जिम्मेदारी भी निभा रहे हैं।

केवाइपी बचाओ महाआंदोलन के आठवें दिन उग्र हुआ आंदोलन, सामूहिक भूख हड़ताल शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार में करीब दस वर्षों से संचालित कुशल युवा कार्यक्रम केंद्रों के रिन्यूवल, नामांकन एवं प्रशिक्षण तत्काल शुरू करने तथा लंबित भुगतान की मांग को लेकर चल रहा केवाईपी बचाओ महाआंदोलन मंगलवार को आठवें दिन और अधिक उग्र हो गया। राज्य के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में केवाईपी केंद्र संचालक पटना पहुंचे और नियोजन भवन, भाजपा कार्यालय एवं जदयू कार्यालय पहुंचकर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान कई जिलों से केवाईपी में नामांकित छात्र-छात्राओं ने भी आंदोलन में शामिल होकर अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की। प्रदर्शन के दौरान केंद्र संचालकों ने सरकार एवं विभाग से केवाईपी केंद्रों का तत्काल रिन्यूवल कर नामांकन एवं प्रशिक्षण शुरू करने तथा महीनों से लंबित बिलों का भुगतान करने की मांग की। प्रदर्शन के बावजूद विभाग अथवा सरकार की ओर से कोई ठोस जवाब या सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर आंदोलनकारी वापस धरना स्थल गर्दनीबाग पहुंचे। इसके बाद केंद्र संचालकों ने पूर्व घोषणा के अनुसार सामूहिक भूख हड़ताल शुरू कर दी। भूख हड़ताल पर बैठे केंद्र संचालकों ने स्पष्ट कहा कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक उनका अनशन जारी रहेगा। इसी बीच पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव धरना स्थल पर पहुंचे और आंदोलनरत केवाईपी केंद्र संचालकों को संबोधित किया। उन्होंने केवाईपी केंद्र संचालकों की मांगों का जोरदार समर्थन करते हुए उनकी समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया।

भारत बना दुनिया का संकटमोचक, प्रो.रणबीर नंदन ने गिनाए ऐतिहासिक काम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष और वरिष्ठ भाजपा नेता प्रो. रणबीर नंदन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज दुनिया के लिए सबसे भरोसेमंद संकटमोचक बनकर उभरा है। अगस्त 2026 में नेपाल की भोट कोशी और त्रिशूली नदी में आई विनाशकारी बाढ़ के दौरान भारत ने 'फर्स्ट रिस्पॉन्डर' यानी सबसे पहले मदद पहुंचाने वाले देश की भूमिका निभाई है। भारतीय वायुसेना के विमानों ने काठमांडू में अब तक 68.5 टन राहत और मानवीय सहायता सामग्री पहुंचाई है। भाजपा की 'सेवा ही संगठन' नीति के तहत भारत बिना किसी स्वार्थ के यह ऐतिहासिक मदद कर रहा है। प्रो. नंदन ने बताया कि नेपाल को दी गई इस त्वरित मदद में भारी मात्रा में खाद्य सामग्री, खाने के पैकेट, जरूरी दवाइयां और पानी साफ करने वाली क्लोरीन टैबलेट शामिल हैं। इसके अलावा बेघर हुए प्रभावित परिवारों के सुरक्षित आवास और स्वच्छता के लिए तिरपाल, प्लास्टिक शीट, टेंट, कंबल, स्लीपिंग बैग, मच्छरदानी तथा हाइजीन व डिग्निटी किट भी भेजी गई हैं।

बिहार की शिक्षा व्यवस्था बदहाल, वित्तरहित शिक्षकों की तुरंत सुध ले सरकार : राजेश राम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष राजेश राम ने सदाकत आश्रम में आयोजित विशेष प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए राज्य की बदहाल शिक्षा व्यवस्था और हजारों वित्तरहित शिक्षकों की लगातार हो रही अनदेखी को लेकर बिहार सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सरकार की उदासीनता के कारण बिहार की शिक्षा व्यवस्था गंभीर संकट से गुजर रही है और वित्तरहित शिक्षक वर्षों से अपनी जायज मांगों के लिए संघर्ष करने को मजबूर हैं। राजेश राम ने कहा कि 1982 में तत्कालीन मुख्यमंत्री जगन्नाथ मिश्रा के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने दूरदृष्टि और दृढ़ संकल्प के साथ बिहार के दूर-दराज और ग्रामीण इलाकों तक शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए वित्तरहित शिक्षकों एवं कर्मचारियों के समायोजन और बहाली की ऐतिहासिक पहल की थी। कांग्रेस सरकार की उस सोच का उद्देश्य था कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चे भी अपने गांव और आसपास के क्षेत्रों में बेहतर शिक्षा प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि आज भी हजारों वित्तरहित शिक्षक विपरीत परिस्थितियों में शिक्षा की ज्योति जलाए हुए हैं, लेकिन वर्तमान सरकार उनके योगदान और समस्याओं के प्रति पूरी तरह उदासीन बनी हुई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि ग्रामीण और सुदूर क्षेत्रों में पर्याप्त कॉलेज नहीं होने के कारण गरीब, एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग के हजारों छात्र उच्च शिक्षा से वंचित हो रहे हैं।

त्योहारी सीजन में लगभग 150 अंतर्राज्यीय बसों का होगा परिचालन

73 नॉन-एसी और 3 एसी डीलक्स बसें पहुंची पटना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। आने वाले महीनों में त्योहारों की भरमार है। इसका ध्यान रखते हुए बिहार राज्य पथ परिवहन निगम ने प्रवासी बिहारियों, छात्रों और यात्रियों की सुविधा के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। निगम अन्य राज्यों से बिहार आने वाले यात्रियों के लिए करीब 150 अंतर्राज्यीय बसों का संचालन करेगा। इनमें डीलक्स एसी और नॉन एसी बसें शामिल हैं। ये त्योहारी बसें मुख्य रूप से दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और झारखंड के प्रमुख रूटों पर संचालित होंगी। निगम के अनुसार अब तक 73 नॉन-एसी और 3 एसी बसें पटना पहुंच गई हैं। त्योहारी बसों को टाटा मोटर्स कंपनी से लगभग 100 करोड़ रुपये की लागत पर खरीदा गया है। प्रत्येक बस में 50 यात्रियों के बैठने के लिए आरामदायक पुशबैक सीटें, सीसीटीवी कैमरे और मोबाइल चार्जिंग पॉइंट जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। एसी बसों को प्राथमिकता देते हुए प्रमुख अंतर्राज्यीय मार्गों पर चलाने की योजना है। दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा और अन्य राज्यों में रहने वाले लाखों बिहारी त्योहारों के दौरान घर लौटने के लिए अक्सर ट्रेनों की भारी भीड़ और टिकट की कमी का सामना करते हैं। ये नई बसें उन्हें आरामदायक और सुरक्षित यात्रा का विकल्प प्रदान करेंगी।

रैयाम और सकरी में नई सहकारी चीनी मिलों के स्थापना कार्य को तय समय सीमा में पूरा करें : राम कृपाल यादव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार में बंद पड़ी चीनी मिलों को पुनर्जीवित कर गन्ना किसानों, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और कृषि-आधारित उद्योगों को नई गति देने की दिशा में राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण पहल की है। सात निश्चय-3 के अंतर्गत 'समृद्ध उद्योग-सशक्त बिहार' के लक्ष्य के तहत दरभंगा के रैयाम और मधुबनी के सकरी में नई सहकारी चीनी मिलों की स्थापना की दिशा में चल रही तैयारियों की सहकारिता मंत्री राम कृपाल यादव ने उच्चस्तरीय समीक्षा की। समीक्षा बैठक में दोनों प्रस्तावित चीनी मिलों की स्थापना, विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन, वित्तीय प्रावधान, किसान सदस्यता अभियान, इंडियन पोटाश लिमिटेड के साथ प्रस्तावित समझौता ज्ञापन तथा परियोजना के आगामी चरणों की विस्तृत समीक्षा की गई। मंत्री ने सभी संबंधित कार्यों को समयबद्ध एवं समन्वित तरीके से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। विदित है कि राज्य मंत्रिपरिषद द्वारा रैयाम एवं सकरी में बंद चीनी मिलों की भूमि पर नई सहकारी चीनी मिलों की स्थापना का निर्णय लिया गया है। दोनों परियोजनाओं के लिए संभाव्यता प्रतिवेदन एवं विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार कराने की स्वीकृति प्राप्त है तथा इंडियन पोटाश लिमिटेड के माध्यम से नई सहकारी चीनी मिलों की स्थापना की दिशा में कार्रवाई की जा रही है। प्राथमिक चीनी मिल सहकारी समितियों के गठन को भी स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है।

भारत में नौकरी बाजार ने पकड़ी रफ्तार, तीन महीने की गिरावट थमी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। जुलाई 2026 में इनडीड पर भारत में जॉब पोस्टिंग 1.2 प्रतिशत बढ़ीं जिससे लगातार तीन महीनों से जारी गिरावट थम गई। पिछले साल जुलाई की तुलना में जॉब पोस्टिंग 8.3 प्रतिशत अधिक रहीं। महामारी से पहले के स्तर की तुलना में भारत में जॉब पोस्टिंग 84 प्रतिशत ज्यादा है। इनडीड एपीएसी के सीनियर इकोनॉमिस्ट कैलम पिकरिंग ने कहा कि जुलाई में भारत में नौकरी के अवसरों में थोड़ी बढ़ोतरी हुई और लगातार तीन महीनों से जारी गिरावट रुक गई। यह बढ़ोतरी भले ही धीरे हुई है, लेकिन देश में नौकरी के अवसर अभी भी महामारी से पहले के समय की तुलना में काफी ज्यादा है।

स्टार्टअप बिहार ने रिकॉर्ड 31 दिनों में पूरी की मूल्यांकन एवं फंडिंग प्रक्रिया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के मार्गदर्शन एवं उद्योग मंत्री श्रेयसी सिंह के नेतृत्व में एक तेज, पारदर्शी स्टार्टअप इकोसिस्टम के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, उद्योग विभाग, बिहार सरकार ने जुलाई माह में प्राप्त 1,228 स्टार्टअप आवेदनों की संपूर्ण मूल्यांकन एवं चयन प्रक्रिया को रिकॉर्ड 31 दिनों में पूरा किया है। एआई बेस्ड आवेदन मूल्यांकन से लेकर विशेषज्ञों द्वारा आकलन, लिखित मूल्यांकन, व्यक्तिगत संवाद और अंतिम चयन प्रक्रिया तक प्रत्येक चरण को निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरा किया गया। प्रक्रिया की शुरुआत 1 अगस्त को एआई आधारित मूल्यांकन से हुई। इसके बाद 3 अगस्त को स्टार्टअप सपोर्ट यूनिट द्वारा मूल्यांकन तथा 6 अगस्त को विषय विशेषज्ञों द्वारा आकलन किया गया। लिखित मूल्यांकन परीक्षा 12, 13 और 14 अगस्त को आयोजित की गई, जिसके परिणाम 19 अगस्त को जारी किए गए। इसके बाद शॉर्टलिस्ट किए गए स्टार्टअप्स के लिए 27 और 31 अगस्त को पर्सनल इंटरैक्शन राउंड आयोजित किए गए। अंतिम परिणाम 31 अगस्त 2026 को घोषित किए गए। इस त्वरित प्रक्रिया के परिणामस्वरूप 74 स्टार्टअप्स को कुल 3.48 करोड़ की वित्तीय सहायता प्रदान करने की अनुशंसा की गई है। इनमें 59 स्टार्टअप्स को ?4 लाख की पहली किस्त, जबकि 12 स्टार्टअप्स को 6 लाख की दूसरी किस्त के लिए अनुशंसित किया गया है।

संपादकीय

नशे के विरुद्ध देहरादून की महिलाओं का मोर्चा, गांव की गलियों में दे रही पहरा

ये महिलाएं शाम होते ही गांव की गलियों में निकल आती हैं और हर आने-जाने वाले पर नजर रखती हैं। इनका मकसद गांव को मादक पदार्थों के सेवन और कारोबार से दूर रखना है। देश में नशीले पदार्थों का बढ़ता अवैध कारोबार व्यक्ति, परिवार और समाज के लिए एक गंभीर समस्या बन चुका है। इससे न केवल स्वास्थ्य संबंधी जटिलताएं पैदा हो रही हैं, बल्कि घरेलू कलह, हिंसा और अन्य आपराधिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिल रहा है। खासकर युवा पीढ़ी इससे ज्यादा प्रभावित हो रही है और घरेलू स्तर पर इसकी मार महिलाओं और बच्चों को झेलनी पड़ती है।सरकार की ओर से नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के दावे तो किए जाते हैं, लेकिन इन्हें धरातल पर उतारने की गंभीरता कम ही नजर आती है। ऐसी स्थिति में विभिन्न राज्यों में सामाजिक स्तर पर नशे के खिलाफ मुहिम चलाने के प्रयास होते रहे हैं। इसी क्रम में अब उत्तराखंड में देहरादून के थानी गांव में महिलाओं ने नशे के विरुद्ध मोर्चा संभाला है।ये महिलाएं शाम होते ही गांव की गलियों में निकल आती हैं और हर आने-जाने वाले पर नजर रखती हैं। इनका मकसद गांव को मादक पदार्थों के सेवन और कारोबार से दूर रखना है। महिलाओं का यह साहस और प्रतिबद्धता निश्चित तौर पर एक स्थायी बदलाव की दिशा में सराहनीय प्रयास है, लेकिन इससे सरकारी तंत्र की व्यवस्था पर भी कई सवाल खड़े होते हैं।गौरतलब है कि देश में नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार का जाल अब ग्रामीण इलाकों तक पहुंच गया है।

स्कूल-कालेजों में पढ़ने वाले विद्यार्थी और बेरोजगार युवा मादक पदार्थों के तस्करों का आसान निशाना बन रहे हैं। ऐसे में जरूरी है कि सामाजिक स्तर पर भी नशे के खिलाफ व्यापक मुहिम चले। हालांकि, देहरादून के गांव में महिलाओं ने जो बीड़ा उठाया है, वह आसान नहीं है।दिनभर घर के कामकाज में व्यस्त रहना और रात को गांव की गलियों में पहरा देना दूसरे लोगों के लिए भी प्रेरणादायक है। इस तरह की मुहिम इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है कि अगर सरकार किसी राज्य या जिले में मादक पदार्थों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाती है, तो मादक पदार्थों के सेवन और कारोबार से जुड़े लोग वैध-अवैध वैकल्पिक रास्ता तलाश लेते हैं। मगर, जब सामाजिक स्तर पर बदलाव का प्रयास किया जाए, तो उसके परिणाम समस्या के स्थायी समाधान के रूप में सामने आ सकते हैं। हालांकि, इसका अर्थ यह नहीं है कि संबंधित सरकारी महकमे या सुरक्षा एजंसियों की जिम्मेदारी कम हो जाती है।

विश्वविद्यालय को इस नियुक्ति के लिए खासी सराहना मिली, मगर यह चार बरस की चांदनी ही साबित हुई। जुलाई, 2026 में कुछ लोगों ने प्रोफेसर जेसन पर नकल करके पीएचडी करने के आरोप लगा दिए। इसके बाद पीएचडी की उपाधि देने वाले विश्वविद्यालय के स्पष्टीकरण पर यह मामला थोड़ा शांत हुआ, पर विवाद का जिन्न फिर जाग गया। कैंब्रिज विश्वविद्यालय के कुछ अधिकारियों ने ही प्रोफेसर जेसन की नियुक्ति के मानदंडों पर पर सवाल खड़े कर दिए। मीडिया में भी इस पर चर्चा हुई और विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से भी इस मामले पर असंवदेनशीलता दिखाई गई, जबकि आरोप सिद्ध नहीं हुए थे।

उच्च शिक्षण संस्थानों की साख पर सवाल

(प्रदीप कुमार राय)

कैंब्रिज के प्रोफेसर जेसन अर्डे से जुड़े विवाद ने अकादमिक ईमानदारी, नस्लीय भेदभाव, पारदर्शिता और संस्थागत जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं

दुनिया के किसी भी उच्च शिक्षण संस्थान की साख में गिरावट पूरी मानवता के लिए स्वाभाविक चिंता का विषय होना चाहिए, क्योंकि यहां की चारदीवारी में न केवल तरक्की की इबारत लिखी जाती है, बल्कि 'व्यक्ति से व्यक्तित्व' का निर्माण भी होता है। सवाल जब उस देश से जुड़ा हो, जो उच्च कोटि के विश्वविद्यालयों का घर (इंग्लैंड) है और उसमें में भी वहां के श्रेष्ठतम विश्वविद्यालय आशंका के घेरे में हों, तो चिंता और भी गहरी हो जाती है। भरोसे की दीवार एक बार ढह जाए, तो उसे दोबारा बनाना आसान नहीं होता।

दरअसल, न्यूटन, डार्विन और स्टीफन हाकिंग जैसी विलक्षण प्रतिभाओं को पल्लवित करने वाले इंग्लैंड के वर्ष 1209 में स्थापित कैंब्रिज विश्वविद्यालय और यहां के लीवर पूल जान मूर्स नाम के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय के भरोसे की दीवार बुरी तरह दरकी है। इन विश्वविद्यालयों की दुनिया में एक अलग पहचान है, मगर ये आज भी नस्लीय भेदभाव से अछूते नहीं हैं।

कैंब्रिज विश्वविद्यालय ने वर्ष 2022 में एक अश्वेत शिक्षाविद डा जेसन अर्डे को 37 बरस की उम्र में अपने यहां 'शिक्षा और समाजशास्त्र' विषय में प्रोफेसर नियुक्त किया था।

विश्वविद्यालय को इस नियुक्ति के लिए खासी सराहना मिली, मगर यह चार बरस की चांदनी ही साबित हुई। जुलाई, 2026 में कुछ लोगों ने प्रोफेसर जेसन पर नकल करके पीएचडी करने के आरोप लगा दिए। इसके बाद पीएचडी की उपाधि देने वाले विश्वविद्यालय के स्पष्टीकरण पर यह मामला थोड़ा शांत हुआ, पर विवाद का जिन्न फिर जाग गया। कैंब्रिज विश्वविद्यालय के कुछ अधिकारियों ने ही प्रोफेसर जेसन की नियुक्ति के मानदंडों पर पर सवाल खड़े कर दिए। मीडिया में भी इस पर चर्चा हुई और विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से भी इस मामले पर असंवदेनशीलता दिखाई गई, जबकि आरोप सिद्ध नहीं हुए थे। वहीं, आरोपों से व्यथित होकर प्रोफेसर जेसन ने सही से अपना पक्ष रखे बिना ही बीते पांच अगस्त को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। विश्वविद्यालय ने भी उन्हें जांच पूरी होने तक अपने पद पर बने रहने के लिए नहीं कहा।

प्रोफेसर जेसन इस प्रकरण से बहुत आहत हुए और चौदह अगस्त को अचानक उनका निधन हो गया। जांच एजंसियों ने इसे प्राकृतिक मौत माना, पर इसके लिए अप्राकृतिक कारण जिन्होंने पैदा किए, उस पर पूरा व्यवस्था तंत्र मौन है। प्रोफेसर जेसन की पीएचडी को अपनी शिकायत से विवादों में लाने वाले श्वेत अनुसंधानकर्ता नाथन काफनास को उनके अपने ही बैल्जियम स्थित गेंट विश्वविद्यालय ने नस्लीय भेदभाव के आरोप में निलंबित कर दिया है।

उल्लेखनीय है कि नाथन अपने अध्ययनों के जरिए यह दावा भी कर चुके हैं कि कैसे श्वेत और अश्वेत व्यक्ति की योग्यता आनुवांशिक आधार पर तय की जाती है। कैंब्रिज में ह्यूनवर्सिटी एंड कालेजह्न यूनियन के महासचिव जो ग्रेडी का कहना है कि प्रोफेसर जेसन को जिस तरह का उत्पीड़न झेलना पड़ा, उससे घृणित कुछ भी नहीं हो सकता। उन्होंने इसकी गहराई से जांच करने की मांग की है।

गौरतलब है कि प्रोफेसर जेसन की मौत के बाद ब्रिटेन के प्रधानमंत्री और शिक्षा मंत्री से लेकर दुनिया भर के शिक्षक समुदाय तथा अन्य क्षेत्रों के विशेषज्ञों की तरफ से जो सवाल उठाए गए, उसने कैंब्रिज विश्वविद्यालय की साख को गहरी चोट पहुंचाई। प्रधानमंत्री एंडी बर्नहेम ने कहा कि प्रोफेसर जेसन की मौत कई स्तरों वाली त्रासदी है। उनके इस सारगर्भित वाक्य को कुछ ऐसे समझा जा सकता है- इस मामले में बहुरूपी त्रासदी बड़े विश्वविद्यालयों की उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और उपाधि की पूरी गारंटी देने की विफलता में नजर आती है, यह त्रासदी कैंब्रिज विश्वविद्यालय जैसे शीर्ष संस्थान की संवेदनहीनता भी दिखाती है। इसके अलावा यह त्रासदी एक बड़े विश्वविद्यालय के नियुक्ति के उच्च मानदंडों पर भी सवाल खड़ा करती है।

इस घटना का ताल्लुक केवल दो विश्वविद्यालयों की दीवारों के भीतर समाप्त नहीं होता, बल्कि यह पूरी दुनिया को खुद से जोड़ता है। सवाल यह है कि प्रोफेसर जेसन को पीएचडी की उपाधि प्रदान करने वाले लीवर पूल जान मूर्स विश्वविद्यालय ने अपना पक्ष रखते हुए पीएचडी में साहित्य चोरी के आरोपों से तो साफ इनकार कर दिया था, मगर जब शिकायतकर्ताओं ने आरोप को दूसरे परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत किया, तो संबंधित विश्वविद्यालय ने इसका पुरजोर तरीके से विरोध क्यों नहीं किया?

प्रोफेसर जेसन की पीएचडी में गड़बड़ी के आरोपों को उछालने वाले कैंब्रिज के शोधार्थी नाथन काफनास ने दावा किया था कि जेसन ने अपने शोधपत्र में कई पैरा कहीं दूसरी जगह बिना संपादन के चस्पा कर दिए।

सवाल यह भी है कि नाथन के दावे के समांतर प्रोफेसर जेसन को पीएचडी की उपाधि देने वाले विश्वविद्यालय ने शोधपत्र जमा कराने के वक्त खुद की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक क्यों नहीं की। पूरी दुनिया को साहित्य चोरी जांचने के महंगे साफ्टवेयर बेचने वाले पश्चिमी देशों को क्या खुद इनकी विश्वसनीयता पर कोई संदेह है?

दूसरा, अगर मामला साफ्टवेयर की विफलता का नहीं है, तो फिर उन्हें बताना चाहिए कि आखिर परदादारी किस बात की है? शिकायतकर्ता नाथन को तो खुद ही नस्लीय भेदभाव के आरोप में उनके विश्वविद्यालय ने निलंबित कर दिया है, तो अब उनके साहित्य चोरी के आरोप भी गहरी जांच का विषय हैं। देखना होगा कि कहीं यह मामला सुविधा के अनुसार मानदंड बदलने के पूर्वाग्रह का तो नहीं है।

सवाल यह भी उठ रहा है कि कैंब्रिज विश्वविद्यालय इस प्रकरण में बार-बार अपने रंग क्यों बदलता रहा? पहले प्रोफेसर जेसन की नियुक्ति पर जमकर वाहवाही लूटी गई। फिर उनकी पीएचडी को लेकर लगे आरोपों के साबित हुए बिना ही पूरी दुनिया में उनकी छवि को धूमिल होने दिया गया। शायद वह भूल गया कि जब लोग पूछेंगे कि क्या कैंब्रिज जैसे प्रतिष्ठित संस्थान में भी नियुक्तियों में अनियमितताएं होती हैं, तो उसके पास क्या जवाब होगा। हालांकि, शिक्षाविदों का कहना है कि यह सब इतना आसान नहीं है कि इतनी बड़ी त्रासदी को कैंब्रिज प्रशासन चटाई के नीचे छिपाकर बैठ जाएगा।

विश्वविद्यालय की कुलपति ने इस घटना पर खेद जताकर भले ही मानवीय दृष्टिकोण रखा, लेकिन इसे न्याय की दृष्टि से कभी नहीं देखा जाएगा। इस मामले की जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई से न्याय सुनिश्चित हो पाएगा।

एक ब्रिटिश राजनेता का कहना है- 'कुछ विश्वविद्यालयों ने प्रोफेसर जेसन को अपना पोस्टर ब्वाय बनाने के लिए उनकी कम उम्र और अश्वेत होने को ही नियुक्ति का आधार बना लिया'। फिर इस मामले में नस्लीय भेदभाव के आरोप तो और भी कई लोग लगा रहे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि कैंब्रिज ने शोध, पठन-पाठन और प्राध्यापकों की नियुक्ति के उच्च आदर्श स्थापित किए हैं। मगर सैकड़ों वर्षों की इस सशक्त विरासत का अर्थ पारदर्शिता से मुंह मोड़ना नहीं हो सकता। संस्थान को जवाब तो देना होगा।

इस मामले में कैंब्रिज को अपनी चूक भी जगजाहिर करनी चाहिए। प्रोफेसर जेसन दोषी थे या नहीं, इसकी भी गहन जांच होनी चाहिए। अगर यह पीएचडी की उपाधि के बजाय नस्लीय भेदभाव का मामला है, तो भी उसकी तह में जाना होगा। विश्वविद्यालयों की वैश्विक रैकिंग में दूसरे देशों के संस्थानों की व्यवस्था में खोट निकालने वालों को अपनी नैतिक रैकिंग का हिसाब भी देना चाहिए।

विचारों की खूबसूरती हमें सुंदर बनाती है

(निर्मल कांत)

ज्ञान हमें योग्य बनाता है, परंतु अच्छा आचरण हमें प्रिय और सम्मानित बनाता है। यही कारण है कि एक साधारण व्यक्ति भी अच्छे विचारों के जरिये अपने व्यक्तित्व को प्रभावशाली बना सकता है। मनुष्य केवल अपनी वाणी से ही अपने व्यक्तित्व को प्रकट नहीं करता, बल्कि उसका हावभाव, चाल-ढाल, बैठने-उठने का ढंग और दूसरों के प्रति मनुष्य के स्वभाव का हिस्सा बन जाती हैं। तब शिष्टाचार जीवन पर ऐसी सुंदर परत चढ़ा देता है, जो उसके सामान्य कार्यों को भी आकर्षक बना देती है। वास्तव में, शिष्टाचार कोई दिखावा नहीं, बल्कि मनुष्य की आंतरिक संस्कृति का सहज प्रकाश है।

अच्छे व्यवहार की शक्ति निरंतर बनी रहती है। धन, सौंदर्य, पद या प्रतिभा व्यक्ति को कुछ अवसर दे सकते हैं, लेकिन सच्चा शिष्टाचार उसे

उसका व्यवहार भी उसके भीतर छिपे विचारों और संस्कारों को व्यक्त करते हैं। वाणी के बिना भी व्यक्ति बहुत कुछ कह सकता है। यही मौन भाषा उसके व्यवहार में दिखाई देती है। व्यवहार वास्तव में विचारों का शरीर में प्रवेश कर जाना है। हमारे विचार हमारे पूरे व्यक्तित्व की गतिविधियों को प्रभावित करते हैं। अच्छा व्यवहार केवल बाहरी सजावट नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर की गुणवत्ता का प्रतिबिंब है।

जिस प्रकार किसी कार्य को करने का एक श्रेष्ठ तरीका हो सकता है, उसी प्रकार जीवन में प्रत्येक कार्य को गरिमा, सहजता और प्रेम के साथ करने का भी एक श्रेष्ठ तरीका होता है। यही सुंदर व्यवहार है। शिष्टाचार की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वह छोटी-छोटी बातों को भी सुंदर बना देता है। किसी को सम्मानपूर्वक संबोधित करना, ध्यान से सुनना, समय का मूल्य समझना, विनम्रता से बोलना, आवश्यकता के समय सहायता करना और दूसरों की भावनाओं का सम्मान करना, ऐसे छोटे व्यवहार हैं, जो व्यक्ति के चरित्र को ऊंचा उठाते हैं। प्रारंभ में ये बातें सचेत अभ्यास से सीखी जाती हैं, लेकिन निरंतर अभ्यास के बाद ये लोगों के हृदय में स्थान दिलाता है। अच्छे संस्कार व्यक्ति के लिए ऐसे द्वार खोल सकते हैं, जिन्हें केवल धन या बाहरी आकर्षण से खोल पाना संभव नहीं। यही कारण है कि व्यवहार मनुष्य की सबसे बड़ी सामाजिक पूंजी बन जाता है। एक साधारण व्यक्ति भी अच्छे विचारों के जरिये अपने व्यक्तित्व को प्रभावशाली बना सकता है। इसके लिए केवल अभ्यास, सजगता और दूसरों के प्रति सम्मान की आवश्यकता होती है। ज्ञान हमें योग्य बनाता है, परंतु अच्छा आचरण हमें प्रिय और सम्मानित बनाता है। इसलिए, हमें अपने शब्दों के साथ-साथ व्यवहार को भी सुंदर बनाना चाहिए। मधुर वाणी, विनम्रता, आत्मविश्वास, सहानुभूति और सम्मान को जीवन का हिस्सा बनाकर हम न केवल अपना व्यक्तित्व निखार सकते हैं, बल्कि अपने आसपास के वातावरण को भी अधिक मानवीय और सुंदर बना सकते हैं। सच्ची सफलता केवल यह नहीं कि लोग हमें कितना जानते हैं, बल्कि यह भी है कि वे हमारे साथ रहकर कैसा अनुभव करते हैं। जब विचार अच्छे हों, भावनाएं निर्मल हों व व्यवहार में विनम्रता हो, तब व्यक्तित्व स्वतः प्रभावशाली बन जाता है।

शिक्षा व्यवस्था में बढ़ती अव्यवस्था से क्यों बढ़ रही है युवाओं की चिंता?

ऐसी स्थितियों को निर्मित करने वाले अपराधी पढ़े-लिखे होते हैं, वे व्यवस्था को जानते हैं और उसे चलाने वालों में से कुछ को चिह्नित कर उन्हें भी अपने साथ शामिल कर लेते हैं। इससे स्पष्ट हो जाता है कि शिक्षा संस्थाएं और व्यवस्था उस सर्वकालिक मूल्य-बोध से दूर हो गई हैं, जिसमें उनका घोषित उद्देश्य 'व्यक्ति से व्यक्तित्व' निर्माण होता है। यदि इसे बदलना है, तो शिक्षा व्यवस्था के बाहर के परिदृश्य पर भी निगाह डालनी होगी और उसका विश्लेषण करना होगा।

(जगमोहन सिंह राजपूत)

स्वतंत्रता के बाद देश की आबादी बढ़ी। राज्य सरकारों ने शिक्षा के लिए आवश्यक आबंटन कर पाने में अपनी असमर्थता व्यक्त की। ऐसे में शिक्षा के निजीकरण को बढ़ावा मिला। आजादी के आठ दशक पूरे हो गए हैं। एक पीढ़ी ने इस दौरान हुए परिवर्तन को देखा है और उसमें भागीदारी की है। उपलब्धियों तथा कमियों का विश्लेषण भी किया है। वे आज की 'जेन जी' की भाषा से भले ही अनभिज्ञ हों, मगर अनुभव उनके पास है, जिसको यदि सही ढंग से समझ लिया जाए, तो भावी पीढ़ी के लिए यह उपयोगी ही होगा। ये लोग जब महाविद्यालयों या विश्वविद्यालयों में थे (यानी 1947-67 के दौरान), तब इनका प्रश्नपत्र-लीक, नकल माफिया और कोचिंग संस्थान जैसे शब्दों से कोई परिचय नहीं था।

उन्हें शिक्षकों, परीक्षकों और लोक सेवा आयोग पर पूरा विश्वास था। इससे भी अधिक महत्त्वपूर्ण यह था कि जनप्रतिनिधियों की निष्ठा पर लोगों को भरोसा था। उन्हें मूल्य-आधारित जीवन जीने का अनुभव था। मगर आज ऐसा नहीं है, युवाओं के लिए अनुकरणीय व्यक्तित्व ढूंढ़ पाना कठिन है। आज का हर तरुण और युवा अपने भविष्य को लेकर तनाव में है। परिवार और माता-पिता उनसे भी अधिक चिंतित हैं।

स्वतंत्रता के बाद देश की आबादी बढ़ी। राज्य सरकारों ने शिक्षा के लिए आवश्यक आबंटन कर पाने में अपनी असमर्थता व्यक्त की। ऐसे में शिक्षा के निजीकरण को बढ़ावा मिला। देश में शिक्षा उद्योग बन गई, जिसमें लाभांश सुनिश्चित था। चूंकि साक्षरता बढ़ाना आवश्यक था, इसलिए स्कूलों की संख्या बढ़ी, विद्यार्थी भी बढ़े, लेकिन गुणवत्ता घटती चली गई। इससे भी अधिक चिंताजनक स्थिति यह बनी कि समाज में नैतिकता का ह्रास हुआ और मानवीय मूल्यों का महत्त्व भी कमजोर होता गया। आज युवाओं को प्रश्नपत्र लीक और दोबारा परीक्षाओं का बोझ एवं तनाव झेलना पड़ रहा है। जंतर मंतर और रांची में प्रदर्शन उनके इसी गुस्से का द्योतक है। यह परीक्षा प्रक्रिया में गड़बड़ियों का ही नतीजा है कि कुछ विद्यार्थी तनाव के बीच अपनी जिंदगी से हार मान लेते हैं।

ऐसी स्थितियों को निर्मित करने वाले अपराधी पढ़े-लिखे होते हैं, वे व्यवस्था को जानते हैं और उसे चलाने वालों में से कुछ को चिह्नित कर उन्हें भी अपने साथ शामिल कर लेते हैं। इससे स्पष्ट हो जाता है कि शिक्षा संस्थाएं और व्यवस्था उस सर्वकालिक मूल्य-बोध से दूर हो गई हैं, जिसमें उनका घोषित उद्देश्य 'व्यक्ति से व्यक्तित्व' निर्माण होता है। यदि इसे बदलना है, तो शिक्षा व्यवस्था के बाहर के परिदृश्य पर भी निगाह डालनी होगी और उसका विश्लेषण करना होगा।

बीसवीं सदी ने साम्राज्यवाद का सूरज अस्त होते देखा। वे सभी प्रबुद्ध व्यक्ति और देश जो विश्व शांति और 'अब और युद्ध नहीं' के पक्षधर थे, वे जानते थे कि साम्राज्यवाद मनुष्य की कुछ अंतर्निहित प्रवृत्तियों का परिणाम होता है, जिनमें हर कोई अन्य से अधिक श्रेष्ठ, समृद्ध और अधिकार संपन्न दिखना चाहता है। इसका उदाहरण आज का अमेरिका है, जो वेनेजुएला, कनाडा और ग्रीनलैंड को आत्मसात करना चाहता है। द्वितीय विश्वयुद्ध की समाप्ति के बाद यह चर्चा प्रारंभ हुई कि भविष्य के साम्राज्य ज्ञान के साम्राज्य होंगे। भारत इसे बहुत पहले से समझ चुका था कि 'ज्ञान से पवित्र और कुछ भी नहीं है'। प्राचीन भारत के मनीषी इसे जानते-समझते थे, उनकी ज्ञान-साधना का लक्ष्य सत्य की खोज था।

आधुनिक विज्ञान के क्षेत्र में ज्ञान अर्जन में जो तेजी आई है, उसमें और प्राचीन भारतीय ज्ञान अर्जन परंपरा में एक बहुत बड़ा अंतर है। वैसे यह अब पूरी तरह स्थापित हो चुका है कि ज्ञान के साथ बुद्धि, विवेक और मानवीय संवेदना का समन्वय आवश्यक है। यह भारत का उत्तरदायित्व बनता है कि सहिष्णुता के अपने इतिहास को याद कर वह वैश्विक स्तर पर इस विचार को स्थापित करे, लेकिन भारत इस उत्तरदायित्व का निर्वाह तभी कर सकेगा, जब उसकी अपनी शिक्षा व्यवस्था और उसका प्रबंधन अनुकरणीय स्तर पर आ सके।

मगर आज ऐसा दिखाई नहीं देता है। शिक्षा नीतियां कुछ भी कहें, तथ्य यह है कि गुणवत्ता का मानक आज भी पश्चिमी देशों की व्यवस्था तथा विषय वस्तु तक ही सीमित है। विश्व के जिन देशों के लिए भारत केवल एक बाजार है, वह हमारी शिक्षा व्यवस्था को रास्ता कैसे दिखा सकते हैं? भारत भी पश्चिम के देशों की नकल कर यदि अपनी शिक्षा की विषयवस्तु और व्यवस्था बनाता है, तो वह केवल डिग्री ही दे सकता है, भारतीयता नहीं। शिक्षा में मानव-तत्त्व की उपस्थिति बहुत आवश्यक है, लेकिन वही कमजोर हो रहा है।

कृत्रिम मेधा शिक्षा और उसके प्रबंधन को नए-नए स्तरों पर ले जा रही है। भारत को भी उसमें अग्रणी होना होगा, लेकिन भारतीय तत्त्व उसमें खो न जाए, इसका ध्यान भी रखना होगा। अब यह सिद्ध हो चुका है कि विश्व में मान-सम्मान उसी देश को प्राप्त हो सकेगा, जिसकी शिक्षा व्यवस्था गुणवत्ता, उत्कृष्टता और मानवीय तत्त्व से परिपूर्ण होगी। भारत की शिक्षा नीति में ऐसे तत्त्व उपलब्ध हैं, जो उसे भविष्योन्मुखी बना सकते हैं। मगर इसके लिए हर स्तर पर अकादमिक नेतृत्व की उपस्थिति आवश्यक है। जिन लोगों ने आजादी के बाद के तीन दशकों तक की शिक्षा व्यवस्था देखी है, वे जानते हैं कि उस समय तक शिक्षा संस्थाओं का नेतृत्व नौकरशाहों के हाथ में नहीं था, जैसा कि आज है। देश में आज एक लाख से अधिक स्कूल केवल एक अध्यापक के सहारे चल रहे हैं। पिछले दो वर्षों में सरकारी स्कूलों में नामांकन 86 लाख तक घटा है, जबकि निजी स्कूलों में इसी दौरान नामांकन 88 लाख बढ़ा है।

केवल कागजों में शिक्षक-छात्र अनुपात के महत्त्व को दर्शाना और व्यावहारिकता में उससे आंखें चुरा लेना, हर उस बच्चे के साथ अन्याय है जो इस प्रकार की व्यवस्था में पढ़ने के लिए मजबूर है। ये बच्चे उन परिवारों से आते हैं, जिन्हें शिक्षा की सबसे अधिक आवश्यकता है और वे विकास की धारा में अंतिम छोर पर खड़े हैं। इनके भविष्य निर्माण के लिए चाहिए नेतृत्व क्षमता से परिपूर्ण ऐसे व्यक्तित्व, जिनमें भारत की विविधताओं की समझ हो, उसके प्रति सम्मान की भावना हो। जिनके पास देश के भविष्य को संवारने का आत्मविश्वास और इच्छाशक्ति हो। ऐसे लोगों की उपस्थिति प्राथमिक पाठशाला से लेकर उच्च शिक्षा संस्थानों तक सुनिश्चित करनी होगी। (यह लेखक के अपने विचार है)

बाजार शेष भाग की बट्टी वसूली में अनियमितता पर नगर निगम की बड़ी कार्रवाई

लेसी मैनेजर साह का कार्यादेश रद्द कर पूरी राशि जब्त करने का आदेश : नगर आयुक्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। नगर निगम कटिहार की ओर से वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए बाजार शेष भाग की बट्टी वसूली हेतु जारी कार्यादेश को नियमों के उल्लंघन एवं लगातार प्राप्त शिकायतों के बाद रद्द कर दिया गया है। नगर निगम ने संबंधित लेसी को जारी कार्यादेश को निरस्त करते हुए संपूर्ण राशि जब्त करने का निर्णय लिया है। नगर निगम द्वारा जारी पत्र के अनुसार वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए बाजार शेष भाग की बट्टी वसूली का कार्य डाक सूचना संख्या 22/2025-26 के तहत उच्चतम डाक बोली के आधार पर लेसी मैनेजर साह को दिया गया था। इसके लिए कार्यालय ज्ञापांक 1247/ननि0, दिनांक 30.03.2026 के माध्यम से कार्यादेश जारी किया गया था। कार्यादेश में स्पष्ट रूप से निर्धारित किया गया था कि बट्टी की वसूली निर्धारित स्थान से पोस पोस

मशीन के माध्यम से की जाएगी तथा वसूली के समय ही रसीद उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही निर्धारित दर तालिका का प्रकाशन, निर्धारित वर्दी एवं पहचान पत्र में बट्टी वसूली सहित अन्य नियमों का पालन करना अनिवार्य था। नगर निगम क्षेत्र में मिरर्चाईबाड़ी हृदयगंज, डीएस कॉलेज बाइपास मोड़ सहित अन्य स्थानों पर खाद्य सामग्री से संबंधित लोडेड व्यावसायिक वाहनों से निर्धारित दर पर ही बट्टी वसूली का प्रावधान था। लगातार मिल रही थीं शिकायतें पत्र में उल्लेख है कि 21 अप्रैल 2026 को वार्ड संख्या-39 के नगर निगम पार्षद एवं वर्तमान स्थायी सशक्त समिति सदस्य बिपिन बिहारी चौबे द्वारा कार्यालय में अवैध बट्टी वसूली के संबंध में शिकायत दर्ज कराई गई थी। इसके बाद कार्यालय ज्ञापांक 1615/ ननि0, दिनांक 08.05.2026 के माध्यम से संबंधित लेसी से कारण-पृच्छा की गई। लेकिन उपलब्ध कराए गए जवाब को संतोषप्रद नहीं पाया गया। इसके बाद राकेश कुमार साह, पिता स्व. गजेन्द्र प्रसाद साह द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से शिकायत की गई कि 21 अप्रैल को वाहन संख्या बर बीआर 39 जीबी/1021 से रसीद संख्या 900 के माध्यम से 100 रुपये तथा रसीद संख्या 5304 के माध्यम से 50 रुपये की वसूली की गई और एक ही दिन में दो बार बट्टी वसूली की शिकायत की गई। इस मामले में भी नगर निगम ने कार्यालय ज्ञापांक 1670/ननि0, दिनांक 12.05.2026 के माध्यम से कारण-पृच्छा की। इसी प्रकार गिट्टी, बालू आदि लदे वाहनों से बट्टी वसूली के संबंध में लगातार शिकायतें प्राप्त होने पर कार्यालय ज्ञापांक 2120/ ननि0, दिनांक 17.06.2026 के माध्यम से भी कारण-पृच्छा की गई। नगर निगम के अनुसार इन मामलों में भी प्रस्तुत जवाब संतोषप्रद नहीं पाया गया। मामले को लेकर नगर आयुक्त संतोष कुमार ने बताया कि 13 जुलाई 2026 को आयोजित नगर निगम सामान्य बोर्ड की बैठक में प्रस्ताव संख्या-01 के आलोक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए बाजार शेष भाग के लेसी मैनेजर के कार्यादेश को रोषपूर्ण एवं सर्वसम्मति से रद्द करने का निर्णय लिया गया। बोर्ड के निर्णय तथा बट्टी वसूली से संबंधित निर्धारित नियमों एवं शर्तों के उल्लंघन के आलोक में अब नगर निगम द्वारा कार्यालय ज्ञापांक 1247/ ननि0, दिनांक 30.03.2026 से जारी कार्यादेश को रद्द करते हुए संपूर्ण राशि जब्त करने की कार्रवाई की गई है। नगर निगम की इस कार्रवाई से स्पष्ट है कि बट्टी वसूली में निर्धारित नियमों एवं शर्तों का उल्लंघन किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा तथा शिकायतों की जांच के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

डीएम के सामने लोगों ने रखीं सरकारी योजनाओं से जुड़ी समस्याएं

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

फलका (कटिहार)। प्रखंड क्षेत्र सोहथा दक्षिण पंचायत के फलका हाट में मंगलवार को सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर कोढ़ा विधायक कविता पासवान, जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी, उप विकास आयुक्त डॉ. नेहा कुमारी ने किया। वहीं पंचायत के द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। जनसहयोग शिविर में जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी ने सोहथा दक्षिण पंचायत में ज्यादा संख्या में पहुंचे ग्रामीण को देखकर पंचायत के मुखिया की विकास को देख कर सराहना किया। ग्रामीणों को कल्याणकारी योजना की जानकारी दी। मौके पर सदर

मुखिया अनिता गुप्ता ने सभी पदाधिकारी को अंगवस्त्र एवं फूल का गुलदस्ता देकर स्वागत किया। शिविर में पंचायत के सभी वार्ड से ग्रामीण पहुंचे। उन्होंने आवास योजना, पेंशन, राशन कार्ड, आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र, सामाजिक सुरक्षा सहित अन्य सरकारी योजनाओं से संबंधित अपनी समस्याएं और आवेदन अधिकारियों व कर्मियों के समक्ष रखे। संबंधित कर्मियों ने ग्रामीणों की समस्याओं को सुना, आवश्यक प्रक्रिया की जानकारी दी और कई मामलों का मौके पर ही निष्पादन किया। हालांकि सहयोग शिविर में लोगों की उपस्थिति ज्यादा देखी गई। इस दौरान ग्रामीणों को सरकार एसडीएम सूरज कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी सन्नी सौरभ, अंचल पदाधिकारी सोमी पोद्दार, आपूर्ति पदाधिकारी, थानाध्यक्ष प्रहलाद कुमार यादव, चिकित्सा पदाधिकारी अश्वनी कुमार, बीपीएम प्रीति कुमारी, जिला परिषद प्रतिनिधि बलराम साह, मुखिया प्रतिनिधि अमित गुप्ता, संजय झा, मुखिया विनोद मिर्धा, राजेश रंजन, भाजपा मंडल अध्यक्ष ग्रामीण अनुज कुमार मंडल, मंडल अध्यक्ष शहरी परमानंद शर्मा, पंचायत समिति सदस्य लखनदेव ठाकुर, वार्ड सदस्य अंकित कुमार, टिंकू कुमार साह, समाजसेवी टुनटुन गुप्ता, रितेश गुप्ता, चंदन कुमार एवं ग्रामीणों उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

श्रम अधीक्षक के सहयोग से सदर अस्पताल के सुरक्षा प्रहरी को वेतन मिला : विकास सिंह

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। स्थानीय संयुक्त श्रम भवन श्रम संसाधन विभाग के कार्यालय में श्रम अधीक्षक पीटर मिंज के अध्यक्षता में त्रिपक्षीय वार्ता का आयोजन किया गया। सदर अस्पताल में कार्यरत सुरक्षा प्रहरियों जो कि 2020 से सामान्ता सिक्योरिटी एजेंसी प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक के द्वारा 3 महीने का वेतन बकाया था कर्मियों को ईएसआईसी, इपीएफ, न्यूनतम मजदूरी के लाभों से भी वंचित किया जा

रहा था' श्रम अधीक्षक के प्रयास से एजेंसी के निदेशक पर लगातार दबाव बनाकर सभी सुरक्षा प्रहरियों के बकाया 3 महीने का वेतन भुगतान कराया गया। इतना ही नहीं लगभग आधा दर्जन कर्मियों का किसी का 1 साल से 6 महीने से 3 महीने से वेतन बकाया था सभी का वेतन भुगतान कर दिया गया। मुख्य संरक्षक विकास सिंह ने बताया कि श्रम अधीक्षक के प्रयास से लगभग 6 साल से कर्मचारियों का बकाया वेतन का भुगतान हो गया। श्री सिंह ने बताया कि श्रम अधीक्षक के कार्यालय में लगभग 50 कर्मियों के द्वारा मिठाई खिलाकर बुके देकर स्वागत किया गया। संघ के अध्यक्ष प्रहलाद कुमार, सचिव अनिल कुमार, कोषाध्यक्ष प्रीतम कुमार, उपाध्यक्ष यास्मीन बानो सहित सभी कर्मियों ने कटिहार मजदूर संघ के अध्यक्ष, संघ के मुख्य संरक्षक विकास सिंह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज उनके माध्यम से श्रम विभाग से सभी कर्मचारियों को न्याय मिला है। और आगे भी विकास सिंह के नेतृत्व में श्रम अधिनियम के तहत सभी सुविधा दिलवाने का प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर पदाधिकारी के अलावा अजय मिश्रा, नीरज कुमार, श्याम कुमार, पुष्पा कुमारी, मीना देवी, मोना देवी, कंचन देवी, कुंदनी कुमारी, कल्पना देवी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

पुरानी पेंशन लागू करने की मांग को लेकर शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर जताया विरोध

मनसाही/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। प्रखंड के सभी प्राथमिक एवं मध्य विद्यालय में शिक्षकों ने पुरानी पेंशन लागू करने की मांग को लेकर काली पट्टी बांधकर विरोध जताया। इस मौके पर प्राथमिक विद्यालय गोविंदपुर के सभी शिक्षकों ने बाहों में काली पट्टी बांधकर सरकार के खिलाफ शांतिपूर्ण विरुद्ध प्रदर्शन किया। सभी शिक्षिक ने एक स्वर में मांग की एनपीएस और यूपीएस बंद करो पुरानी पेंशन बहाल करो। विद्यालय के प्रधान शिक्षक उत्तम कुमार ने कहा कि नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम जो राष्ट्रीय स्तर का एक सांगठनीक प्लेटफार्म हैं। इसके आह्वान पर एक सितंबर 2026 मंगलवार को ओपीएस से वंचित देश के सभी कर्मचारी पदाधिकारी सभी स्तर के शिक्षक बाहों में काली पट्टी बांधकर अपने-अपने कर्तव्य निर्वहन कर रहे हैं। इस अवसर पर विद्यालय परिवार के शिक्षक शिक्षिकाओं में विनोद कुमार रजक,वंदना कुमारी, मंजू कुमारी, सरिका ठाकुर, प्रियम कुमारी शिक्षा सेवकों में प्रवीण कुमार ऋषि देव, गुरचरण ऋषि मौजूद रहे।

एंबुलेंस से कर रहा था शराब तस्करी, पुलिस ने भेजा जेल

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। एंबुलेंस से शराब तस्करी का मामला सामने आया है।पुलिस ने एंब्यूलेंस सहित 396.12 लीटर विदेशी शराब जब्त करते हुए तस्कर सह चालक को जेल भेज दिया है।मामले की जानकारी देते हुए एसडीपीओ ने बताया कि सोमवार की रात रौशना पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि एक एंबुलेंस में विदेशी शराब की बड़ी खेप कटिहार की ओर ले जाई जा रही है।सूचना सत्यापन को लेकर पुलिस ने महानंदा चेक पोस्ट पर वाहन जांच अभियान चलाया।वाहन जांच करती पुलिस को देखकर एक आदमी भागने लगा, जिसे पुलिस ने पीछा कर हिरासत में ले लिया। उस व्यक्ति की पहचान संतोष कुमार (38) पिता-महेश्वर गोस्वामी, साकिन -सौसा, थाना-मरंगा, जिला-पूर्णियाँ के रुप में हुई है।तलाशी के क्रम में उसके पास से 396.12 लीटर विदेश शराब बरामद हुआ। पुलिस ने शराब,एंबुलेंस तथा एक मोबाईल जब्त करते हुए उसके विरुद्ध थाना में मामला दर्ज कर अग्रेतर कारवाई कर रही है।

सिरनीया पश्चिम पंचायत भवन में सहयोग शिविर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही (कटिहार)। सदर प्रखंड के सिरनिया पश्चिम पंचायत भवन में मंगलवार को सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए थे जहां पंचायत के लोगों ने अपनी अपनी समस्याओं को रखते हुए उनके शीघ्र समाधान की मांग की। लोगों ने गांव की जिन मुख्य समस्याओं को शिविर में रखा उनमें गांव की हर सड़क पर जल जमाव एवं जल निकासी की समस्या मुख्य रही। वहीं हफलागंज शिव मंदिर की जमीन को अतिक्रमण मुक्त करने की मांग की गई। शिविर में राशन कार्ड,पेंशन,आधार सुधार, भूमि विवाद, बिजली, अतिरिक्त स्वास्थ्य केंद्र के

बदहाल व्यवस्था की समस्याओं को लेकर भी लोगों ने आवेदन दिए और पदाधिकारियों से जल्द से जल्द इसके समाधान की मांग की गई। शिविर के दौरान पूर्व उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद ने दिव्यांग लोगों को इलेक्ट्रॉनिक तीन पहिया साइकिल का वितरण किया और लोगों की समस्याओं से रूबरू होते हुए उनके समाधान की बात कही। इस अवसर पर पंचायत के मुखिया मुकेश पासवान, सरपंच नित्यानंद पासवान, पंचायत समिति सदस्य गुलाम मुस्तफा, पैक्स अध्यक्ष सुनील साह, प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल कुमार, अंचलाधिकारी सोनू भगत, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. आनंद कुमार, भाजपा के अजय कुमार दास, जदयू के निरंजन पोद्दार, राजकुमार शर्मा, राजेश वर्णवाल, मो. इसराइल, श्वेत कुमार आदि उपस्थित रहे ।

दुष्कर्म व हत्याकांड का आरोपी गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी (कटिहार)। मनिहारी के प्रभारी एसडीपीओ आसिफ आलम ने मनिहारी के एक गांव मे आठ वर्षीय बालिका के साथ दुष्कर्म तथा अमदाबाद थाना क्षेत्र मे हुई हत्याकांड के अभियुक्त की गिरफ्तारी पर अपने कार्यालय में प्रेसवार्ता कर जानकारी दिया है। एसडीपीओ ने बताया कि रविवार को मनिहारी थाना क्षेत्र के एक गांव मे आठ वर्षीय बालिका के साथ एक यूवक ने दुष्कर्म किया था ।पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर थानाध्यक्ष संतोष कुमार झा ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बालिका के माता के फर्द बयान पर दुष्कर्म के आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं एसडीपीओ ने बताया कि अमदाबाद थाना क्षेत्र के गोविंदपुर बहरसाल के पास महानंदा नदी के दियारा मे 20 अगस्त 2026 को पशुचारा लाने गई चांदनी देवी उर्फ चंद्रिका मंडल की तेज धारदार हसुआ से हत्या कर दी गई थी। जिसमे पुलिस अधीक्षक ने एसआईटी टीम की गठन एसडीपीओ मनिहारी तथा अमदाबाद थानाध्यक्ष के नेतृत्व मे किया गया था। एसआईटी टीम ने मोबाइल तकनीकि जांच के दौरान हत्याकांड के मुख्य अभियुक्त पश्चिम बंगाल निवासी को चिन्हित गिरफ्तार किया है। अभियुक्त के साथ हत्याकांड मे प्रयुक्त तेज धारदार हसुआ, खुन के छीटे लगे लुंगी, मोबाइल फोन जिसका लोकेशन घटनास्थल पर पाया गया था। वह भी बरामद किया गया है।

नगर निगम के चार स्थानों पर सहयोग शिविर का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। नगर निगम कटिहार की ओर से मंगलवार को नगर निगम क्षेत्र के चार स्थानों पर सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ वार्ड संख्या 41 हवाई अड्डा मैदान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान महापौर उषा देवी अग्रवाल ,उप महापौर मंजूर खान, नगर आयुक्त संतोष कुमार एवं वार्ड पार्षद मुन्नी देवी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर नगर निगम द्वारा नागरिकों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तीन अलग-अलग स्थलों पर शिविर लगाए गए। इनमें वार्ड संख्या 10 के

हनुमान मंदिर, वार्ड संख्या 25 के डी इस कॉलेज प्रांगण तथा वार्ड संख्या 30 उमा देवी माध्यमिक उच्च विद्यालय परिसर में सहयोग शिविर आयोजित किया गया। शिविर में संबंधित वार्डो के जनप्रतिनिधियों की सक्रिय सहभागिता रही। वार्ड संख्या 10 के वार्ड पार्षद श्री उमेश पासवान वार्ड संख्या 25 के पार्षद कैलाश शर्मा तथा वार्ड संख्या 30 के वार्ड पार्षद नितेश कुमार सिंह उर्फ निक्कू सिंह उपस्थित रहे और नागरिकों से शिविर का अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की। इस दौरान नगर निगम के पदाधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद रहे। शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित आवेदनों का निष्पादन, शिकायतों का पंजीकरण तथा नागरिकों को आवश्यक जानकारी एवं सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। नगर निगम प्रशासन ने कहा कि ऐसे सहयोग शिविरों का उद्देश्य आम नागरिकों को सरकारी एवं नगर निगम की सेवाएं उनके वार्ड स्तर पर सहज और त्वरित रूप से उपलब्ध कराना है।

बेटी की शादी के विवाद में हत्या का आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरारी (कटिहार)। बरारी थाना क्षेत्र के लाइन पार बरेटा गांव में मंगलवार की सुबह आरसीसी कलभट के नीचे एक व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान वार्ड संख्या 9 निवासी मो. मज्जू मंसूरी (43) के रूप में हुई है। मामले में मृतक की पत्नी हसबुन खातून ने बेटी की शादी को लेकर चल रहे विवाद के कारण गांव के तीन लोगों पर पति की हत्या करने का आरोप लगाया है। पत्नी ने बताया कि कुछ दिन पहले गांव के ही एक युवक के घर में घुसने के बाद दोनों पक्षों के बीच विवाद हुआ था। इसके बाद पंचायती में शादी तय करने को

लेकर बातचीत हुई। उनका आरोप है कि युवक पक्ष ने पहले शादी के लिए 5 लाख रुपए की मांग की थी। बाद में पंचों की मौजूदगी में 1.30 लाख रुपए में शादी तय हुई और उनकी ओर से 11 हजार रुपए सगुन के रूप में दिए गए। आरोप है कि इसके बावजूद लड़के, उसके पिता और भाइयों ने 5 लाख रुपए की मांग करते हुए मज्जू मंसूरी को जान से मारने की धमकी दी थी। मृतक की पत्नी के अनुसार सोमवार को वह पति के साथ गेराबाड़ी पैसा निकासी के लिए गई थी। शाम करीब सात बजे घर लौटते समय लाइन पार बरेटा चौक के पास पति ने उसे घर जाने के लिए कहा और खुद कुछ देर घूमने की बात कहकर चले गए।

डंडखोरा पंचायत भवन में सहयोग शिविर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

डंडखोरा (कटिहार)। पंचायत सरकार भवन डंडखोरा के परिसर में मंगलवार को सहयोग शिविर का आयोजन किया गया।प्रखंड विकास पदाधिकारी शुभम प्रकाश के निर्देशन में आयोजित शिविर में पूर्व से प्राप्त 51आवेदनों का निर्धारित समयावधि 30 दिनों के अंदर निस्तारण कर दिया गया। शिविर में आमजनों की शिकायतों को लेकर आवेदन प्राप्त करने के लिए कृषि,कल्याण,पंचायत राज, शिक्षा, राजस्व एवं भूमि सुधार, साख्यिकी, स्वास्थ्य, समाज कल्याण, आपूर्ति सहित कई अन्य विभागों की ओर से स्टॉल लगाये गये थे। जिसमें पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहकर

लोगों की शिकायतों को सुनकर आवेदन प्राप्त कर रहे थे। शिविर में मुखिया पार्वती हेम्ब्रम,पूर्व जिला परिषद सदस्य पुरुषोत्तम वर्मा सहित कई अन्य पंचाय राज प्रतिनिधि भी शामिल हुए। जिनके हाथों शिकायतकताओं को उनकी समस्याओं के समाधान का प्रमाण-पत्र प्रदान कराया गया।जानकारी देते हुए बीडीओ ने बताया कि शिविर में पूर्व से प्राप्त सभी 51 आवेदनों का निस्तारण कर दिया गया। तो वही आज के शिविर में विभिन्न विभागोंके लिए 29 आवेदन प्राप्त हुआ है। इन आवेदनों का भी निर्धारित समयावधि में निस्तारण कर दिया जाएगा।

कागजी नहीं, धरातल पर हो काम : सांसद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। केंद्र सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन और देश की वर्तमान स्थिति को लेकर सांसद तीखे तेवर दिखाए। उन्होंने मंगलवार को आवासीय कार्यालय में प्रेस वार्ता की। इस दौरान सांसद तारिक अनवर ने स्पष्ट किया कि केवल कागजी घोड़े दौड़ाने से काम नहीं चलेगा। बल्कि धरातल पर जमीनी स्तर पर विकास कार्य दिखने चाहिए। इसके लिए उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की निगरानी हेतु जिला स्तर पर विशेष टीमों के गठन की बात कही।सांसद ने विकास समन्वय और निगरानी समिति दिशा की बैठकों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि दो घंटे की बैठक में सभी विकास कार्यों की संपूर्ण समीक्षा संभव नहीं हो पाती है। हालांकि इस दौरान कुछ सवाल-जवाब जरूर होते हैं, लेकिन हर विभाग के कार्यों की सही और गहन समीक्षा का अभाव रहता है। प्रेस

वार्ता के दौरान देश की आर्थिकी और जीडीपी ग्रोथ पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री पर निशाना साधा और कहा कि उन्हें अपनी पीठ थपथपाने की पुरानी आदत है, जबकि वास्तविकता यह है कि देश में महंगाई चरम सीमा पर है और आम जनता त्राहिमाम कर रही है।7.8 फीसदी जीडीपी वृद्धि क्यू1 की है, पूरे साल की नहीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसे "असाधारण उपलब्धि" बता रहे हैं। लेकिन आईएमएफ का एफ आई 2026-27 के लिए अनुमान 6.4 फीसदी है। एक तिमाही के आंकड़े से पूरे साल की अर्थव्यवस्था पर निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी है। इसके साथ ही, दिल्ली के एक बस में 16 वर्षीय मासूम के साथ हुई दुष्कर्म की जघन्य घटना की उन्होंने कड़े शब्दों में निंदा की। सांसद श्री अनवर ने कहा कि मौजूदा समय में देश की कानून - व्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा की स्थिति बेहद चिंताजनक है, जिस पर गंभीर आत्ममंथन और ठोस कदम उठाने की जरूरत है। मौके पर कटिहार जिला कांग्रेस अध्यक्ष संजय सिंह, सांसद प्रतिनिधि सुनील कुमार यादव, जिला प्रवक्ता पंकज कुमार तमाखुवाला मुख्य रूप से मौजूद रहे ।

बाबा गोरखनाथ धाम में दान राशि की गिनती, 62 लाख आया चढावा

चांदी का त्रिशूल, लाकेट, नाग, अंगूठी, गदा, घंटी, सोने की आंख दान स्वरूप मिली

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सालमारी (कटिहार)। बाबा गोरखनाथ धाम मंदिर के दरबार में आये शिवभक्तों ने सावन माह एवं श्रावण पूर्णिमा में दिल खोल कर दान दिया।चार सोमवारी से दान, दुकान का चंदा, मुंडन, रशीद आदि मिलाकर बाबा गोरखनाथ में विभिन्न माध्यमों से दान स्वरूप 62 लाख 60 हजार 588 रू नगद चढ़ावा आया। मंदिर न्यास कमेटी के पदेन अध्यक्ष सह एसडीओ राजु कुमार के द्वारा प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी पंचायत राज पदाधिकारी आजमनगर प्रवीण कुमार भारती के निगरानी में दर्जनों लोगों ने घंटों तक गिनती किये। चढ़ावे के एक-एक सिक्के का हिसाब लगाया गया। सचिव पिंटू यादव ने जानकारी देते हुए हुए बताया कि दुकानों से चंदा और विभिन्न माध्यमों से आये दान को

मिलाकर कुल आय 62 लाख 60 हजार 588 नगद और छोटा चांदी का त्रिशुल सात पीस, माला सात पीस, लाकेट पांच, नाग चार,अंगूठी एक, गदा एक, घंटी एक, आंख एक पीस, सोना का आंख एक पीस, नेपाली मुद्रा 6640/- भुटानी मुद्रा 2950/- म्यांमार का मुद्रा 21000/- दान स्वरूप प्राप्त हुआ है। इस तरह सावन माह में मेले में मंदिर को रिकॉर्ड तोड चढ़ावा मिला। कमेटी सदस्यों ने बताया की उक्त राशि विकास कार्यों में खर्च होगा। मंदिर कमेटी के सचिव पिंटू यादव ने बताया कि ये गोरखनाथ मंदिर में रिकॉर्ड चढ़ावा आया है। इस राशि का उपयोग समिति के पदेन अध्यक्ष एवं अन्य सदस्यों की सहमति से मंदिर के विकास कार्यों के लिए किया जायेगा। इस अवसर पर कमेटी के सचिव पिंटू यादव, उपाध्यक्ष अक्षय सिंह, कोषाध्यक्ष दिलीप कुमार सिंह, श्यामनाथ यादव,निताई यादव, श्याम अग्रवाल, पंचानंद यादव, पवन अग्रवाल, प्रदीप शर्मा, नारायण बीन, चन्दन यादव, देवनारायण नुनिया, राजेश भगत, सुरेश दास, पिंटू साह, विजय साह, गणेश बोसाक, बजरंग चौधरी, संजीव साह, प्रवेश साह, फनी सिंह, प्रशांत सिंह, कार्तिक साह, ओमप्रकाश मेहता, रामबिलास शर्मा, बिट्टू सिंह, रत्न दास, सन्नी यादव, फनी दास, राजू घोष, राधाकांत घोष, मिथुन यादव, अंकित यादव, अजीज सिंह, राखल विश्वास, पुरषोत्तम सिंह, सुदीप्तो घोष, मामू महादेव, लेलहा विश्वास सहित अन्य गणमान्य लोगों उपस्थित रह कर राशि गिनती में सहयोग किये।

संक्षिप्त समाचार

गौतम अडानी को साल की सबसे बड़ी चपत! एक झटके में गंवाए 9.5 अरब डॉलर

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के तीसरे बड़े औद्योगिक घराने अडानी ग्रुप के सभी शेयरों में सोमवार को भारी गिरावट आई। ग्रुप के शेयरों में 8 फीसदी तक गिरावट देखने को मिली। इससे ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी की नेटवर्थ में 9.5 अरब डॉलर यानी करीब 9,01,79,22,50,000 रुपये की गिरावट आई। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर इंडेक्स के मुताबिक उनकी नेटवर्थ अब 103 अरब डॉलर रह गई है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 18.6 अरब डॉलर की तेजी आई है। इस गिरावट के बावजूद अडानी एशिया के अमीरों की लिस्ट में पहले नंबर पर बने हुए हैं जबकि दुनिया की रईसी की सूची में वह 19वें नंबर पर हैं। सोमवार को ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज का प्रदर्शन सबसे खराब रहा। कंपनी के शेयरों में लगभग 8 प्रतिशत गिरावट आई। इसी तरह अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस में 7.4 प्रतिशत, अडानी ग्रीन एनर्जी लगभग 7 प्रतिशत और अडानी पावर में 6.5 प्रतिशत गिरावट आई। दूसरे शेयरों में भी

बिकवाली का असर दिखा। अडानी पोर्ट्स के शेयर 4.11 प्रतिशत गिरकर बंद हुए जबकि अडानी टोटल गैस के शेयर 2.5 प्रतिशत फिसल गए। ग्रुप की सीमेंट कंपनियों के शेयरों में भी गिरावट देखी गई। अंबुजा सीमेंट्स के शेयरों में 2.5 प्रतिशत और ष्टष्ट के शेयरों में 2.2 प्रतिशत गिरावट आई। इसी तरह एनडीटीवी का शेयर भी 2.2 फीसदी गिरावट के साथ बंद हुआ। इस बीच देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में सोमवार को 32.2 करोड़ डॉलर की गिरावट आई। वह 84.9 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 23वें और एशिया में तीसरे नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 22.8 अरब डॉलर की गिरावट आई है।

बिटकॉइन 78,000 डॉलर के ऊपर स्थिर, ईथर-सोलाना समेत बड़े कॉइन फिसले

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिप्टोकरेंसी बाजार में मंगलवार को बिटकॉइनकरीब 78,500 डॉलर के स्तर पर कारोबार करता दिखा, जबकि ज्यादातर क्रिप्टोकरेंसी में गिरावट देखने को मिली। एशियाई कारोबार के दौरान बिटकॉइनपिछले 24 घंटों में लगभग 77,200 से 79,200 डॉलर के दायरे में कारोबार करता रहा। अगस्त में बिटकॉइन ने करीब 24 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की, जो नवंबर 2024 के बाद उसका सबसे मजबूत मासिक प्रदर्शन रहा। इसी बीच, स्ट्रेटेजी ने पिछले सप्ताह करीब 37 करोड़ डॉलर के बिटकॉइन खरीदे। कंपनी ने लगभग दो महीने के

अंतराल के बाद दोबारा बिटकॉइनकी खरीदारी की है। प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी में एचवायपीइ सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाला कॉइन रहा। इसमें करीब 4 प्रतिशत की तेजी आई और यह लगभग 84 डॉलर पर पहुंच गया। दूसरी ओर, एथर करीब 1 प्रतिशत गिरकर 2,440 डॉलर से थोड़ा ऊपर रहा। सोलार भी लगभग 1 प्रतिशत फिसलकर 104 डॉलर के आसपास कारोबार कर रहा था। एक्सआरपी 1.40 डॉलर के ठीक नीचे और बीएनबी करीब 693 डॉलर पर रहा। क्रिप्टो बाजार के साथ कुछ प्रमुख एशियाई शेयर बाजारों में भी कमजोरी रही। हांगकांग का हैंग सेंग करीब 1 प्रतिशत गिरकर 25,300 के आसपास आ गया। टेनसेंट और मेइटुआन के शेयरों में करीब 3 प्रतिशत की गिरावट रही। 66,185 के स्तर पर आ गया, जबकि दक्षिण कोरिया के चश्व्याश्वद्ब में सेमीकंडक्टर शेयरों में सुधार के चलते मामूली तेजी देखने को मिली।

फूटे महंगाई के 6 बम, एलपीजी से सीएनजी और पीएनजी तक के बढ़ गए दाम, दूध भी महंगा

नईदिल्ली, एजेंसी। 1 सितंबर से देश में कई चीजों के दाम बढ़ गए हैं। इनमें एलपीजी से लेकर एलएनजी, पीएनजी और दूध तक शामिल हैं। वहीं कुछ कार कंपनियों ने भी कार की कीमत बढ़ा दी है। ऐसे में अब लोगों को कुछ ज्यादा खर्च करना होगा जिससे उनका बजट गड़बड़ा सकता है। हालांकि कुछ चीजों का असर कुछ राज्यों में ही दिखाई देगा। जानें आज 1 सितंबर ने किन-किन चीजों के दाम में बढ़ोतरी हुई है। कमर्शियल एलपीजी के दाम में बढ़ोतरी हो गई है। सरकारी ऑयल कंपनियों आईओसी, एचपीसीएल, बीपीसीएल 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर की कीमत बढ़ा दी है। दिल्ली में इसके दाम में 9.50 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। ऐसे में दिल्ली में अब कमर्शियल सिलेंडर की कीमत 2747.50 रुपये, मुंबई में 2701 रुपये और चेन्नई में 2916.50 रुपये हो गई है। कमर्शियल सिलेंडर के महंगे होने से होटल, ढाबे आदि में खाना-पीना महंगा हो सकता है। वहीं घर मिलने वाली चीजों के दाम में भी बढ़ोतरी हो सकती है। इसके अलावा 5 किलो वाले गैस सिलेंडर का भी दाम 2 रुपये बढ़कर 764 रुपये हो गया है।

मुंबई में सीएनजी और पीएनजी दाम बढ़े

मुंबई में सीएनजी और पीएनजी की सप्लाई करने वाली कंपनी महानगर गैस लिमिटेड ने दोनों गैसों के दाम बढ़ा दिए हैं। सीएनजी के दाम में 2 रुपये प्रति किलो और पीएनजी के दाम में 1 रुपया प्रति की बढ़ोतरी की है। पीएनजी का रेट 53 रुपये प्रति एससीएम हो गया है। सीएनजी के महंगे होने से लोगों का सफर महंगा हो सकता है। वहीं पीएनजी के महंगे होने से इसका असर घर के बजट पर दिखाई देगा।

मुंबई और तमिलनाडु में दूध हुआ महंगा

मुंबई और तमिलनाडु में दूध महंगा हो गया है। बॉम्बे मिल्क प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन ने थोक दूध की कीमतों में 9 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। इससे दूध की थोक दर 93 रुपये से बढ़कर 102 रुपये प्रति लीटर हो गई है। वहीं तमिलनाडु सरकार ने आविन दूध का खरीद मूल्य 3 रुपये प्रति लीटर बढ़ा दिया गया है। इस बढ़ोतरी के बाद इसकी कीमत 41 रुपये से बढ़कर 44 रुपये प्रति लीटर हो गई है।

कारें भी हुईं महंगी

आज से कुछ कंपनियों ने अपनी कारों की कीमत बढ़ा दी है। इसमें टाटा और हुंडई शामिल हैं। टाटा मोटर्स ने अपने सभी मॉडल की कारों और वेरिएंट की कीमतें 25 हजार रुपये तक बढ़ा दी हैं। वहीं हुंडई मोटर इंडिया ने भी कीमतों में 1 प्रतिशत तक का इजाफा किया है। ऐसे में वे लोग जो टाटा या हुंडई की कार खरीदना चाहते हैं, उन्हें अब ज्यादा पैसे खर्च करने होंगे। 1 सितंबर से हवाई जहाज में इस्तेमाल होने वाला एविएशन टर्बाइन फ्यूल भी महंगा हो गया है। घरेलू उड़ानों के लिए जेट फ्यूल में 6.28 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हुई है। अब यह 115 रुपये प्रति लीटर से बढ़कर 121.28 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

खराब क्रेडिट स्कोर के चक्कर में अटक गया लोन, स्मार्ट तरीकों से सिबिल को करें बेहतर

वेतन से इतना कम रखें मासिक ईएमआई

नई दिल्ली, एजेंसी। जब भी आप किसी बैंक से कोई लोन लेते हैं या फिर किसी स्टोर पर जाकर किसी सामान को फाइनेंस कराते हैं, तो उस समय संबंधित संस्था या बैंक के द्वारा सबसे पहले आपका क्रेडिट स्कोर देखा जाता है। लोन की प्रक्रिया के लिए क्रेडिट या सिबिल स्कोर काफी अहम हो जाता है। सिबिल संस्था द्वारा क्रेडिट स्कोर को निर्धारित किया जाता है। इसके अनुसार, 300 से 900 के बीच यह स्कोर रहता है। 750 या उससे अधिक के क्रेडिट स्कोर को अच्छा माना जाता है।

मतलब कि इसपर आपको आसानी से लोन मिल जाता है। लेकिन, अगर आपका क्रेडिट स्कोर कम है तो आपको लोन मिलने में काफी दिक्कत हो सकती है। हो सकता है कि आपका लोन अटक जाए और कोई महत्वपूर्ण कार्य न हो पाए। इसलिए यह जरूरी है कि आप अपने क्रेडिट स्कोर को हमेशा अच्छा रखे। यह बताता है कि आपने पिछला भुगतान कैसे और कब किया था। जब भी कोई इसे चेक करता है तो यह आपके क्रेडिट स्कोर के इतिहास को दिखाता है। अगर आपका यह स्कोर सही है तो अच्छी बात है, लेकिन अगर खराब है तो इससे चिंता करने की बात नहीं है बल्कि आप इसे कुछ बातों का ध्यान देकर आसानी से सुधार सकते हैं। इसे सुधारने की पहली प्रक्रिया है कि सही समय पर अपना भुगतान कर दें। अगर आपके क्रेडिट कार्ड का कोई भुगतान बकाया है तो उसे बिना ड्यू डेट के इंतजार किए या बिना किसी लेट फाइन के समय पर पेमेंट कर दें। आप इसे हमेशा के लिए अपनी एक अच्छी आदत बना लें। कई बार ऐसा देखा जाता है कि लोग किसी भी सामान को ईएमआई पर तो लेते हैं लेकिन वेतन कम या पैसों की व्यवस्था नहीं होने पर उनकी ईएमआई के पेमेंट में दिक्कतें आने लगती हैं। एक्सपर्ट्स बताते हैं कि अपनी मौजूदा ईएमआई को अपनी सैलरी के 30 फीसदी से कम रखें। अपनी ईएमआई को इसी के दायरे में रखें ताकि आने वाले समय में आपको वित्तीय जोखिम ना उठाना पड़े। इससे आपका क्रेडिट स्कोर भी अच्छा बना रहता है। क्षेत्र के दिग्गज जानकार बताते हैं कि क्रेडिट कार्ड के अत्यधिक इस्तेमाल से बचना चाहिए। इसके यूज को अपने नियंत्रण में रखें। कभी-कभी ऐसा होता है कि बिन जरूरी के भी मन कर देता है कि क्रेडिट कार्ड का यहां भी यूज कर लेना चाहिए, ऐसे में आपको सावधानी बरतनी चाहिए। इससे आपका क्रेडिट कार्ड का बैलेंस कम के साथ हमेशा बना रहता है। जानकार कहते हैं कि अपने बैलेंस को कम बनाए रखें और जब तक कोई अधिक जरूरत ना हो तब तक आप अतिरिक्त क्रेडिट कार्ड के लिए आवेदन करने से बचें। आप अपने पास बिना किसी जरूरत से ज्यादा क्रेडिट कार्ड ना रखें। इसके बजाय जरूरत पड़ने पर पुराने वाले कार्ड का ही इस्तेमाल करें और उसका पेमेंट समय पर कर दें। इससे क्रेडिट स्कोर को बेहतर करने में मदद मिलती है।

सोना नहीं खरीदें की पीएम मोदी की रील का असर, टाइटन से कल्याण ज्वेलर्स तक लुढ़के

नईदिल्ली, एजेंसी। अभी कुछ महीने बाद शादियों के सीजन शुरू होने वाले हैं। दशहरा, धनतेरस और दिवाली जैसे बड़े त्योहारों से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को इंस्टाग्राम पर एक रील पोस्ट करके देशवासियों से फिर से अपील की कि जब तक बहुत जरूरी न हो, सोना न खरीदें। उन्होंने कहा, 'अगर जरूरत नहीं है, तो सोना भी नहीं खरीदना चाहिए। जितना हम स्वदेशी और आत्मनिर्भरता पर जोर देंगे, मुझे पूरा विश्वास है कि जब भारत आजादी के 100 साल पूरे करेगा, तो हम अपनी युवा पीढ़ी को एक विकसित भारत देंगे।' यह साल की दूसरी बार है जब पीएम मोदी ने यह अपील की है। इससे पहले मई में भी उन्होंने एक साल के लिए सोना न खरीदने की सलाह दी थी। भारत अपनी जरूरत का ज्यादातर सोना आयात करता है। सोने का आयात डॉलर में करना पड़ता है, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ता है। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का सोना आयात रिकॉर्ड 71.98 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले साल से 24 प्रतिशत ज्यादा है। पीएम मोदी की यह अपील अनावश्यक सोने की खरीदारी कम करके विदेशी मुद्रा भंडार की रक्षा करने के उद्देश्य से है।

22,000 करोड़ का दावा और 6.5 करोड़ की रिकवरी!

नई दिल्ली, एजेंसी। मीडिया दिग्गज और एस्सेल ग्रुप के चेयरमैन सुभाष चंद्रा की पर्सनल गारंटी के मामले में एक नया मोड़ सामने आया है। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल के प्रेसिडेंट जस्टिस अनुपिंदर सिंह ग्रेवाल ने अपनी अध्यक्षता में पांच सदस्यों

वाली एक बेंच का गठन किया है। यह बेंच सुभाष चंद्रा के खिलाफ इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनेंस की इनसॉल्वेंसी याचिका पर सुनवाई करेगी। यह मामला सुभाष चंद्रा की पर्सनल गारंटी से जुड़ा है जो उन्होंने बैंकों को दी थी।

बेंच आज यानी मंगलवार को इस मामले की सुनवाई करेगी। साथ ही आज ही नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करेगा। एनसीएलटी ने सुभाष चंद्रा के पर्सनल इनसॉल्वेंसी रिजॉल्यूशन प्रोसेस के तहत लगभग 22,007 करोड़ रुपये के दावों के बदले 6.5 करोड़ रुपये के भुगतान को मंजूरी दी थी।

अलग-अलग राय

हालांकि, अशोक कुमार भारद्वाज और रीना सिन्हा पुरी की डिवीजन बेंच ने सोमवार को कहा कि ट्रिब्यूनल के तीसरे सदस्य की अलग राय के बाद मामले पर फिर से विचार करने के बावजूद कोई बहुमत वाली राय नहीं बन पाई और उन्होंने इसे वापस प्रेसिडेंट को भेज दिया गया। बेंच ने कहा, 'जहां टेक्निकल मेंबर ने प्लान को खारिज कर दिया, वहीं ज्यूडिशियल मेंबर ने प्लान को सिर्फ उन लोगों तक सीमित रखा जिन्होंने इसे स्वीकार और मंजूर किया था और असहमति जताने वाले लेनदारों को अपना कर्ज वसूलने की छूट दी। उन्होंने मुख्य देनदार, देनदार, पर्सनल गारंटर के मामले में बैंकों, वित्तीय संस्थानों और असहमति जताने वाले लेनदारों के दावों को खत्म नहीं किया।

तत्काल सुनवाई की मांग

सोमवार को हाउसिंग फाइनेंस की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने की बेंच के सामने यह मामला उठाया और दिन के दूसरे हिस्से में तत्काल सुनवाई की मांग की। मेहता केनरा बैंक और यूनियन बैंक का भी प्रतिनिधित्व कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अगर इस आदेश को जारी रहने दिया गया, तो यह इन्सॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड के मूल उद्देश्य को ही खत्म कर देगा। दो सदस्यों अशोक कुमार भारद्वाज (ज्यूडिशियल मेंबर) और रीना सिन्हा पुरी (टेक्निकल मेंबर) की अलग-अलग राय थी। इसके बाद प्रेसिडेंट ने तीसरे मेंबर के रूप में ज्यूडिशियल मेंबर नीलेश शर्मा की नियुक्ति की थी।

भारत की 7.8 प्रतिशत जीडीपी ग्रोथ से पीएम मोदी गदगद, 'झूठ की गूंज' फैलाने वालों पर साधा निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की 7.8 प्रतिशत जीडीपी ग्रोथ को लेकर खुशी जताई है। उन्होंने इसे भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती और लोगों के सामूहिक प्रयास का नतीजा बताया। पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया में युद्ध, संकट और सप्लाई चेन में रुकावट के बावजूद भारत तेज गति से आगे बढ़ रहा है। पीएम मोदी ने सोमवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक वीडियो पोस्ट किया। इसमें उन्होंने मैसेज दिया, '7.8 प्रतिशत ग्रोथ। मजबूत आंकड़े, उससे भी मजबूत भरोसा।' उन्होंने इस प्रदर्शन को देश की सामूहिक जिम्मेदारी और ताकत का प्रदर्शन बताया। पीएम मोदी ने कहा कि इस समय दुनिया कई चुनौतियों से जूझ रही है। अलग-अलग हिस्सों से युद्ध की खबरें आ रही हैं और वैश्विक सप्लाई चेन बुरी तरह प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के दौर यानी 2020 के बाद से दुनिया में स्थिरता लगातार चुनौती बनी हुई है। उन्होंने कहा कि इन सभी चुनौतियों के बावजूद भारत तेज गति से आगे बढ़ रहा है। पीएम मोदी ने इस उपलब्धि का श्रेय देश के लोगों के संकल्प और मेहनत को दिया। पीएम मोदी ने जीडीपी के आंकड़ों को लेकर देश के भीतर निराशावादी माहौल बनाने वालों पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कुछ लोग निराशा में डूबे हुए हैं और लगातार 'झूठ की गूंज' और निराशा फैलाने में लगे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि 7.8 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि ने ऐसे लोगों के नकारात्मक नैरेटिव को जवाब दिया है। उन्होंने देशवासियों से इसी गति को बनाए रखने और आगे बढ़ते रहने की अपील की। आरबीआई के अनुमान से बेहतर रहा जीडीपी ग्रोथ भारत की अर्थव्यवस्था ने अप्रैल-जून 2026 तिमाही में 7.8 प्रतिशत की दर से वृद्धि की। यह ग्रोथ भारतीय रिजर्व बैंक के 7 प्रतिशत के

अनुमान से अधिक रही। हालांकि, पिछली तिमाही में दर्ज 8.6 प्रतिशत की वृद्धि के मुकाबले इसमें कमी आई है। वहीं, एक साल पहले की समान तिमाही में ग्रोथ 6.9 प्रतिशत रही थी। इस प्रदर्शन के साथ भारत दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना हुआ है।

78000 के नीचे बंद हुआ सेंसेक्स, निफ्टी 24 अंक लुढ़का, मारुति के शेयरों का बुरा हाल

मुंबई, एजेंसी। आज सेंसेक्स में आईटीसी, एचसीएल के शेयरों में 3-3 प्रतिशत से अधिक की उछाल देखने को मिली है। इंफोसिस, भारती एयरटेल, रिलायंस, अडानी पोर्ट्स, टेक महिंद्रा के शेयरों में भी तेजी दर्ज की गई है। दूसरी तरफ मारुति के शेयरों का दाम 4 प्रतिशत लुढ़क चुका है। वहीं, एसबीआई, इंडिगो, बजाज फिनसर्व के शेयरों का दाम 2 प्रतिशत से अधिक टूटने के बाद बंद हुआ है।

सेंसेक्स अब तेजी का दोहरा शतक लगाकर 206 अंकों की उछाल के साथ 77164 पर पहुंच गया है। निफ्टी 20 अंक ऊपर 24100 के लेवल पर है। सेंसेक्स की ड्राइविंग सीट पर अब एचसीएल टेक है। यह 4.37 प्रतिशत ऊपर 1366.25 रुपये पर ट्रेड कर रहा है।

इनके अलावा कोटक बैंक, इन्फोसिस और भारती एयरटेल 2 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ सेंसेक्स टॉप गेनर की लिस्ट में पहुंच गए हैं। गिरने वाले शेयरों में मारुति (3.66 प्रतिशत), इंडिगो (1.97 प्रतिशत), बजाज फिनसर्व (1.94 प्रतिशत) और स्टेट बैंक (1.88 प्रतिशत) प्रमुख हैं। कमजोर शुरुआत के बाद शेयर मार्केट में अब हरियाली लौट रही हैं। बीएसई सेंसेक्स तेजी का शतक लगाकर 166 अंक ऊपर 77123 पर पहुंच गया है। सेंसेक्स में 3 प्रतिशत से अधिक उछलकर 264 रुपये पर पहुंच गया है। यह इंडेक्स टॉप गेनर है। एचसीएल टेक में 2.51, टाटा स्टील में 2.20 प्रतिशत की तेजी है। कोटक बैंक, भारती एयरटेल, इन्फोसिस, रिलायंस इंडस्ट्रीज में भी शानदार बढ़त है। सितंबर के पहले कारोबारी दिन शेयर मार्केट की शुरुआत सुस्त रही। बीएसई का 30 स्टॉक्स वाला बेंचमार्क इंडेक्स

सेंसेक्स 36 अंक ऊपर 76994 खुला। जबकि, एनएसई का 50 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक निफ्टी 2 अंक नीचे 24077 के लेवल पर खुला।

भारतीय शेयर बाजार बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी 50, मंगलवार, 1 सितंबर को लाल रंग में खुलने के आसार हैं। एशियाई बाजारों ने मंगलवार को बड़े पैमाने पर गिरावट का कारोबार किया, जबकि अमेरिकी शेयर वायदा सोमवार को कमजोर रहा। इससे पहले सोमवार को 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 307 अंक गिरकर 76,957 बंद हुआ। एनएसई निफ्टी भी लाल निशान में 95 अंक या 0.39 प्रतिशत गिरकर 24,080 बंद हुआ।

एशियाई बाजार- एशियाई बाजारों में मंगलवार को गिरावट रही। जापान के निक्केई 225 में 0.91 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि टॉपिक्स इंडेक्स काफी हद तक अपरिवर्तित रहा। दक्षिण कोरिया के कोस्पी और स्मॉल-कैप कोस्डैक दोनों शुरुआती कारोबार में 1 प्रतिशत से अधिक गिर गए। इस बीच, ऑस्ट्रेलिया का बेंचमार्क एसएंडपी/एएसएक्स 200 भी 0.36 प्रतिशत फिसल गया।

गिफ्ट निफ्टी टुडे- गिफ्ट निफ्टी 24,212 के स्तर के आसपास कारोबार कर रहा था, जो निफ्टी फ्यूचर्स के पिछले बंद होने से लगभग 33 अंक नीचे था। यह भारतीय शेयर बाजार सूचकांकों के लिए नकारात्मक शुरुआत का संकेत देता है।

अमेरिकी शेयर बाजार- वॉल स्ट्रीट के पिछले सत्र में कम बंद होने के बाद सोमवार रात को वॉल स्ट्रीट स्टॉक फ्यूचर्स काफी हद तक म्यूट थे, हालांकि प्रमुख अमेरिकी सूचकांक अभी भी मासिक लाभ के साथ अगस्त में समाप्त हुए। डॉऊ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज फ्यूचर्स 48 पॉइंट बढ़ गए, जबकि एसएंडपी 500 फ्यूचर्स में 0.1 प्रतिशत से कम की वृद्धि हुई।

सितंबर में 14 दिन बंद रहेंगी बैंक शाखाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आपको सितंबर में चेक क्लियरेंस, बैंक ड्राफ्ट, केवायसी अपडेट या किसी अन्य जरूरी काम के लिए बैंक शाखा जाना है, तो घर से निकलने से पहले बैंक हॉलिडे कैलेंडर जरूर देख लें। सितंबर 2026 में अलग-अलग राज्यों में त्योहारों, स्थानीय आयोजनों और साप्ताहिक अवकाश के चलते बैंक शाखाएं कई दिनों तक बंद रहेंगी। हालांकि, सभी राज्यों में बैंक 14 दिन बंद नहीं रहेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक की छुट्टियों की सूची के मुताबिक कुछ अवकाश क्षेत्रीय हैं यानी किसी खास त्योहार या स्थानीय अवसर पर एक राज्य में बैंक बंद हो सकते हैं, जबकि दूसरे राज्य में शाखाएं सामान्य रूप से खुली रहेंगी।

4 सितंबर, शुक्रवारः जन्माष्टमी/कृष्ण जयंती के अवसर पर अहमदाबाद, आइजोल, भुवनेश्वर, चेन्नई, हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, कोलकाता, लखनऊ, पटना, रायपुर, रांची, शिलांग, शिमला, तिरुवनंतपुरम और विजयवाड़ा में बैंक बंद रहेंगे। 11 सितंबर, शुक्रवारः नगर निगम चुनाव के कारण जयपुर में बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। महीने का दूसरा शनिवार होने के कारण पूरे देश में बैंक बंद रहेंगे।

डीडीसी ने की स्वच्छ भारत मिशन के कार्यों की समीक्षा

दिसंबर तक शत-प्रतिशत गांवों को ओडीएफ प्लस की फाइव स्टार श्रेणी में लाने का लक्ष्य

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। समाहरणालय स्थित उप विकास आयुक्त कार्यालय कक्ष में आज स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के कार्यों की प्रगति की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उप विकास आयुक्त सह नोडल पदाधिकारी, स्वच्छ भारत मिशन अरविंद कुमार लाल ने की।
बैठक के दौरान पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, पाकुड़ के कार्यपालक अभियंता अनंत प्रसाद सिंह ने स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज-2 के तहत जिले में संचालित विभिन्न कार्यों की प्रगति की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लक्ष्य के अनुरूप ग्राम स्तर पर ठोस एवं तरल कचरा प्रबंधन को सुदृढ़ करने के लिए नाडेप, कंपोस्ट पिट, सोक पिट, सामुदायिक शौचालय सहित विभिन्न सामुदायिक संरचनाओं का निर्माण कराया जा रहा है। साथ ही, प्रत्येक पंचायत में प्लास्टिक कचरा प्रबंधन के लिए प्लास्टिक पृथक्करण शेड का निर्माण किया जाना है। जिले में अब तक 7 प्लास्टिक पृथक्करण शेड का निर्माण पूर्ण हो चुका है, जबकि 13 पंचायतों में कार्य प्रगति पर है। शेष पंचायतों में निर्माण हेतु स्थल चयन की प्रक्रिया जारी है।
समीक्षा के क्रम में उप विकास आयुक्त अरविंद कुमार लाल ने कहा कि वर्ष 2026 स्वच्छ भारत मिशन फेज-2 का अंतिम वर्ष है। ऐसे में जिले के सभी गांवों को निर्धारित मानकों के अनुरूप दिसंबर 2026 तक शत-प्रतिशत ओडीएफ प्लस की फाइव स्टार श्रेणी में घोषित कराने के लक्ष्य को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाना है। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को एक्शन प्लान मोड में कार्य करते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर लक्ष्य की प्राप्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल संरचनाओं के निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि इनका नियमित संचालन, रख-रखाव एवं प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। एसबीएम फेज-2 के तहत ग्राम स्तर पर निर्मित सामुदायिक संरचनाओं एवं क्रय की गई परिसंपत्तियों का नियमित संचालन एवं रख-रखाव तथा स्वच्छता सेवाओं को निरंतर बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। डीडीसी ने ग्राम स्तर पर स्वच्छता सेवाओं को जन-जन तक प्रभावी रूप से पहुंचाने के लिए पंचायत स्तर पर ग्राम जल एवं स्वच्छता समितियों के क्षमता वर्धन प्रशिक्षण को आवश्यक बताया। उन्होंने जिला समन्वयकों एवं जेई को निर्देश दिया कि कार्ययोजना तैयार कर यथाशीघ्र पंचायत स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना सुनिश्चित करें, ताकि ग्राम जल एवं स्वच्छता समितियां अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर सकें। बैठक में स्वच्छता कार्यों की नियमित निगरानी, सामुदायिक परिसंपत्तियों के बेहतर उपयोग, ठोस एवं तरल कचरा प्रबंधन को प्रभावी बनाने तथा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्यों में तेजी लाने को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। मौके पर जिला समन्वयक सुमन कुमार मिश्रा, रितेश कुमार एवं इमरान आलम, सहायक अभियंता अभिजीत किशोर एवं प्रमोद कुमार हरिजन तथा कनीय अभियंता अभिषेक कुमार, देवेंद्र किस्कू एवं सोनू सरगम सहित संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

बुनियादी समस्याओं से जूझ रहे लोग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गुमला। झारखंड के गुमला जिले की यह तस्वीर अबुआ सरकार के अबुआ राज और जिला प्रशासन के विकास के दावे की पोल खोलने के लिए यह वाकया काफी है। गुमला जिले के तस्वीर रायडीह प्रखंड के कोब्जा पंचायत के बेंदवाकोना गांव की है, जहां सड़क नहीं होने के कारण गर्भवती महिला को गेंडुआ भार में ढोकर करीब दो किमी पैदल मेन रोड तक ले जाना पड़ो गेंडुआ भार में ले जायी जा रही महिला गणेश सिंह की पत्नी बृंदावती देवी (24) हैं। सड़क नहीं होने के कारण गांव तक एंबुलेंस नहीं पहुंच पाती है ऐसे में परिवार के लोग बृंदावती देवी को गेंडुआ भार में ढोकर करीब दो किमी पैदल मेन रोड तक पहुंचे, इसके बाद वाहन किराये पर लेकर उन्हें सदर अस्पताल गुमला ले जाया गयो राज्य सरकार और जिला प्रशासन विकास का लाख दावा क्र ले परंतु जमीनी स्तर पर आज भी आम नागरिकों को मूलभूत सुविधा मयस्सर नहीं हो सका है यह तस्वीर इस आधुनिकता वाले युग में सरकार और जिला प्रशासन के लिए शर्मसार करनेवाली है, साथ ही मानवाधिकार हनन का भी मामला है।

अब वाटर मेट्रो की तैयारी में जुटी सरकार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड में वाटर टूरिज्म यानी जलस्रोतों पर पर्यटन की बड़ी संभावना है। केरलम के कोच्चि वाटर मेट्रो परियोजना के तकनीकी निदेशक और मुख्य महाप्रबंधक शाजी जनार्दन ने बताया कि केरल सरकार की वाटर मेट्रो परियोजना समुद्र के आसपास बने बैक वाटर पर संचालित होती है। लेकिन झारखंड जैसे राज्य में जहां पतरातू, तिलैया और चांडिल जैसे बड़े डैम हैं वहां भी उनकी संभावना है। इसके अलावा साहिबगंज राजमहल के बीच परिवहन के लिए भी यह उपयोगी है। शाजी जनार्दन ने बताया कि झारखंड के पड़ोसी राज्य बिहार और ओडिशा से कोच्चि वाटर मेट्रो को संपर्क किया गया है। झारखंड में इको टूरिज्म के लिए यह एक पहचान हो सकती है। झारखंड के हर हिस्से में बड़े डैम हैं। ऐसे ही जल स्रोतों पर कोच्चि वाटर मेट्रो पर्यटकों को रोमांच के साथ परिवहन का नया अनुभव करा रहा है।
कोच्चि की तरह ही झारखंड में चलने वाला वाटर मेट्रो हाईब्रिड यानी बैटरी और डीजल दोनों से मिलकर चल सकता है। राज्य में साल भर धूप की अच्छी स्थिति रहती है। ऐसे में सोलर आधारित वाटर मेट्रो की संभावनाएं अच्छी हैं।
तकनीकी निदेशक और मुख्य महाप्रबंधक शाजी जनार्दन ने बताया कि उनकी टीम भारत के अलावा वियतनाम, सऊदी अरब, ओमान में भी पर्यटन और परिवहन के लिए वाटर मेट्रो परियोजना में सलाह दे रही है। वाटर मेट्रो राज्य की जैव विविधता को बगैर कोई नुकसान पहुंचाए परिवहन का विकल्प देता है।
वाटर मेट्रो की सबसे बड़ी खासियत इसका सस्ता होना है। कोच्चि मेट्रो परियोजना की वित्त निदेशक रंजिनी.आर ने बताया कि इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित कर उसे वाटर मेट्रो के अलावा दूसरे काम में भी लाया जा सकता है।
झारखंड पर्यटन के लिए देश भर में अपनी पहचान बना रहा है। बड़ी कंपनियों की ब्रांडिंग से भी वाटर मेट्रो के आमदनी हो सकती है। कोच्चि में बीस किलोमीटर की दूरी तय करने के लिए अधिकतम 40 रुपए लगते हैं। पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के जरिए इसे और भी कम किया जा सकता है।

एसडीएम के औचक निरीक्षण से हड़कम्प

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। जगदीशपुर के नवपदस्थापित एसडीएम ओम प्रकाश लाल ने मंगलवार को बिहिया स्थित विभिन्न सरकारी कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। एसडीएम की इस आकस्मिक दस्तक ने स्थानीय प्रशासनिक महकमे में खलबली मचा दी। एसडीएम ने कार्यालयों में उपस्थिति पंजी से लेकर विकास कार्यों और सफाई व्यवस्था तक की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।
निरीक्षण की शुरूआत बिहिया प्रखंड सह अंचल कार्यालय से हुई। एसडीएम ने यहां उपस्थिति पंजी समेत अन्य अभिलेखों की जांच की और विभिन्न कार्यों की प्रगति के संबंध में अधिकारियों से जानकारी ली। इसके बाद वे नगर पंचायत कार्यालय पहुंचे। वहां की सफाई व्यवस्था का जायजा लेने के दौरान उन्होंने गहरा असंतोष जताया और व्यवस्था में सुधार के लिए संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए।

डोर टू डोर विशेष अभियान के तहत लोगों को किया गया जागरूक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के तत्वाधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ दिवाकर पांडेय के निर्देश पर डालसा सचिव रूपा बंदना किरो के मार्गदर्शन में आज पाकुड़ के आदर्शनगर, पीरतल्ला समेत आस पास के क्षेत्रों में डोर टू डोर विधिक जागरूकता अभियान चलाया गया। उक्त कार्यक्रम में पैरा लीगल वॉलिंटियर्स कमला राय गांगुली ने लोगों को घर घर पहुंच कर जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ से मिलने वाले निःशुल्क कानूनी सहायता के बारे में बताया। साथ ही बाल विवाह के दुष्प्रभाव पर जानकारी दी।
इस दौरान जादू टोना, घरेलू हिंसा, दहेज प्रथा के कुरीतियों के खिलाफ जागरूक किया। नालसा के टॉल फ्री नंबर 15100 पर कानूनी सहायता अथवा जानकारी के लिए संपर्क करने को कहा गया। आज से एक सप्ताह तक डोर टू डोर कार्यक्रम का अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज के गरीब, वंचित और जरूरतमंद लोगों को उनके घरों पर ही मुफ्त कानूनी सहायता और सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी के साथ लाभ दिलाना है।

अधूरा निर्माण छोड़ राशि की निकासी का आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नगरनौसा(नालंदा)। प्रखंड के काछियावां गांव में सरकारी राशि से कराए जा रहे नाला निर्माण कार्य में कथित तौर पर अनियमितता का मामला सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि योजना का कार्य आधा-अधूरा छोड़ दिया गया, निर्माण की गुणवत्ता भी बेहद खराब रही और योजना पूर्ण हुए बिना ही पंचायत सचिव द्वारा राशि की निकासी कर ली गई। मामला लोक शिकायत में पहुंचने के बाद अब पूरे प्रकरण को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं।ग्रामीणों के अनुसार सरयुग प्रसाद के खड़ से रामप्रवेश बिंद के खड़ तक नाला निर्माण के साथ नाला पर ढक्कन का निर्माण किया जाना था। लेकिन कार्य पूरा होने से पहले ही निर्माण बंद कर दिया गया। आधे-अधूरे और घटिया निर्माण के कारण नाला वर्तमान में बदहाल स्थिति में है।बरसात के दिनों में नाला का पानी समुचित तरीके से बाहर नहीं निकल पाता है और आसपास के क्षेत्रों में फैल जाता है। इससे सड़क व रास्तों पर जलजमाव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी के साथ-साथ गंदगी और जलजमाव की समस्या से भी जूझना पड़ता है।

योजना पूरी किए बिना राशि निकासी पर सवाल- सबसे गंभीर सवाल यह है कि जब योजना का निर्माण कार्य अधूरा है और मौके पर कार्य की स्थिति स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है, तो फिर सरकारी राशि की निकासी किस आधार पर की गई? ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि योजना को पूर्ण किए बिना राशि की निकासी कर सरकारी राशि के दुरुपयोग और बंदरबांट का रास्ता तैयार किया गया।ग्रामीणों ने मामले की स्थल जांच, योजना की मापी, अभिलेखों की जांच तथा निकाली गई राशि का भौतिक सत्यापन कराकर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

इन ग्रामीणों ने उठाई आवाज- मामले को लेकर आवेदन देने वालों में अमन पटेल, रौशन कुमार, शिवम कुमार, राहुल कुमार एवं देवशरण प्रसाद शामिल हैं। ग्रामीणों का कहना है कि सरकारी योजनाएं कागज पर पूरी दिखाकर राशि की निकासी करने के बजाय धरातल पर गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरी कराई जानी चाहिए, ताकि आम लोगों को उसका वास्तविक लाभ मिल सके।

ड्यूटी के दौरान तबियत बिगड़ने से जवान की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोडरमा। कोडरमा थर्मल पावर प्लांट की सुरक्षा में तैनात सीआईएसएफ के सब इंस्पेक्टर श्याम सिंह की ड्यूटी के दौरान बीती रात मौत हो गई। श्याम सिंह उत्तराखंड के रहने वाले थे और 1 साल पहले ही उनका पदस्थापन केटीपीएस की सीआईएसएफ इकाई में हुई थी और 2 साल बाद वे रीटायर्ड भी होने वाले थे। मिली जानकारी के अनुसार श्याम सिंह बीती रात भी ड्यूटी पर तैनात थे और रात के तकरीबन 12:30 बजे उन्हें ड्यूटी के दौरान बेचैनी महसूस होने लगी, जिसकी सूचना उन्होंने अपने सहकर्मियों को दी। इसके बाद एंबुलेंस की मदद से उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सको ने उन्हें मृत्यु घोषित कर दिया। इधर, इस घटना की सूचना श्याम सिंह के परिजनों को दे दी गई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है।

खरकई नदी खतरे के निशान से उपर

कई घरों में घुसा बाढ़ का पानी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमशेदपुर। लगातार हो रही बारिश और डैम का फाटक खोले जाने के बाद खरकई नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है। नदी खतरे के निशान से 3.08 मीटर ऊपर बह रही है।
इसका असर बागबेड़ा क्षेत्र के निचले इलाकों में दिखने लगा है। बागबेड़ा नया बस्ती के करीब 30 से 40 घरों में बाढ़ का पानी प्रवेश कर चुका है, जिससे लोगों में दहशत का माहौल है।
जलस्तर में इसी तरह बढ़ोतरी जारी रही तो आसपास के कई अन्य घरों में भी पानी घुसने की आशंका है। पानी बढ़ने के कारण स्थानीय लोगों के आवागमन में भी परेशानी हो रही है। बागबेड़ा महानगर विकास समिति के अध्यक्ष सह जिला भाजपा नेता सुबोध झा ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण कर स्थिति का जायजा लिया।
उन्होंने जिला प्रशासन से प्रभावित इलाकों पर तत्काल ध्यान देने और लोगों के बीच राहत सामग्री उपलब्ध कराने की मांग की।
सुबोध झा ने कहा कि यदि नदी का जलस्तर लगातार बढ़ता है तो निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की व्यवस्था प्रशासन को पहले से तैयार रखनी चाहिए, ताकि स्थिति गंभीर होने पर लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े।
नया बस्ती निवासी अनिल महतो, कौशल सिंह, ललन शर्मा, अवधेश कुमार, विमला देवी और चंदन कुमार समेत कई लोगों के घरों में पानी प्रवेश कर चुका है।
स्थानीय लोगों का कहना है कि पानी बढ़ने से घरों से निकलना और जरूरी काम के लिए आवाजाही करना मुश्किल हो गया है।
खरकई और स्वर्णरेखा नदियों के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए बागबेड़ा कॉलोनी, हरहरगुट्टू, कीताडीह, करनडीह, घाघीडीह, जुगसलाई के निचले इलाके, बागबेड़ा बस्ती और नदी किनारे बसी अन्य बस्तियों में भी खतरा बढ़ गया है। हालांकि, इन क्षेत्रों में पानी प्रवेश करेगा या नहीं, यह बारिश और स्थानीय जलस्तर पर निर्भर करेगा। उधर, स्वर्णरेखा नदी भी खतरे के निशान से 0.34 मीटर ऊपर बह रही है।
नदी के निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क किया गया है। प्रशासन ने लोगों से नदी और जलभराव वाले क्षेत्रों से दूरी बनाए रखने की अपील की है।

कैदियों को रोजगार से जोड़ेगी सरकार

रांची। झारखंड सरकार जेल में बंद कैदियों के लिए नई व्यवस्था लाने की तयारी कर रही है राज्य सरकार जेल में बंद कैदियों को रोजगार से जोड़ने के लिए यह व्यवस्था करने जा रही है इस व्यवस्था के तहत जेल में अच्छे आचरण वाले कैदियों को सुबह 6 बने से शाम तक बाहर काम करने की इजाजत दी जाएगी इस शर्त के साथ की शाम में कैदी को वापस जेल आना होगो झारखंड सरकार और जेल प्रशासन ने राज्य में जेल सुधारों के तहत एक नई व्यवस्था को लागू करने का फैसला लिया है इस नई व्यवस्था के तहत कैदियों को रोजगार से जोड़ा जाएगो कैदियों को आत्मनिर्भर बनाने और उनके परिवारों को आर्थिक सहायता देने की दिशा में यह कदम उठाने का झारखंड सरकार ने निर्णय लिया है।

उफनाई पुनपुन

मसौढ़ी। लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से पुनपुन नदी उफान पर है। नदी का जलस्तर खतरे के निशान से करीब दो मीटर ऊपर पहुंच गया है। खतरे का निशान 50.60 मीटर है, जबकि मंगलवार को नदी 52.14 मीटर के जलस्तर पर बह रही थी। जलस्तर में प्रति घंटे करीब 2.5 से 3 सेंटीमीटर की बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। जलस्तर बढ़ने से मसौढ़ी, धनरूआ, पुनपुन और नौबतपुर प्रखंड के तटवर्ती गांवों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। जिला प्रशासन ने अलर्ट जारी करते हुए लोगों को सतर्क रहने और जरूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है। सीओ और थाना प्रभारियों को लगातार जलस्तर की निगरानी का निर्देश दिया गया है। बाढ़ राहत शिविर, नाव, पॉलीथीन शीट, दवा और सूखा राशन की व्यवस्था के साथ कटाव निरोधी कार्यों की तैयारी तेज कर दी गई है। लाउडस्पीकर के माध्यम से ग्रामीणों को भी जागरूक किया जा रहा है। प्रशासन के अनुसार फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने और किसी भी आपात स्थिति में तत्काल प्रशासन को सूचना देने की अपील की गई है।

बस और 16 चक्का ट्रक की भीषण टक्कर, चालक समेत तीन घायल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। पाकुड़-दुमका मुख्य सड़क पर शहरकोल के पास सुबह यात्री बस और 16 चक्का ट्रक की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में बस चालक समेत तीन लोग घायल हो गए। सभी घायलों को सोनाजोड़ी सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।
जानकारी के अनुसार, अभिषेक नामक यात्री बस यात्रियों को लेकर पाकुड़ से दुमका जा रही थी। शहरकोल के पास विपरीत दिशा से हिरणपुर की ओर से आ रहे ट्रक से बस की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस का अगला केबिन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। चालक मुमताज अंसारी का दाहिना पैर टूट गया, जबकि केबिन में बैठे यात्री विद्युत मरांडी और महिला यात्री कविता कर भी घायल हो गईं।
हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल बस से घायलों को बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। सोनाजोड़ी सदर अस्पताल में तैनात चिकित्सक डॉ. दयानंद आर्या ने घायलों का इलाज किया। डॉक्टर के अनुसार, एक घायल की हालत गंभीर है।
बस चालक मुमताज अंसारी ने बताया कि वह अपनी लेन में जा रहे थे। सामने से आ रहे ट्रक से बचने के लिए उन्होंने बस को सड़क से नीचे उतार दिया, लेकिन इसके बावजूद टक्कर हो गई। उनका कहना है कि बस को सड़क से नीचे उतारने के कारण कई यात्रियों की जान बच गई।
सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर पुलिस लाइन भेज दिया। वहीं, ट्रक चालक मौके से फरार बताया जा रहा है। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है। स्थानीय लोगों ने सड़क पर बने गड्ढों और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी चिंता जताई है। लोगों ने संबंधित विभाग से सड़क की मरम्मत और दुर्घटना संभावित स्थानों पर सुरक्षा इंतजाम मजबूत करने की मांग की है।

एआईएमआईएम की बैठक में संगठन की मजबूती पर जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के पूर्व विधायक सह संथाल परगना प्रभारी जनाब अकिल अख्तर साहब के निर्देशानुसार एवं पूर्व प्रखंड अध्यक्ष जनाब रफीक अहमद जी के नेतृत्व में संग्रामपुर गांव के उत्तर टोला में बूथवार कार्यकर्ताओं के साथ महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई,बैठक का मुख्य उद्देश्य हर बूथ पर जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करना, सक्रिय कार्यकर्ताओं की टीम तैयार करना तथा आम जनता के बीच लगातार जनसंपर्क स्थापित करना रहा। कार्यकर्ताओं से अपील की गई कि वे अपने-अपने बूथों पर घर-घर संपर्क करें और जनता की समस्याओं एवं मुद्दों को समझकर उन्हें पार्टी के माध्यम से मजबूती से उठाएं।
बैठक को रफीक अहमद, मो. महाफिजुर रहमान, अहमदुल्लाह एवं प्रिंस मौलवी ने बारी-बारी से संबोधित किया।
वक्ताओं ने पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र की वर्तमान स्थिति एवं वर्तमान जनप्रतिनिधियों की कार्यशैली और जवाबदेही पर सवाल उठाते हुए कहा कि जनता को अपने प्रतिनिधियों से विकास और जनसमस्याओं के समाधान को लेकर जवाब मांगने का पूरा अधिकार है।वक्ताओं ने कार्यकर्ताओं से कहा कि बूथ स्तर पर जनता के बीच जाकर वर्तमान जनप्रतिनिधियों के कार्यों और उनकी कथित नाकामियों को तथ्यों के आधार पर जनता के सामने रखा जाए, ताकि लोग जागरूक होकर अपने अधिकारों और क्षेत्र के विकास के लिए सही राजनीतिक निर्णय ले सकें। इस अवसर पर जिला कार्यालय सचिव मोसाराफ हुसैन, मुजुन शेख, मोइनुद्दीन शेख, अताउर शेख, फारूक शेख, अली शेख, सफीकुल शेख, मारफुल शेख, अंजारुल शेख, रहमान शेख, रफीक विश्वास सहित दर्जनों सक्रिय कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भावुक हुए अनंत सिंह

पटना। बिहार के बाढ़ क्षेत्र में संदिग्ध जहरीली शराब के सेवन से चार लोगों की दर्दनाक मौत का मामला सामने आया है। इस दुखद घटना के सामने आने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। घटना की जानकारी मिलते ही मोकामा के विधायक अनंत सिंह शोकाकुल परिजनों को ढांढस बंधाने और उनका हाल-चाल जानने के लिए उनके घर पहुंचे। पीड़ित परिवारों से मुलाकात के दौरान माहौल बेहद गमगीन हो गया। परिजनों का दुख देखकर अनंत सिंह खुद पर काबू न रख सके और उनकी आंखें छलक पड़ीं। विधायक के पहुंचते ही परिजन फूट-फूटकर रोने लगे। परिजनों ने इलाके में खुलेआम शराब बिकने का आरोप लगाया और शराब में जहर मिलाकर हत्या की साजिश की आशंका जताई। विधायक ने हर संभव मदद का भरोसा दिया। अनंत सिंह पीड़ित परिजनों से संवेदना व्यक्त करते और उन्हें हर संभव मदद का भरोसा देते नजर आ रहे हैं। जहरीली शराब से हुई इन मौतों के बाद स्थानीय प्रशासन पर भी सवाल उठने लगे हैं, वहीं पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। बिहार के पटना जिले के बाढ़ थाना क्षेत्र में नशीला पदार्थ सेवन से चार युवकों की मौत हो गयी थी।

बोर्ड परीक्षा 2027 की तैयारी

सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। डिस्ट्रिक्ट सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, पाकुड़ में आगामी बोर्ड परीक्षा 2027 की बेहतर तैयारी को लेकर विशेष अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य राजू नंदन साहा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में कक्षा 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों के हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।
बैठक में बोर्ड परीक्षा की तैयारी के लिए कक्षा 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों के लिए विशेष रेमेडियल क्लासेज संचालित करने का निर्णय लिया गया। इन कक्षाओं का संचालन सुबह 8 बजे से अपराह्न 3:30 बजे तक किया जाएगा। विद्यार्थियों को उनके शैक्षणिक स्तर के आधार पर ग्रेड-ए और ग्रेड-बी में वगीर्कृत कर अलग-अलग कक्षाएं संचालित की जाएंगी। ग्रेड-बी में वैसे विद्यार्थियों को रखा जाएगा, जिन्हें विशेष मार्गदर्शन की आवश्यकता है।
बैठक में स्पष्ट किया गया कि आगामी बोर्ड परीक्षा के लिए एलओसी फॉर्म भरने हेतु विद्यालय में न्यूनतम 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य होगी। 75 प्रतिशत से कम उपस्थिति वाले विद्यार्थी परीक्षा फॉर्म भरने से वंचित हो सकते हैं। वहीं सितंबर माह में होने वाली एसआई-कपरीक्षा की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। विद्यालय प्रशासन ने सभी कार्य दिवसों में विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने पर जोर दिया।
संगोष्ठी में सैकड़ों अभिभावकों के साथ शिक्षक सुशील कुमार झा, कौशल कुमार झा, निर्मल ओझा, पूनम कुमारी, अंजन दास, साहिदुल इस्लाम, परितोष कुमार, राजीव दास और नसीम उज्जमा सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे। अभिभावकों और शिक्षकों ने विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर तथा बोर्ड परीक्षा की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की। विद्यालय प्रशासन ने बेहतर परीक्षा परिणाम के लिए हरसंभव प्रयास करने का आश्वासन दिया।

अल्काराज की 139 दिन बाद जीत से वापसी

यूएस ओपन के दूसरे राउंड में पहुंचे, सबालेंका भी जीतीं

यूएस (एजेंसी)। यूएस ओपन 2026 में डिफेंडिंग चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने 139 दिन बाद सिंगल्स कोर्ट पर जीत के साथ वापसी की। अल्काराज कलाई की चोट के कारण चार महीने से ज्यादा समय तक टेनिस से दूर थे। स्पेन के खिलाड़ी ने न्यूयॉर्क के आर्थर एश स्टेडियम में रूस के रोमन सफीउलिन को 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। वहीं, विमेंस सिंगल्स में दो बार की डिफेंडिंग चैंपियन आर्यना सबालेंका ने कैमिला ओसोरियो को 6-2, 6-4 से हराया। अल्काराज ने चोट के कारण इस दौरान फ्रेंच ओपन और विंबलडन में हिस्सा नहीं लिया था। मैच के दौरान वह दाहिने हाथ पर कम्प्रेशन स्लीव पहनकर खेले।

स्वियातेक और नोस्कोवा भी जीतीं

छठी ग्रैंड स्लैम चैंपियन इगा स्वियातेक ने चीन की वांग शियू को 6–2, 6–3 से हराकर शुरुआत की। विंबलडन चैंपियन लिंडा नोस्कोवा ने अमेरिका की केटी वोलीनेट्स को 7–5, 6–1 से हराया। वहीं, पिछले साल यूएस ओपन की रनर–अप अमांडा अनिसिमोवा ने अपने 25वें जन्मदिन पर एशलिन क्रूगर को 6–1, 6–3 से शिकस्त दी।

सबालेंका ने ओसोरियो को हराया

महिला सिंगल्स में दुनिया की नंबर–1 आर्यना सबालेंका ने कैमिला ओसोरियो को 6–2, 6–4 से हराया। इसके साथ ही उनका लगातार तीसरा यूएस ओपन खिताब जीतने का अभियान जारी रहा। वह ओपन एरा में लगातार तीन यूएस ओपन खिताब जीतने वाली तीसरी महिला बन सकती हैं। उनसे पहले सेरेना विलियम्स और क्रिस एवर्ट ऐसा कर चुकी हैं। पहला सेट आसानी से जीतने के बाद सबालेंका को दूसरे सेट में संघर्ष करना पड़ा। हालांकि 4–4 के स्कोर के बाद वापसी कर मैच अपने नाम कर लिया। अगले दौर में उनका सामना रूस की क्वालिफायर पोलिना यात्सेंको से होगा।

● **अल्काराज बोले– लय हासिल करने के लिए और मैच खेलने की जरूरत –** अल्काराज की वापसी जीत शानदार रही, लेकिन सर्विस में उन्हें संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने कहा कि चार महीने बाद वापसी में उन्हें मैच फिटनेस को लेकर थोड़ी चिंता थी। उन्हें यह भी संदेह था कि वह पांच सेट का मैच खेल पाएंगे या नहीं। जीत के बाद उन्होंने कहा कि उन्हें लय हासिल करने के लिए अभी और मैच खेलने की जरूरत है। कार्लोस अल्काराज 2004 से 2008 के बीच लगातार पांच बार खिताब जीतने वाले रोजर फेडरर के बाद यूएस ओपन पुरुष सिंगल्स का खिताब लगातार दूसरी बार जीतने वाले पहले खिलाड़ी बनने की कोशिश में हैं।

सूर्यवंशी दूसरी पारी में 40 रन बनाकर आउट

दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में ईस्ट जोन– 94/3, सेंट्रल जोन ने 159 रन का टारगेट दिया

नईदिल्ली (एजेंसी)। दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में ईस्ट जोन के उपकप्तान वैभव सूर्यवंशी दूसरी पारी में 40 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने सेंट्रल जोन के खिलाफ अपनी पारी में 3 चौके और 2 छक्के लगाए। सेंट्रल जोन की दूसरी पारी 158 रन पर सिमट गई। ईस्ट जोन को टेस्ट मैच जीतने के लिए 159 रन का टारगेट मिला है। इसके जवाब में टीम ने 27 ओवर में 3 विकेट पर 94 रन बना लिए हैं। कुमार कुशाग्र 16 और कप्तान ईशान किशन 1 रन बनाकर खेल रहे हैं।

सेंट्रल जोन ने 37 रन पर 3 विकेट गंवा दिए थे

सेंट्रल जोन की शुरुआत खराब रही और 37 रन तक टीम के तीन विकेट गिर गए। कप्तान रजत पाटीदार 5 और रिंकू सिंह 20 रन ही बना सके। 95 रन तक 7 विकेट गंवाने के बाद अरशद खान ने लोअर ऑर्डर के साथ मिलकर टीम को 150 रन के पार पहुंचाया। हालांकि टीम 158 रन पर ही सिमट गई। अमन मोखाड़े ने टीम के लिए सबसे ज्यादा 41 रन बनाए। अरशद खान ने 25 और हर्ष दुबे ने 24 रन की पारी

मुकेश कुमार को 4, शमी को 3 विकेट – ईस्ट जोन की ओर से मुकेश कुमार सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 12 ओवर में 44 रन देकर 4 विकेट लिए। मोहम्मद शमी ने 3, जबकि अभिजीत सरकार, अनुकूल रॉय और कुनैन कुरैशी ने 1–1 विकेट लिया।

मेसी ने इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास लिया

इंस्टाग्राम पर इमोशनल पोस्ट की, लिखा- यह फैसला बेहद मुश्किल और दर्दनाक

मेसी ने पोस्ट में क्या लिखा फैसला तकलीफदेह था

- मेसी ने लिखा, 'यह फैसला लेना तकलीफदेह था और आज भी दिल के अंदर तक दुख देता है, लेकिन मैं समझता हूं कि अब समय आ गया है। मैंने हमेशा अपना सब कुछ दिया है। सिर्फ उन पिछले कुछ सालों में नहीं, जब हमने सब कुछ जीता, बल्कि उससे पहले भी।'
- मैंने इस जर्सी के लिए हमेशा संघर्ष किया। मैदान पर अपना सब कुछ छोड़ा, ताकि आपको खुशी दे सकूं। फुटबॉल के जरिए आपको अर्जेंटीनियन होने पर गर्व महसूस करा सकूं।
- समय कम बचा है और अध्याय खत्म होते हैं। यह भी ऐसा ही एक अध्याय है, जो मुझे बहुत दुख देता है। मुझे राष्ट्रीय टीम का हिस्सा बनना पसंद था, पसंद है और हमेशा रहेगा।
- मैंने अपने पास मौजूद सब कुछ दे दिया है। अब मेरे पास देने के लिए कुछ नहीं बचा है। इसके अलावा, कई बेहतरीन युवा खिलाड़ी आ रहे हैं, जो यहां होने के हकदार हैं।

ब्राजील (एजेंसी)। मेसी ने 2016 में भी संन्यास लिया था। तब वे 3 वर्ल्ड कप में कप्तानी कर चुके थे, लेकिन जीत नहीं सके थे। उन्होंने अपना फैसला बदला और टीम को 2022 का वर्ल्ड कप जिताया। स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने इंटरनेशनल फुटबॉल को अलविदा कह दिया है। उन्होंने सोमवार को सोशल मीडिया पर हाथ से लिखे नोट की तस्वीर के साथ संन्यास का ऐलान किया। 39 साल के मेसी ने बताया कि फाइनल के 2 दिन बाद 21 जुलाई को ही उन्होंने संन्यास का फैसला लिख लिया था। उनका आखिरी मैच वर्ल्ड कप फाइनल था, जिसमें अर्जेंटीना को स्पेन से हार मिली थी। मेसी ने लिखा कि उनके पिता जॉर्ज मेसी की मौत के बाद उन्हें लगा कि अर्जेंटीना के लिए करियर खत्म करने का यही सही समय है। जॉर्ज मेसी का 8 अगस्त को सेंट्रल अर्जेंटीना के रोसारियो शहर के एक अस्पताल में निधन हुआ था। वे 68 साल के थे।

अर्जेंटीना को 2022 में फुटबॉल वर्ल्ड कप जिताया

मेसी अपने देश के सबसे ज्यादा गोल करने वाले और सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 2005 में अर्जेंटीना के लिए डेब्यू किया था। वे टीम के लिए 6 वर्ल्ड कप खेले चुके हैं।

पिता के निधन के बाद कहा था- ज्यादा नहीं खेल पाऊंगा

मेसी ने अपने पिता की मौत के बाद एक पोस्ट में लिखा था कि उन्हें इस बात को लेकर 'काफी संदेह' था कि वे ज्यादासमय तक अर्जेंटीना के लिए खेल पाएंगे या नहीं। उन्होंने स्पेन के खिलाफ वर्ल्ड कप फाइनल में अपने प्रदर्शन को लेकर भी लिखा था, 'मेरे पैर अब आगे नहीं बढ़ पा रहे थे। इस बार मैंने अपनी शारीरिक सीमाओं से आगे जाने की कोशिश की, लेकिन मैं ऐसा नहीं कर सका।'

स्टोक्स की 11 साल बाद बिग बैश लीग में वापसी

एडिलेड स्ट्राइकर्स से जुड़े. पूरा सीजन खेलेंगे

लंदन (एजेंसी)। इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास के बाद बेन स्टोक्स बिग बैश लीग की टीम एडिलेड स्ट्राइकर्स से जुड़े हैं। वे फ्रेंचाइजी के साथ 5 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर में जुड़े। एग्रीमेंट के अनुसार, अगर स्ट्राइकर्स क्वालिफाई करते हैं, तो स्टोक्स टूर्नामेंट के आखिरी दौर तक टीम के साथ रहेंगे। इस सीजन का फाइनल 26 जनवरी 2027 को होगा। स्टोक्स ने आखिरी बार 2015 की शुरुआत में बीबीएल मैच खेला था। 2023 में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए आईपीएल खेलने के बाद से उन्होंने कोई टी-20 क्रिकेट नहीं खेला है। बीबीएल ने इस पोस्ट के लिए स्टोक्स की वापसी का ऐलान किया।

स्टोक्स ने खुद स्ट्राइकर्स को चुना

स्टोक्स ने बीबीएल में लौटने की इच्छा जताई थी, जिसके बाद साउथ ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट एसोसिएशन (एसएसीए) के क्रिकेट जनरल मैनेजर साइमन इंस्ली ने उनसे बातचीत की। स्टोक्स को सिडनी सिक्सर्स और मेलबर्न रेनेगेड्स जैसी टीमों भी अपने साथ जोड़ना चाहती थीं। स्ट्राइकर्स अभी दो अन्य बड़े नामों के साथ बातचीत कर रहे हैं। टीम को उम्मीद है कि जल्द ही उनके साथ जुड़ने की पुष्टि कर दी जाएगी। उनका पहला मैच कैनबरा में सिडनी थंडर के खिलाफ होगा।

भारत ने पांच बार की फुटबॉल वर्ल्ड चैंपियन ब्राजील से खेलने के लिए टीम का किया ऐलान

कोलकाता (एजेंसी)। भारत में फुटबॉल को बढ़ावा देने के लिए फीफा वर्ल्ड कप में भाग ले चुकी तीन टीमें-पनामा, ब्राजील और उरुग्वे- भारत का दौरा करने वाली है। ये तीनों टीमें सितंबर और अक्टूबर में भारतीय फुटबल टीम से फ्रेंडली मैच भी खेलने वाली है. जिससे भारत को खुद को परखने का मौका मिलेगा। भारतीय टीम 26 सितंबर को बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम में पनामा के खिलाफ मैच खेलेगी. इसके बाद वे कोलकाता जाएंगे, जहां उनका मुकाबला 3 अक्टूबर को पांच बार की वर्ल्ड चैंपियन ब्राजील और 6 अक्टूबर को दो बार की वर्ल्ड चैंपियन उरुग्वे से होगा। बता दें कि ये तीनों टीमें इस साल की शुरुआत में हुए स्रढ्ढस्न वर्ल्ड कप में खेली थीं, लेकिन पनामा और उरुग्वे ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई थीं जबकि ब्राजील राउंड ऑफ 16 में नार्वे से हारकर बाहर हो गई थी। इस तीन इंटरनेशनल फ्रेंडली मैचों के लिए भारतीय फुटबॉल टीम के हेड कोच खालिद जमील ने 26 खिलाड़ियों की टीम की घोषणा भी कर दी. जिसमें चार गोलकीपर, आठ डिफेंडर, आठ मिडफील्डर और छह फॉरवर्ड शामिल हैं।

भारतीय फुटबॉल टीम

गोलकीपर– एल्बिनो गोम्स, गुरप्रीत सिंह संधू, प्रभसुखन सिंह गिल, सोम कुमार.

डिफेंडर– अभिषेक सिंह टेकचम, आकाश मिश्रा, अनवर अली, बिजॉय वर्गीज, हिमंगथनमाविया राल्टे, जय गुप्ता, प्रमवीर, रिकी मीतेई हाओबाम.

मिडफील्डर– अनिरुद्ध थापा, आशिक कुरुनियन, फारुख चौधरी, लालेंगमाविया राल्टे, मैकार्टन निक्सन, मोहम्मद सनन, रिकी शबोंग, सहल अब्दुल समद.

फॉरवर्ड– एडमंड लालरिंडिका, इरफान यादवाड, मनवीर सिंह, रहीम अली, रयान विलियम्स, विक्रम प्रताप सिंह।

चार रिजर्व खिलाड़ी

गोलकीपर ऋतिक तिवारी, डिफेंडर चिंगलेनसाना सिंह कोंशम और रोशन सिंह नाओरेम, मिडफील्डर सुरेश सिंह वांगजाम। पनामा के खिलाफ मैच से पहले तैयारी कैंप के लिए भारतीय टीम 14 सितंबर को बेंगलुरु में इकट्ठा होगी. पहला मैच खेलने के बाद, भारतीय टीम 28 सितंबर को कोलकाता के लिए रवाना होगी, ताकि विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में होने वाले बाकी दो मैचों की तैयारी कर सके।

फ्रैंडली मैच का कार्यक्रम

26 सितंबर – भारत बनाम पनामा - श्री कांतीरवा स्टेडियम, बेंगलुरु

3 अक्टूबर – भारत बनाम ब्राजील-विवेकानंद युवा भारती क्रीरांगन, कोलकाता

6 अक्टूबर – भारत बनाम उरुग्वे - विवेकानन्द युवा भारती क्रीरांगन, कोलकाता

वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट में तीन रेसलर्स पर हमला

- उसोज और सिकोआ घायल, खून से सने विजुअल्स को ब्लर किए गए

नईदिल्ली (एजेंसी)। डब्ल्यूडब्ल्यूई के मंडे नाइट रॉ के हालिया एपिसोड में द उसोज, जिमी उसो और सोलो सिकोआ पर जानलेवा हमला किया गया। इसके बाद उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। शो के कमेंटेटर जो टेसिटोर ने इसकी जानकारी दी। हमले के वीडियो में इतना खून-खराबा था कि टीवी स्क्रीन पर विजुअल्स को ब्लर किया गया। फुटेज को फ्रीज करके सेंसर भी करना पड़ा।

द उसोज पर कार के पास हमला– रॉयस कीज और ओटीएम ने रॉ की शुरुआत में द उसोज, जिमी उसो पर हमला कर दिया। हमलावरों ने जिमी को कार के ऊपर पटक दिया। इसके बाद जे उसो को भी बुरी तरह पीटा गया। जे का चेहरा खून से लथपथ नजर आया, जिसके कारण डब्ल्यूडब्ल्यूई ने टीवी पर उस हिस्से को ब्लर कर दिया।

हमले के दौरान जैकब फाटू वहां पहुंचे और हमलावरों का पीछा करने की कोशिश की। हालांकि, रॉयस कीज और ओटीएम वहां से निकल गए। इस हमले ने रॉयस कीज और ओटीएम को डब्ल्यूडब्ल्यूई में एक बड़े खतरे के तौर पर स्थापित कर दिया है।

सोलो सिकोआ पर बैकस्टेज हमला

सोलो सिकोआ को बैकस्टेज निशाना बनाया गया। इसके बाद वह घायल हालत में पड़े मिले। इस हमले के लिए रोमन रेंस का नाम सामने आया, लेकिन रेंस ने इसमें अपना हाथ होने से इनकार किया। रेंस ने एलए नाइट का नाम भी इस मामले में नहीं जोड़ने की बात कही।

तीनों को मेडिकल सेंटर ले जाया गया

जो टेसिटोर ने बताया कि रॉ में हुई घटना के बाद कई स्टार्स को अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने कहा कि सोलो सिकोआ, जे उसो और जिमी उसो को स्थानीय मेडिकल सेंटर पहुंचाया गया है। उन्होंने बताया कि डॉक्टर इन तीनों की चोटों का आकलन कर रहे हैं। जो टेसिटोर ने कहा, हमें अभी इस बात की जानकारी मिली है, जो हम आपके साथ साझा कर रहे हैं।

मुझे हमेशा याद रहेगा... आईसीसी चेयरमैन जय शाह का लियोनेल मेसी के रिटायरमेंट पर बड़ा बयान

अर्जेंटीना के स्टार खिलाड़ी लियोनेल मेसी ने 31 अगस्त को इंटरनेशनल फुटबॉल को अलविदा कह दिया. जिसके बाद खेल से जुड़ी बड़ी से बड़ी हस्तियां उन्हें शानदार करियर के लिए बधाई और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दे रहे हैं। इसी क्रम में इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) के चेयरमैन जय शाह ने मंगलवार को मेसी से मुलाकात को याद करते हुए उनके इंटरनेशनल करियर के लिए बधाई दी और अगले सफर के लिए शुभकामनाएं भी दीं। जय शाह ने एक्स पर एक तस्वीर शेयर करके लिखा, एक यादगार इंटरनेशनल सफर का अब समाप्त हो रहा है. भारत की आपकी ऐतिहासिक यात्रा के दौरान हुई हमारी मुलाकात को याद करते हुए, मैदान पर आपकी बेमिसाल प्रतिभा के साथ–साथ आपका जबरदस्त विनम्र स्वभाव भी मुझे हमेशा याद रहेगा. आपको व्यक्तिगत रूप से हमारे देश की जर्सी भेंट करना, खेल जगत के लिए एक गर्व भरा पल था।

लाबुशेन ऑस्ट्रेलिया की वनडे टीम से बाहर

- जिम्बाब्वे–साउथ अफ्रीका सीरीज के लिए नहीं चुने गए
- जोएल डेविस को मौका, स्टार्क–कमिंस की वापसी

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने जिम्बाब्वे और साउथ अफ्रीका दौरे के लिए 17 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। खराब फॉर्म से जूझ रहे मार्नस लाबुशेन को टीम में जगह नहीं मिली है। वहीं जोएल डेविस पहली बार वनडे टीम में चुने गए हैं। मिचेल मार्श और ट्रैविस हेड की वापसी हुई है, जबकि पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में टीम से जुड़ेंगे।

लाबुशेन ने 2023 वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में अर्धशतक लगाया – लाबुशेन लंबे समय से ऑस्ट्रेलिया की वनडे टीम का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने 2023 वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में भारत के खिलाफ नाबाद अर्धशतक लगाकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

मतदाता पंजीकरण एवं मतदाता सूची पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 02 एवं 03 सितम्बर को रांची में

रांची, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री के. रवि कुमार ने मंगलवार को निर्वाचन सदन, धुर्वा, रांची में आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि 02 एवं 03 सितम्बर 2026 को नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ, रांची में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन का उद्घाटन सत्र 02 सितम्बर को पूर्वाह्न 10.00 बजे से 11.30 बजे तक होगा।

उन्होंने बताया कि सम्मेलन का आयोजन मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय, झारखण्ड द्वारा सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखण्ड के सहयोग से किया जा रहा है।

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, रांची, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ , रांची तथा सेंट जेवियर्स कॉलेज, रांची इसके नॉलेज पार्टनर हैं। सम्मेलन में सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखण्ड के कुलपति प्रो. सारंग मेधेकर, ठवरफ्छ के कुलपति प्रो. (डॉ.) अशोक आर. पाटिल, क्ब्स्ट रांची के निदेशक प्रो. दीपक कुमार श्रीवास्तव तथा सेंट जेवियर्स कॉलेज, रांची के प्राचार्य डॉ. फादर रॉबर्ट प्रदीप कुजूर सहित विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों के शिक्षाविद् एवं विशेषज्ञ भाग लेंगे। विशिष्ट अतिथियों में भारत निर्वाचन आयोग के प्रधान सचिव श्री अरविंद आनंद सहित निर्वाचन एवं अकादमिक क्षेत्र के विशेषज्ञ शामिल होंगे। उद्घाटन सत्र में विषयक पुस्तक एवं सम्मेलन की स्मारिका का लोकार्पण भी किया जाएगा।

के. रवि कुमार ने बताया कि मुख्य चुनाव आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार द्वारा इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल असिस्टेंस की अध्यक्षता ग्रहण करने के उपरांत भारत मंडपम में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के क्रम में देश के राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के निर्वाचन कार्यालयों को निर्वाचन से संबंधित अलग-अलग विषयों पर शोध का दायित्व दिया गया था।

16.83 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दो गिरफ्तार

कार, मोबाइल और नकदी बरामद

रामगढ़, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। जिले में नशीले पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत भुरकुंडा ओपी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है।

पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुयानत को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 16.83 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अखिल अंसारी (30 वर्ष), पिता मोहम्मद हदीस अंसारी, निवासी 2 नंबर गेट, एनटीएस बरकाकाना तथा दीपक बेदिया (30 वर्ष), पिता स्व. सिद्धू राम बेदिया, निवासी घुटुवा के रूप में हुई है।

दोनों पतरातू थाना क्षेत्र के रहने वाले बताए गए हैं। छापेमारी के दौरान पुलिस ने आरोपियों के पास से 16.83 ग्राम ब्राउन शुगर, एक चार पहिया वाहन, दो मोबाइल फोन और 14,300 रुपये नकद बरामद किए हैं। इस मामले में भुरकुंडा ओपी थाना कांड संख्या 299/26 दर्ज करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। पुलिस की इस कार्रवाई में छापेमारी दल में शामिल पुलिस पदाधिकारी एवं जवानों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। पुलिस द्वारा नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ लगातार अभियान चलाए जाने की बात कही गई है।

खोया मोबाइल तलाशने में हुसैनाबाद पुलिस ने दिखाई तत्परता

हुसैनाबाद, पलामू/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। हुसैनाबाद थाना पुलिस की तत्परता और तकनीकी जांच के जरिए सांसद प्रतिनिधि सुबोध कश्यप के पुत्र आर्यन राज का खोया हुआ ओप्पो मोबाइल फोन बरामद कर उन्हें सौंप दिया गया। मोबाइल वापस मिलने पर सुबोध कश्यप ने थाना प्रभारी चंदन कुमार और सीसीटीएनएस ऑपरेटर मोहम्मद अली के प्रति आभार जताया। जानकारी के अनुसार, सांसद प्रतिनिधि के पुत्र का मोबाइल 26 अगस्त को जपला के अंबेडकर चौक के समीप कहीं गिर गया था। काफी खोजबीन के बाद भी मोबाइल नहीं मिलने पर उन्होंने हुसैनाबाद थाना में इसकी सूचना देते हुए आवेदन दिया था। थाना प्रभारी चंदन कुमार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तकनीकी माध्यम से मोबाइल की तलाश शुरू कराई।जांच के दौरान मोबाइल का पता दाता नगर निवासी अलीमुद्दीन तक पहुंचा। बताया गया कि उन्हें मोबाइल सड़क पर गिरा हुआ मिला था। बाद में उन्होंने उसमें अपना सिम कार्ड लगाया, जिसके आधार पर पुलिस को तकनीकी जांच में मोबाइल की लोकेशन और उपयोगकर्ता तक पहुंचने में मदद मिली।

एसआईआर तहत जिले के सभी मतदान केंद्रों पर नोटिस

सुनवाई एवं दस्तावेजों के सत्यापन की कार्रवाई जारी

खूंटी, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त मो० जावेद हुसैन के नेतृत्व में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (ैप्त्) के अंतर्गत जिले के सभी मतदान केंद्रों पर निर्धारित प्रक्रिया के तहत कार्रवाई की जा रही है। इसका उद्देश्य मतदाता सूची को शुद्ध, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाना है। इसी क्रम में नोटिस एवं सुनवाई की प्रक्रिया, दावा-आपत्तियों के निस्तारण तथा मतदाताओं द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों की जांच की जा रही है। सभी मतदान केंद्रों पर निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (एफ्ठ) एवं सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (अएफ्ठ) द्वारा प्राप्त दस्तावेजों का निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप सत्यापन किया जा रहा है। इनमें जन्म प्रमाण-पत्र, पासपोर्ट, मैट्रिक अथवा अन्य मान्यता प्राप्त शैक्षणिक प्रमाण-पत्र, स्थायी निवास प्रमाण-पत्र, जाति प्रमाण-पत्र, वन अधिकार प्रमाण-पत्र, सरकारी कर्मचारी/पेंशनभोगी का पहचान पत्र अथवा सरकारी/स्थानीय प्राधिकरण/बैंक/डाकघर द्वारा जारी प्रमाण-पत्र, परिवार रजिस्टर तथा सरकार द्वारा जारी भूमि/मकान आवंटन संबंधी प्रमाण-पत्र आदि शामिल हैं। दस्तावेजों के सत्यापन के उपरांत पात्र एवं योग्य मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़ने, आवश्यक सुधार करने तथा दावा-आपत्तियों का नियमानुसार निस्तारण किया जा रहा है।

एसआईआर के तहत प्राप्त दावों एवं आपत्तियों के निस्तारण की प्रक्रिया 14 अक्टूबर 2026 तक चलेगी। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त मो. जावेद हुसैन ने कहा कि ैप्त् के माध्यम से मतदाता सूची को अधिक शुद्ध, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाने का कार्य किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

मामूली कहासुनी के बाद युवक ने दामोदर नदी में लगाई छलांग

रामगढ़, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। उरीमारी ओपी क्षेत्र अंतर्गत सयाल-उरीमारी दामोदर पुल पर मंगलवार को एक दर्दनाक घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। मामूली कहासुनी के बाद एक युवक ने दामोदर नदी में छलांग लगा दी। उसे बचाने के लिए उसका मित्र भी नदी में कूद पड़ा। इस दौरान एक युवक को स्थानीय लोगों ने सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जबकि दूसरे युवक का देर शाम तक कोई पता नहीं चल सका। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बड़का सयाल निवासी *संदीप कुमार* का किसी बात को लेकर मामूली विवाद हो गया था। इसी दौरान उसने अचानक सयाल-उरीमारी दामोदर पुल से नदी में छलांग लगा दी। अपने मित्र को नदी में कूदते देख प्रकाश दास भी उसे बचाने के लिए बिना अपनी जान की परवाह किए नदी में उतर गया।दामोदर नदी में तेज बहाव होने के कारण दोनों युवक पानी की धारा में बहने लगे। घटना की सूचना मिलते ही पुल और नदी किनारे बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। लोगों ने तत्परता दिखाते हुए काफी मशक्कत के बाद प्रकाश दास को सुरक्षित नदी से बाहर निकाल लिया। उसे उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। वहीं नदी में छलांग लगाने वाले संदीप कुमार का देर शाम तक कोई सुराग नहीं मिल पाया। स्थानीय लोगों और परिजनों द्वारा उसकी तलाश लगातार जारी है। नदी में तेज बहाव होने के कारण खोजबीन में काफी कठिनाई आ रही है। घटना के बाद संदीप कुमार के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मां का विलाप और पिता की चिंता देख मौके पर मौजूद लोग उन्हें ढांढस बंधाते नजर आए। सूचना मिलने पर उरीमारी ओपी पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। खबर लिखे जाने तक परिजनों की ओर से थाना में कोई लिखित आवेदन नहीं दिया गया था। पुलिस लापता युवक की तलाश और पूरे घटनाक्रम की जांच में जुटी हुई है।

खनिज नियमावली से उत्पन्न समस्याओं को लेकर खान निदेशक से मिलीं विधायक

संशोधित नियमों और ई-परिवहन चालान की अनिवार्यता से उत्पन्न व्यावहारिक समस्याओं पर हुई चर्चा

रामगढ़, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। इंडियन नेशनल कांग्रेस पार्टी की रामगढ़ जिलाध्यक्ष सह रामगढ़ विधायक ममता देवी ने झारखंड में अप्रैल 2026 से लागू संशोधित खनिज नियमावली एवं ई-परिवहन चालान की अनिवार्यता से उत्पन्न व्यावहारिक समस्याओं को लेकर मंगलवार को रांची में खान निदेशक राहुल सिन्हा से मुलाकात की।

इस दौरान दोनों के बीच खनिज नियमावली से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। विधायक ममता देवी ने कहा कि हेमंत सरकार का उद्देश्य अवैध खनन पर रोक लगाना है, जिसका स्वागत किया जाना चाहिए। लेकिन पर्याप्त तैयारी और स्पष्ट व्यवस्था के अभाव में लागू किए गए प्रावधानों के कारण पूरे झारखंड में विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। संवेदकों के भुगतान को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है, वहीं निर्माण कार्यों से जुड़े हजारों मजदूरों के समक्ष रोजगार का संकट उत्पन्न हो गया है। विधायक ने रामगढ़ जिले के संवेदक संघ द्वारा उठाई गई समस्याओं को प्रमुखता से खान निदेशक के समक्ष रखा। उन्होंने पूर्व व्यवस्था को तत्काल लागू करने, स्वीकृत बालू घाटों से बालू की आपूर्ति शुरू कराने, पत्थर खनन पट्टों के लिए शीघ्र निविदा आमंत्रित करने तथा ईंट को रॉयल्टी से मुक्त रखने की मांग की।

ममता देवी ने कहा कि खनिज नियमों में पारदर्शिता बनाए रखना और अवैध खनन पर रोक लगाना जरूरी है। इसके साथ ही आम जनता, संवेदकों, मजदूरों और विकास कार्यों के हितों का भी ध्यान रखा जाना चाहिए।

मौजूदा व्यवस्था के कारण निर्माण कार्य प्रभावित होने से रोजगार और विकास दोनों पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जनहित और विकास कार्यों को गति देने के लिए व्यावहारिक एवं सकारात्मक समाधान आवश्यक है। खान निदेशक के साथ हुई वार्ता के बाद विधायक ममता देवी ने उम्मीद जताई कि संशोधित खनिज नियमावली से उत्पन्न समस्याओं का जल्द समाधान होगा और झारखंड में विकास कार्य पुनः सुचारू रूप से आगे बढ़ेंगे।

विश्व पत्र दिवस : भावनाओं को शब्दों में संजोने का दिन

खूंटी, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। विश्व विद्या मार्ग नवयुग पत्रकार महासंघ के तत्वावधान में भगतसिंह चौक पर मंगलवार को विश्व पत्र दिवस पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए विश्व विद्या मार्ग नवयुग पत्रकार महासंघ के अध्यक्ष डॉ दीपक कुमार घोष ने कहा कि इस डिजिटल युग में हस्तलिखित पत्रों की परंपरा को जीवित रखने के लिए कुछ समय स्क्रीन से दूरी बना कर रखना चाहिए। हस्तलिखित पत्र रिश्तों को मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि प्राचीन और सुंदर इस कला को जीवित रखने के लिए आस्ट्रेलिया में रिचर्ड सिंपकिन ने 1 सितंबर 2014 को इसकी शुरूआत की ।

मुरहू के समाजसेवी डॉ धर्मेंद्र नाथ तिवारी ने कहा कि यह दिवस पत्र लिखने की पुरानी और भावनात्मक परंपरा को याद करने तथा लोगों को अपने विचार और भावनाएं शब्दों के माध्यम से व्यक्त करने के लिए प्रेरित करता है। लेखक, फिल्म निमार्ता,साहित्यकार, झारखंड श्री अवार्ड,कला श्री पुरस्कार सहित कई राष्ट्रीय गौरव सम्मान प्राप्त अखिल भारतीय सांस्कृतिक विकास महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष तपन कुमार घोष ने कहा कि डिजिटल युग में ई-मेल, मोबाइल संदेश और सोशल मीडिया ने संचार को बेहद तेज बना दिया है, लेकिन हाथ से लिखे पत्र का भावनात्मक महत्व आज भी कायम है। उन्होंने कहा कि पत्र केवल संदेश का माध्यम नहीं, बल्कि स्मृतियों, रिश्तों और भावनाओं को संजोकर रखने का माध्यम भी हैं। युवा ध्रुवेन्द्र भास्कर ने कहा कि यह दिवस इस भागम भाग जीवन में लोगों को कुछ समय निकालकर अपने प्रियजनों, मित्रों या परिवार के सदस्यों को पत्र लिखने और इस खूबसूरत परंपरा को जीवित रखने का संदेश देता है। एक पत्र, कई भावनाएं—यही इसकी सबसे बड़ी खूबसूरती है। मौके पर तुलसी प्रजापति अनुप राय, जितेन्द्र पांडे सहित अन्य उपस्थित थे।

मना 145 लोगों का एक साथ जन्मदिवस लोगों में हर्ष

रामगढ़, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। जिले में मशहूर औधोगिक इकाई क्षेत्र में बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग्स लिमिटेड में अगस्त महीने में जन्मदिन मनाने वाले कुल मिलाकर 145 पदाधिकारीगण औंर कर्मचारियों के मान सम्मान में पीपुल फर्स्ट कल्चर औंर वन सेलिब्रेशन मेनी स्माइलस थीम के तहत सामूहिक जन्मदिन समारोह का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त समारोह में जीएफए एचएसपीए हेड ऑफिस तथा एमडीएच कार्यलाय रांची के कर्मचारी सम्मिलित हुए।

विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने एक साथ मिलकर विशेष अवसर को उत्साहपूर्वक एवं उल्लासित के साथ 145 लोगों ने जन्मदिवस मनाया गया। लोगों में हर्ष माहौल देखा गया। इस विशेष अवसर पर विभिन्न विभागाध्यक्ष की गरिमामयी उपस्थिति रही। कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाया गया। उक्त कार्यक्रम का आयोजन एचएएसपी कैंटीन जीएफए कैंटीन और मुख्य कार्यालय में किया गया। उक्त कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों के योगदान के प्रति आभार व्यक्त करना, टीम भावना को सुदृढ़ करना तथा सकारात्मक कार्य संस्कृति को बढ़ावा देना रहा। उक्त समारोह के दौरान केक कटिंग की गई। बीएफसीएल संदेश में हार्दिक शुभकामनाएं एवं सभी 145 जन्मदिनधारीयों कर्मचारियों को सामूहिक रूप से बधाई दी गई। वरिष्ठ पदाधिकारीयों ने संयुक्त रूप से बयान कहा गया कि सक्रिय कर्मचारियों की निष्ठा, परिश्रम एवं समर्पण ही कंपनी की निरंतर प्रगति का आधार हैं। संगठन में आपसी सहयोग, विश्वास औंर पारिवारिक वातावरण को मजबूत करते रहते हैं। बीएफसीएल अपने प्रत्येक कर्मचारीयों को परिवार का हिस्सा मानते हैं। उनकी खुशियों को अपनी सफलता का अभिन्न अंग समझते हैं। प्रबंधक कमेटी के द्वारा सभी जन्मदिन मनाने वाले सक्रिय कर्मचारियों को उज्ज्वल भविष्य कामना की गई।

पुलिस अधीक्षक ने की समीक्षा बैठक, 258 आरोपित अपराधकर्मियों का डिजिटल प्रोफाइल तैयार

रामगढ़, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। जिले में अपराध नियंत्रण, सक्रिय अपराधियों की निगरानी और लंबित कांडों के त्वरित उद्भेदन को लेकर मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुयानत ने की।

इसमें अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पुलिस निरीक्षक, थाना एवं ओपी प्रभारी तथा संबंधित नोडल पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक के दौरान क्राइम प्रिवेंशन एंड डिटेक्शन विंग (सीपी एंड डीडब्लू) तथा डिजिटल क्रिमिनल मॉनिटरिंग पोर्टल के कार्यों और अब तक की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। पुलिस अधीक्षक ने अपराधियों के डिजिटल एवं भौतिक सत्यापन और नियमित निगरानी को और प्रभावी बनाने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस के अनुसार, वर्ष 2021 से 31 मार्च 2026 तक विभिन्न अपराधों में आरोप-पत्रित कुल 1,971 अपराधकर्मियों को चिन्हित कर सूची तैयार की गई है। इनमें रामगढ़ जिले के 1,374, अन्य जिलों के 458 तथा झारखंड राज्य के बाहर के 139 अपराधकर्मी शामिल हैं। वहीं, पिछले एक महीने में विशेष अभियान चलाकर आर्म्स एक्ट, रंगदारी, एनडीपीएस एक्ट, डकैती, लूट एवं छिनतई जैसे छह प्रमुख अपराध शीर्षों में आरोप-पत्रित कुल 258 अपराधकर्मियों का सत्यापन किया गया। इन सभी का डिजिटल प्रोफाइल तैयार कर पोर्टल पर अपलोड किया गया है।सत्यापन के बाद 28 अपराधकर्मियों के विरुद्ध सीसीए के तहत प्रस्ताव तैयार किए गए, जिनमें चार के खिलाफ जिला बदर, 22 के खिलाफ थाना हाजिरी और दो के विरुद्ध निरुद्धादेश की कार्रवाई शामिल है। इसके अलावा 131 अपराधकर्मियों के विरुद्ध निगरानी प्रस्ताव, 33 के विरुद्ध गुंडा पंजी में प्रविष्टि तथा 74 अपराधकर्मियों के विरुद्ध धारा 129 बीएनएसएस के तहत कार्रवाई की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक आरोप-पत्रित अपराधकर्मी के डिजिटल एवं भौतिक सत्यापन पर विशेष जोर दिया। यदि कोई अपराधकर्मी दूसरे थाना क्षेत्र में निवास करता है तो संबंधित थाना से निर्धारित प्रपत्र में उसका भौतिक सत्यापन कराने का निर्देश दिया गया। उन्होंने अपराधियों के डिजिटल प्रोफाइल को लगातार अद्यतन रखने तथा आपराधिक इतिहास, वर्तमान पता, सत्यापन विवरण और अपराध करने के तरीके जैसी महत्वपूर्ण सूचनाओं को पोर्टल पर व्यवस्थित रूप से दर्ज करने को कहा।

पुलिस अधीक्षक ने विशेष रूप से सक्रिय अपराधियों, बार-बार अपराध में संलिप्त आरोपियों और जेल से जमानत पर बाहर आए अपराधियों की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही विभिन्न थाना क्षेत्रों के बीच अपराधियों से संबंधित सूचनाओं के आदान-प्रदान और बेहतर समन्वय पर भी जोर दिया गया।

उन्होंने निर्देश दिया कि डिजिटल क्रिमिनल मॉनिटरिंग पोर्टल में उपलब्ध जानकारी का उपयोग अपराध विश्लेषण, संदिग्धों की पहचान, पूर्व आपराधिक गतिविधियों के विश्लेषण और कांडों के त्वरित उद्भेदन में किया जाए। इसके अलावा आवश्यकतानुसार अपराधियों के विरुद्ध डोजियर, निगरानी प्रस्ताव, सीसीए प्रस्ताव, जमानत निरस्तीकरण, एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई तथा गुंडा बही एवं गिरोह पंजी में प्रविष्टि की कार्रवाई नियमानुसार करने का निर्देश दिया गया। अगले एक महीने में चोरी, गृहभेदन और वाहन चोरी से जुड़े वर्ष 2021 से 31 मार्च 2026 तक के आरोप-पत्रित अपराधकर्मियों, विशेषकर रामगढ़ जिले के निवासियों, का सत्यापन कर उनका डिजिटल प्रोफाइल तैयार करने और पोर्टल पर अपलोड करने का भी निर्देश पुलिस अधीक्षक ने दिया।

सोन नदी का जलस्तर बढ़ा, हुसैनाबाद के तटीय गांवों में अलर्ट

हुसैनाबाद,पलामू, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। सोन नदी के जलस्तर में लगातार हो रही वृद्धि को देखते हुए हुसैनाबाद क्षेत्र में प्रशासन और जल संसाधन विभाग ने नदी किनारे रहने वाले ग्रामीणों, किसानों और पशुपालकों को सतर्क रहने की सलाह दी है। पिछले दिन विभिन्न बराज एवं जलाशयों से करीब दो लाख क्यूसेक अतिरिक्त पानी सोन नदी में पहुंचने के बाद नदी के जलस्तर में अचानक वृद्धि दर्ज की गई। इससे सोन तटवर्ती इलाकों में चिंता बढ़ गई है। हुसैनाबाद प्रखंड के सोनपुरवा, देवरी खुर्द, देवरी कला, बुधुआ, बड़ेपुर और दंगवार समेत कई गांवों में सोन नदी के किनारे भूमि कटाव जारी है। ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों से नदी के कटाव से बचाव के लिए तटबंध निर्माण की मांग की जा रही है।

जनवादी लेखक संघ की गोष्ठी में दो पुस्तकों का लोकार्पण

बोकारो, नवबिहार टाइम्स संवाददाता।जनवादी लेखक संघ, बोकारो के तत्वावधान में साहित्यिक गोष्ठी सह पुस्तक लोकार्पण एवं परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कवि एवं जलेस झारखंड के संरक्षक गोपाल प्रसाद ने की, जबकि संचालन जलेस झारखंड के सचिव कुमार सत्येंद्र ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के चर्चित आलोचक प्रो. डॉ. कमानंद आर्य तथा विशिष्ट अतिथियों के रूप में डॉ. अली इमाम खां, डॉ. बलभद्र और कवि-कथाकार बिपिन बिहारी मौजूद रहे। शुरूआत में कथाकार एवं जलेस झारखंड के अध्यक्ष प्रह्लाद चंद्र दास की पुस्तक ह्यदलित चेतना की कहानियां तथा वरिष्ठ कवि ललन तिवारी की पुस्तक ह्यखोए की खोजह्न का लोकार्पण किया गया। इसके बाद ह्यदलित चेतना की कहानियाँह्न पर परिचर्चा हुई। डॉ. कमानंद आर्य ने संग्रह की विभिन्न कहानियों का उल्लेख करते हुए कहा कि ये कहानियाँ दलित चेतना और दलित विमर्श के लिए व्यापक जमीन तैयार करती हैं।

टाउन हॉल में शिशु शक्ति ए-टीएचआर योजना का शुभारंभ

एसएएम बच्चों को मिलेगा अतिरिक्त पोषण आहार

मेदिनीनगर (पलामू)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पलामू जिले में गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों की पोषण स्थिति में सुधार लाने के उद्देश्य से शिशु शक्ति योजना का शुभारंभ मंगलवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर स्मृति भवन (टाउन हॉल), मेदिनीनगर में किया गया। जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, मेदिनीनगर नगर निगम के उप महापौर मनोज सिंह, उप विकास आयुक्त सादात अनवर, सहायक समाहर्ता ऋत्विक मेहता, सिविल सर्जन डॉ. अनिल एवं जिला समाज कल्याण पदाधिकारी नीता चौहान ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इसके पश्चात विभिन्न लाभुकों के बीच अ-ळ्लफ का वितरण किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त श्री शेखावत ने समाज कल्याण विभाग द्वारा लगाए गए विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया तथा पोषण से संबंधित गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने कई बच्चों का अन्नप्राशन भी कराया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने कहा कि शिशु शक्ति पहल के माध्यम से चिन्हित सैम बच्चों को उनकी विशेष पोषण आवश्यकताओं के अनुरूप अतिरिक्त पोषण सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

उन्होंने कहा कि जिले के ग्रामीण क्षेत्रों के भ्रमण के दौरान यह देखने को मिलता है कि ग्रामीण अपने खेतों में धान के साथ फल एवं सब्जियों का भी उत्पादन करते हैं। इनका उपयोग केवल बिक्री अथवा आय अर्जित करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि पौष्टिक फल एवं सब्जियां बच्चों की थाली तक भी पहुंचनी चाहिए।

जर्जर सड़क को लेकर ग्रामीणों व स्कूली बच्चों ने जताया विरोध

मायल स्टेशन रोड की मरम्मत की मांग, मिट्टी-मोरम डालकर चलने योग्य बनाने का आश्वासन

रजरप्पा (रामगढ़), नवबिहार टाइम्स संवाददाता। बड़कीपोना स्थित मायल रेलवे स्टेशन जाने वाली जर्जर सड़क की बदहाल स्थिति को लेकर मंगलवार को ग्रामीणों और स्कूली बच्चों ने सड़क पर उतरकर विरोध जताया। ग्रामीणों ने सड़क की तत्काल मरम्मत कराने की मांग की। उनका कहना है कि सड़क की स्थिति बेहद खराब हो चुकी है, जिसके कारण प्रतिदिन आवागमन में परेशानी हो रही है।

ग्रामीणों के अनुसार, सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं। बारिश के बाद स्थिति और भी खराब हो जाती है। सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों और राहगीरों को होती है। सड़क की जर्जर स्थिति के कारण हमेशा दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों ने बताया कि मायल रेलवे स्टेशन के समीप रेलवे रैक से प्रतिदिन कोयले की ढुलाई होती है। बड़े-बड़े वाहनों के लगातार आवागमन के कारण सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। इसके बावजूद लंबे समय से सड़क की स्थायी मरम्मत नहीं कराई गई है। विरोध के दौरान मौके पर मौजूद राजीव जायसवाल ने ग्रामीणों को आश्वस्त करते हुए कहा कि जल्द ही सड़क पर मिट्टी-मोरम डालकर इसे आवागमन के योग्य बनाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सड़क की स्थायी समस्या के समाधान के लिए रामगढ़ उपायुक्त और सांसद को भी मामले से अवगत कराया जाएगा तथा सड़क निर्माण की मांग रखी जाएगी।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की कि अस्थायी मरम्मत के साथ-साथ सड़क का स्थायी निर्माण कराया जाए, ताकि स्कूली बच्चों, राहगीरों और स्थानीय लोगों को आवागमन में हो रही परेशानी से निजात मिल सके। मौके पर रमेश दांगी, जेएलकेएम प्रखंड अध्यक्ष प्रदीप कुमार, समाजसेवी प्रदीप कुमार, श्यामकिशोर प्रसाद, बिहारी महतो, विकास कुमार, धर्मेंद्र कुमार, ईश्वर महतो, रामचंद्र महतो, राजीव कुमार, गुड्डू कुमार, संजय कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं स्कूली बच्चे मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

ट्रक-बाइक की टक्कर में वनकर्मी की मौत

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। राष्ट्रीय उच्च पथ संख्या-23 पर जरीडीह थाना क्षेत्र के बहादुरपुर गांव के समीप मंगलवार की अपराह्न करीब चार बजे ट्रक और बाइक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार वनकर्मी की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार फुसरो के तातरी निवासी राजकुमार चक्रवर्ती के रूप में बताई जा रही है। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और देखते ही देखते बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने राष्ट्रीय उच्च पथ संख्या-23 को जाम कर दिया, जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया। सूचना मिलने के बाद जरीडीह

थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जांच में जुट गई। बताया जा रहा है कि बाइक का नंबर जेएच-09एवी-7923, जबकि दुर्घटना में शामिल ट्रक का नंबर डब्ल्यूबी-51बी-8411 है। पुलिस ने दोनों वाहनों के संबंध में जानकारी जुटाते हुए दुर्घटना के कारणों की पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस की ओर से मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। वहीं, सड़क जाम के कारण राष्ट्रीय उच्च पथ पर यातायात व्यवस्था प्रभावित रही।

बेकारबांध तालाब में मिला शव, इलाके में सनसनी

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शहर के बीचो-बीच स्थित बेकारबांध तालाब में एक व्यक्ति का शव देखे जाने से सनसनी फैल गई। घटना धनबाद थाना क्षेत्र के राजेंद्र सरोवर पार्क स्थित बेकारबांध की है। मंगलवार सुबह पार्क के मैनेजर की नजर पानी में तैरते शव पर पड़ी। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना स्थानीय पार्षद अशोक पाल और धनबाद थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को पानी से बाहर निकलवाया। मृतक की पहचान पॉलिटेक्निक रोड स्थित दुर्गा मंदिर के समीप रहने वाले 47 वर्षीय राकेश कुमार सिंह के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि राकेश सोमवार शाम से ही घर से लापता थे। स्थानीय पार्षद अशोक पाल ने बताया कि राकेश मानसिक रूप से परेशान रहते थे। इससे पहले भी एक बार वह इसी तरह पानी में चले गए थे, लेकिन तब स्थानीय लोगों ने उन्हें बचा लिया था। वहीं धनबाद थाना के एएसआई रंजन कुमार झा ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भर्ती व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर धनबाद पहुंची पदयात्रा

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झारखंड में भर्ती व्यवस्था में पारदर्शिता, निष्पक्षता और सुधार की मांग को लेकर 'भर्ती व्यवस्था सुधार यात्रा' आज धनबाद पहुंची। अभ्यर्थी न्याय मंच की ओर से आयोजित इस यात्रा के तहत युवाओं और अभ्यर्थियों ने विभिन्न प्रमुख स्थानों से पदयात्रा निकाली। बलियापुर स्थित विनोद धाम से यात्रा शुरू हुई। पदयात्रा किसान चौक, मनिंद्र नाथ मंडल चौक (मेमको मोड़) और कांबाइंड बिल्डिंग (सिटी सेंटर) होते हुए रणधीर वर्मा चौक तक पहुंची। इसके बाद प्रभु चौक-पुटकी मोड़ की ओर भी कार्यक्रम प्रस्तावित रहा। यात्रा के दौरान अभ्यर्थियों और युवाओं को भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता, जवाबदेही और निष्पक्षता की मांग को लेकर जागरूक किया गया। संगठन का कहना है कि प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों और लंबित मामलों के कारण अभ्यर्थियों में असंतोष है। इसी मुद्दे को लेकर राज्य के सभी 24 जिलों तक आंदोलन को पहुंचाने की तैयारी की जा रही है।

डीवीसी चंद्रपुरा में हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम प्रारंभ, हिंदी आशु भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

चंद्रपुरा/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र के प्रबंधन व राजभाषा कार्यानवयन उप समिति समिति द्वारा हिंदी दिवस के अवसर पर राजभाषा के प्रचार प्रसार के लिए हिंदी पखवाड़ा प्रारंभ किया गया। इस अवसर पर हिंदी आशु भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आयोजित समारोह का उद्घाटन मुख्य महाप्रबंधक एवं परियोजना प्रधान राम कुमार अनुभवी सहित डीवीसी के कई वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए अनुभवी ने हिंदी भाषा को सर्वव्यापी बताया और कहा कि हिंदी की महत्ता इतिहास के पन्नों में मजबूती पूर्वक दर्ज है। हम सभी को इसका लाभ उठाने की जरूरत है । उन्होंने हिंदी भाषा को

सरल और उपयोगी बताया और कहा कि हम सभी को कार्यालय कार्य में हिंदी को हमेशा उपयोग करना चाहिए। वरिष्ठ महाप्रबंधक (परिचालन एवं अनुरक्षण) राजेश कुमार ने डीवीसी कर्मियों से अपील किया कि वे हिंदी का उपयोग सभी प्रशासनिक और तकनीकी कार्य में करें साथ ही साथ इसका लेखा-जोखा अवश्य रखें। हिंदी पूरे संसार में सभी को जोड़ने की क्षमता रखता है। उप महाप्रबंधक (मा सं, प्रशासन) नीरज सिंहा ने सभी डीवीसी कर्मियों से अपील किया कि वे सभी कार्य हिंदी में तत्परता से करें। कार्यक्रम का संचालन अनिमेष गिरी ने किया । निर्णायक मंडली में रंजीत कुमार निराला, प्रदीप कुमार श्रीवास्तव और पूनम कुमारी थे। कार्यक्रम में प्रबंधक राजकुमार चौधरी, संजीव कुमार, राजीव रंजन,अनिमेष गिरी, लक्ष्मी नारायण साहू, सुमन कुमार, अक्षय कुमार, राजेश कुमार, अरविंद कुमार प्रसाद, रामजी रजक, पवन कुमार, डॉक्टर पीके घोष, सुर्य कुमार दलाई, कार्तिक महतो, सत्येंद्र नारायण सिंह, बाबूलाल कुमार, मोहम्मद कलीम, भुवनेश्वर महतो ,राजीव रंजन, तापस कुमार मंडल, निर्मल चंद्र, मीरा कुमारी, सुनीता कुमारी, संजीव कुमार, रश्मि साहू, बरसा कुमारी, लिली पुष्पा तिग्गा, विपत मांझी आदि शामिल थे।

डॉ. मोहंती की स्मृति में इंडियन रेडक्रॉस में आयोजित हुआ रक्तदान शिविर

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मंगलवार को उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि स्व. डॉ. यू. मोहंती बोकारो की बहुत बड़ी शख्सियत और स्वास्थ्य क्षेत्र की एक बड़ी विभूति थे। उनके निधन से स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक बड़ा खालीपन उत्पन्न हुआ है। उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि बोकारो की स्वास्थ्य व्यवस्था को और बेहतर एवं सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर कार्य किया जाए। उपायुक्त मंगलवार को इंडियन रेडक्रॉस सभागार में स्व. डॉ. मोहंती की स्मृति में आयोजित रक्तदान शिविर में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. मोहंती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। उपायुक्त अजय नाथ झा, उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, प्रशिक्षु आईएएस डॉ. अरविंद राधाकृष्णन, सिविल सर्जन डॉ ए बी प्रसाद सहित अन्य पदाधिकारियों एवं उपस्थित लोगों ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

मिली थी शहर की स्वास्थ्य व्यवस्था की प्रामाणिक जानकारी

मौके पर उपायुक्त ने कहा कि जब वे बोकारो आए थे, तब यहां की स्वास्थ्य व्यवस्था एवं विभिन्न समस्याओं के संबंध में पहली प्रामाणिक जानकारी उन्हें डॉ. मोहंती से ही मिली थी। डॉ. मोहंती ने अपने लंबे अनुभव के आधार पर बोकारो की स्वास्थ्य व्यवस्था, उसकी चुनौतियों और आवश्यकताओं से उन्हें अवगत कराया था। उनका अनुभव और मार्गदर्शन बोकारो के लिए महत्वपूर्ण था। अपनी अंतिम मुलाकात को याद करते हुए उपायुक्त ने कहा कि 29 या 30 अगस्त की देर शाम करीब साढ़े आठ से नौ बजे के बीच जगन्नाथ मंदिर में डॉ. मोहंती से उनकी आखिरी मुलाकात हुई थी। वे उनकी प्रतीक्षा कर रहे थे। इस दौरान जगन्नाथ मंदिर और बोकारो से जुड़े विभिन्न विषयों पर काफी चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि लगातार बारिश के बीच अचानक डॉ. मोहंती के निधन की सूचना मिली, जो बोकारो के लिए अत्यंत दुखद और स्तब्ध करने वाली घटना थी।

डॉ. मोहंती की स्मृति को स्थायी रूप से सुरक्षित रखने का प्रयास होगा

उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन की इच्छा है कि डॉ. मोहंती की स्मृति में बोकारो में ऐसा कार्य किया जाए, जिससे उनकी यादों को हमेशा के लिए सुरक्षित रखा जा सके। स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर, सुदृढ़ और जनोपयोगी बनाना ही उनके प्रति हम सभी की सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

रक्तदान कर लोगों ने दी श्रद्धांजलि, रक्तदाताओं का हुआ सम्मान

डॉ. मोहंती की स्मृति में आयोजित रक्तदान शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। उपायुक्त अजय नाथ झा एवं उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने रक्तदाताओं के इस पुनीत एवं मानवीय कार्य की सराहना की। उपायुक्त ने कहा कि रक्तदान किसी जरूरतमंद व्यक्ति का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। डॉ. मोहंती की स्मृति में रक्तदान शिविर का आयोजन उनके सेवा भाव को आगे बढ़ाने का सार्थक प्रयास है।

हम आपको सुनते है लोक संवाद में उपायुक्त ने की 40 मामलों की सुनवाई

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिला प्रशासन, बोकारो द्वारा आमजनों की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं प्रशासन तक उनकी सीधी पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित ह्यहम आपको सुनते हैं। लोक संवाद कार्यक्रम के तहत मंगलवार को उपायुक्त अजय नाथ झा ने आमजनों की समस्याओं की सुनवाई की। इस दौरान उन्होंने कुल 40 मामलों को सुना। लोक संवाद के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे आमजनों ने अपनी समस्याओं एवं शिकायतों से उपायुक्त को अवगत कराया। उपायुक्त ने सभी मामलों को गंभीरतापूर्वक सुना तथा संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को मामलों की जांच कर नियमसंगत, त्वरित एवं समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन आमजनों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। हम आपको सुनते हैं। लोक संवाद के माध्यम से लोगों को अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन के समक्ष रखने का अवसर मिल रहा है। प्राप्त शिकायतों के निष्पादन की प्रगति पर संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निगरानी रखने का भी निर्देश दिया। लोक संवाद में भूमि विवाद, अतिक्रमण, सामाजिक सुरक्षा, आपूर्ति, शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास अन्य विभाग से संबंधित मामले थे। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, प्रशिक्षु आईएएस अरविंद राधाकृष्णन, प्रभारी पदाधिकारी जन शिकायत हेमलता बून, एडीडीएस सुचिता किरण, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, संबंधित विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

धनबाद में याकुजा इलेक्ट्रिक स्कूटी शोरूम का उद्घाटन

धनबाद/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। शहर के कोलाकुसमा स्थित बिग बाजार के समीप धनबाद याकुजा इलेक्ट्रिक स्कूटी शोरूम का उद्घाटन मंगलवार को किया गया। शोरूम का उद्घाटन मेयर संजीव सिंह ने फीता काटकर किया। इस मौके पर शोरूम के संचालक सूरज कुमार बर्मा ने बताया कि हमारे यहां याकुजा कंपनी के इलेक्ट्रिक स्कूटर सभी रेंज में उपलब्ध हैं। ग्राहकों की सुविधा के अनुसार स्कूटर में 4 बैटरी से लेकर 6 बैटरी तक का विकल्प मिलेगा, जो एक बार चार्ज करने पर 90 किलोमीटर तक दूरी तय करने में सक्षम है। उन्होंने बताया कि स्कूटी में कीलेस एंट्री, ऐप कंट्रोल, बीटी स्पीकर, स्मार्ट की और स्मार्ट बैंड के द्वारा गाड़ी को स्टार्ट ऑन/ऑफ किया जा सकता है। इसके अलावा कई आधुनिक फीचर्स दिए गए हैं। संचालक ने बताया कि शोरूम के उद्घाटन के शुभ अवसर पर इलेक्ट्रिक स्कूटी खरीदने पर एक हेलमेट फ्री दिया जा रहा है।

झरिया मास्टर प्लान की प्रधानमंत्री के सलाहकार ने की समीक्षा, बेलगड़िया शिफ्टिंग में तेजी के निर्देश

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। प्रधानमंत्री के सलाहकार तरुण कपूर ने मंगलवार को समाहरणालय सभागार में संशोधित झरिया मास्टर प्लान की समीक्षा की। बैठक में झरिया पुनर्वास एवं विकास प्राधिकार (जेआरडीए), बीसीसीएल और जिला प्रशासन ने विस्थापितों के पुनर्वास, बेलगड़िया टाउनशिप के आधुनिकीकरण, रोजगार सृजन और बुनियादी सुविधाओं की प्रगति की जानकारी दी। उपायुक्त आदित्य रंजन ने बताया कि बेलगड़िया टाउनशिप के फेज-1, 2 और 3 में अधिग्रहित 3,737 आवासों के नवीनीकरण के लिए टेंडर जारी किया जा चुका है। आवासों में रूफ वाटरप्रूफिंग, टाइल्स, पेंटिंग और पानी की टंकी जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। निर्माण की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए आईआईटी (आईएसएम) के साथ एमओयू किया गया है। विस्थापित परिवारों को 99 वर्ष का लीज अधिकार देने की भी व्यवस्था है। टाउनशिप में स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र, पुलिस पोस्ट, सड़क, जलापूर्ति और बिजली व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। 500 से अधिक सोलर स्ट्रीट लाइट लगाई जा चुकी हैं। दामोदर नदी से स्थायी जलापूर्ति योजना और सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट की योजना भी प्रगति पर है। रोजगार के लिए टेक्सटाइल उद्योग स्थापित किया जा रहा है। हिंडाल्को और राजधानी टेक्सटाइल्स के साथ त्रिपक्षीय एमओयू के तहत 600 से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की संभावना है। युवाओं के लिए एआई, डेटा साइंस और कोडिंग का प्रशिक्षण तथा प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए निःशुल्क कोचिंग भी शुरू की गई है। तरुण कपूर ने बिजली सबस्टेशन का काम तेज करने, सड़कें दुरुस्त करने, डेयरी उद्योग को बढ़ावा देने और योजनाओं में स्थानीय लोगों को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया।

बीएसएल के स्टील मेल्टिंग शॉप एवं सीसीएस विभाग ने रचा उत्पादन का नया कीर्तिमान

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात संयंत्र के स्टील मेल्टिंग शॉप-2 एवं सी सी एस विभाग ने उत्कृष्ट तकनीकी दक्षता एवं टीम भावना का परिचय देते हुए अगस्त 2026 माह में कई ऐतिहासिक उत्पादन रिकॉर्ड स्थापित किए हैं. विभाग ने अगस्त माह का अब तक का सर्वश्रेष्ठ कुल उत्पादन 3,34,310 टन दर्ज कर एक नया मील का पत्थर स्थापित किया, जिसने अगस्त 2018 में बनाए गए 3,04,251 टन के पूर्व रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है. इस पहल के दौरान शॉप-फ्लोर स्तर पर परिचालन निरंतरता, तकनीकी अनुशासन, सुरक्षा और संसाधन अनुकूलन पर विशेष ध्यान दिया गया. इस उल्लेखनीय उपलब्धि के अंतर्गत 14 अगस्त 2026 को एक ही दिन में सर्वाधिक 46 हीट्स ब्लो करने का नया दैनिक रिकॉर्ड स्थापित किया गया, जिसने फरवरी 2025 के 45 हीट्स के पिछले रिकॉर्ड को पार किया. इसके साथ ही, विभाग ने 285 टन का अब तक का उच्चतम मासिक औसत हीट वेट हासिल किया, जो जनवरी 2025 के 283.2 टन से अधिक है. लॉजिस्टिक्स एवं डिस्पैच के क्षेत्र में भी विभाग ने नया मानदंड स्थापित करते हुए अगस्त माह के दौरान 14,800 से अधिक स्लैब्स का रिकॉर्ड प्रेषण (डिस्पैच) किया, जिसने मार्च 2026 के 14,622 स्लैब्स के आंकड़े को पीछे छोड़ दिया. तकनीकी एवं प्रक्रियात्मक उत्कृष्टता को आगे बढ़ाते हुए विभाग ने 12 से 15 अगस्त 2026 के मध्य 2 फ्लाइंग टंडिश के साथ 67 हीट्स का सबसे लंबा अनुक्रम सफलतापूर्वक पूर्ण किया. इसके अलावा 29 हीट्स की उच्चतम टंडिश लाइफ प्राप्त कर रिफ्रैक्ट्री प्रबंधन में भी नई मिसाल कायम की. शीर्ष प्रबंधन ने इस असाधारण सफलता पर एसएमएस-2 एवं सीसीएस की संपूर्ण टीम के समन्वित प्रयासों और कर्मठता की सराहना की है. यह ऐतिहासिक उपलब्धि बोकारो इस्पात संयंत्र की परिचालन उत्कृष्टता, प्रक्रिया दक्षता और उत्पादन क्षमता के निरंतर संवर्धन की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है. तकनीकी नवाचारों, बेहतर समन्वय तथा कर्मचारियों के समर्पण से प्राप्त ये नए कीर्तिमान संयंत्र की उत्पादकता को नई ऊंचाइयों पर पहुँचाने के साथ-साथ सेल के समग्र विकास लक्ष्यों को हासिल करने में अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होंगे.

बेलगड़िया को धनबाद की सर्वश्रेष्ठ कॉलोनी बनाना केंद्र सरकार का संकल्प: तरुण कपूर

बेलगड़िया टाउनशिप में कई विकास योजनाओं का किया उद्घाटन

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। प्रधानमंत्री के सलाहकार तरुण कपूर ने अपने धनबाद दौरे के दूसरे दिन बेलगड़िया टाउनशिप में स्वास्थ्य, शिक्षा और कौशल विकास से जुड़ी कई महत्वपूर्ण योजनाओं का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय निवासियों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और बेलगड़िया के सर्वांगीण विकास के प्रति केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। प्रधानमंत्री के सलाहकार ने उप स्वास्थ्य केंद्र में नवनिर्मित आयुष्मान आरोग्य मंदिर का उद्घाटन किया तथा चिकित्सा प्रभारी से आमजन को मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने नया प्राथमिक विद्यालय (झरिया बिहार) का उद्घाटन कर छात्रों से संवाद किया। उसके बाद उन्होंने परिसर में पौधारोपण किया। उन्होंने बोका पहाड़ी स्थित मॉडल आंगनबाड़ी सह प्री-नर्सरी स्कूल का उद्घाटन कर बच्चों से मिलने वाले पोषाहार व अन्य सुविधाओं का जायजा लिया। इसके बाद उन्होंने स्किल डेवलपमेंट एंड प्रोडक्शन सेंटर में नए प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन किया। साथ ही आरएसपी कॉलेज में निःशुल्क कोचिंग सेंटर का शुभारंभ किया, विद्यार्थियों से विभिन्न विषयों पर चर्चा की और उन्हें पठन सामग्री वितरित की। इससे पहले प्रशासनिक भवन के समीप आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में श्री कपूर ने स्थानीय लोगों से सीधा संवाद स्थापित किया। संवाद के दौरान उपेंद्र चौहान, सीमा पासवान, पूजा कुमारी, अनुष्का कुमारी, अंजली कुमारी पासवान, रूपेश कुमार तथा राहुल मिश्रा सहित बेलगड़िया के अन्य निवासियों ने बुनियादी सुविधाओं और अपनी समस्याओं को लेकर सुझाव साझा किए। जनसंवाद को संबोधित करते हुए तरुण कपूर ने कहा कि बेलगड़िया टाउनशिप को धनबाद की सर्वश्रेष्ठ कॉलोनी के रूप में विकसित करना केंद्र सरकार का मुख्य संकल्प है और माननीय प्रधानमंत्री स्वयं इन विकास कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने घोषणा की कि क्षेत्र में स्कूल, कॉलेज, स्वास्थ्य, बिजली, सड़क और शुद्ध पेयजल जैसी सभी बुनियादी सुविधाएं सुदृढ़ की जा रही हैं। स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन के लिए शीघ्र ही कपड़ा उद्योग (टेक्सटाइल यूनिट) स्थापित किया जाएगा, जिससे महिलाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार मिलेगा। महिलाओं की दक्षता बढ़ाने के लिए एडवांस टेलरिंग कोर्स शुरू किए जाएंगे। भविष्य में क्षेत्र में मैन-मेड फाइबर और टेक्निकल टेक्सटाइल उद्योग स्थापित करने की भी योजना है। जन संवाद के समापन पर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने कहा कि संशोधित झरिया मास्टर प्लान के अनुसार बेलगड़िया के निवासियों को लाभ दिया जा रहा है। टाउनशिप में कई विकास योजनाओं पर कार्य किए गए हैं और आगे भी किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जन संवाद के दौरान स्थानीय लोगों से जो भी सुझाव प्राप्त हुए हैं उसे पूरा किया जाएगा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री के सलाहकार तरुण कपूर, उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन, वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, कोल इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन बी. साईराम, कोयला मंत्रालय के सलाहकार (प्रोजेक्ट्स) आलोक कुमार सिंह, कपड़ा मंत्रालय की जॉइंट सेक्रेटरी अलकनंदा दयाल, बीसीसीएल के सीएमडी मनोज कुमार अग्रवाल, डायरेक्टर (टेक्निकल/ ऑपरेशंस) संजय कुमार सिंह के अलावा बीसीसीएल व जेआरडीए के पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी उपस्थित थे।

बोकारो जनरल अस्पताल में 'कर्ण समागम' द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात संयंत्र के बोकारो जनरल अस्पताल (बीजीएच) स्थित रक्त केंद्र में आज सामाजिक संस्था 'कर्ण समागम', बोकारो के तत्वावधान में एक दिवसीय स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया. रक्त की कमी के कारण किसी जरूरतमंद का जीवन संकट में न पड़े तथा समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता का प्रसार हो, इसी पुनीत उद्देश्य के साथ आयोजित इस शिविर में संस्था के सदस्यों एवं अन्य रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिसके फलस्वरूप कुल 22 यूनिट रक्त का संग्रह किया गया. इस कार्यक्रम में अधिशासी निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं), मुख्य चिकित्सा अधिकारी तथा कर्ण समागम के अध्यक्ष उपस्थित रहे. इस पहल के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने रक्तदान को महादान बताते हुए कहा कि दान की गई रक्त की एक-एक बूंद किसी दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति, गंभीर मरीज या नवजात को नया जीवन देने में सक्षम है. उन्होंने निस्वार्थ भाव से जीवन रक्षा हेतु आगे आए सभी रक्तदाताओं की सराहना की और समाज के अन्य लोगों से भी इस मानवीय सेवा में बढ़-चढ़कर योगदान देने का आह्वान किया. शिविर के सफल संचालन के दौरान रक्त केंद्र प्रभारी, लैब सर्विसेज प्रभारी सहित अस्पताल के अन्य वरिष्ठ चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी तथा तकनीकी टीम उपस्थित रही. शिविर को सुव्यवस्थित और प्रभावी बनाने में बोकारो जनरल अस्पताल के रक्त केंद्र के परामर्शदाता, नर्सिंग स्टाफ, लैब टेक्नीशियन, पंजीकरण दल एवं सहायकों का सराहनीय योगदान रहा.

विज्ञान-गणित मेले में बच्चों ने किया वैज्ञानिक प्रतिभा का प्रदर्शन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर 9डी, बोकारो में विज्ञान - गणित मेले की आकर्षक एवं ज्ञानवर्धक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन विद्यालय के सचिव गुप्तेश्वर प्रसाद सिंह ने किया। उद्घाटन के अवसर पर सचिव गुप्तेश्वर प्रसाद सिंह एवं प्रधानाचार्य राजेंद्र कामत ने भैया-बहनों को गणित एवं विज्ञान के दैनिक जीवन में उपयोग, वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा नवाचार के महत्व के बारे में मार्गदर्शन दिया। विद्यालय के प्राचार्य राजेंद्र कामत ने बताया कि विद्या भारती योजना के तहत यह प्रतियोगिता हर वर्ष विद्यालय स्तर पर होती है। जहां से चयनित भैया-बहन प्रांतीय प्रतियोगिता में सम्मिलित होते हैं । प्रतियोगिता चार वर्गों में शिशु वर्ग, बाल वर्ग, किशोर वर्ग और तरुण वर्ग में होती है । विद्यालय स्तर से चयनित हर विषय से प्रथम आए प्रतिभागी प्रांत स्तर की प्रतियोगिता मैं भाग लेते हैं।प्रांत के बाद चयनित प्रतिभागी क्षेत्र स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेते हैं उसके बाद उनका चयन अखिल भारतीय स्तर के लिए होता है। इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों में तार्किक चिंतन, जिज्ञासा, रचनात्मकता एवं समस्या-समाधान की क्षमता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मेले में भैया-बहनों ने विज्ञान एवं गणित से संबंधित विभिन्न मॉडल, प्रयोग, कार्यशील परियोजनाएं एवं प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने अपने-अपने प्रोजेक्ट की कार्यप्रणाली एवं उपयोगिता के बारे में निर्णायकों तथा उपस्थित लोगों को विस्तारपूर्वक जानकारी दी। विद्यालय के सचिव एवं प्रधानाचार्य ने सभी परियोजनाओं का अवलोकन कर विद्यार्थियों की प्रतिभा और परिश्रम की भूरि-भूरि प्रशंसा की। प्रदर्शनी में गठित बारह सदस्यीय निर्णायकों की चार टोली ने सभी भैया-बहनों के प्रोजेक्ट एवं परियोजना कार्यों का बारीकी से अवलोकन करते हुए निर्धारित मापदंडों के आधार पर मूल्यांकन एवं मार्किंग की। इसके पश्चात शिशु वर्ग, बाल वर्ग, किशोर वर्ग एवं तरुण वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों का चयन कर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान निर्धारित किया गया। उपस्थित अभिभावकों ने इस आयोजन को विद्यार्थियों की प्रतिभा को मंच प्रदान करने वाला महत्वपूर्ण अवसर बताते हुए सभी प्रतिभागी भैया-बहनों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। मेले में विद्यार्थियों की वैज्ञानिक सोच, सृजनात्मकता एवं उत्साह विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता कौशल किशोर राय सहित सभी आचार्य - दीदी एवं बड़ी संख्या में भैया-बहन तथा उनके अभिभावक बंधु-भगिनी उपस्थित रहे।

यूजीसी इक्विटी कानून और आरक्षण के विरोध में सवर्ण समाज का विरोध मार्च

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। यूजीसी इक्विटी कानून और आरक्षण व्यवस्था के विरोध में मंगलवार को धनबाद में सवर्ण समाज के लोगों ने विरोध मार्च निकाला। जिला परिषद मैदान से शुरू हुआ यह मार्च रणधीर वर्मा चौक तक पहुंचा। मार्च में सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों के हाथों में 'यूजीसी रोल बैक' लिखी तख्तियां थीं और वे यूजीसी कानून को वापस लेने तथा आरक्षण व्यवस्था में सुधार की मांग कर रहे थे। विरोध मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों ने आरक्षण और यूजीसी इक्विटी कानून के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि आरक्षण व्यवस्था में बदलाव की जरूरत है और इसका लाभ वास्तविक रूप से जरूरतमंद लोगों तक पहुंचना चाहिए। मार्च का नेतृत्व राजपूत विचार मंच के अध्यक्ष अरुण सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार का यूजीसी इक्विटी कानून समाज में जाति के आधार पर विभाजन और मनमुटाव बढ़ाने का काम कर सकता है। उन्होंने कहा कि सवर्ण समाज इस कानून का कड़ा विरोध करता है और इसे तत्काल वापस लेने की मांग करता है। अरुण सिंह ने कहा कि उनका संगठन आरक्षण के पूरी तरह विरोध में नहीं है, लेकिन आरक्षण का आधार जाति के बजाय आर्थिक स्थिति को बनाया जाना चाहिए। उनका कहना था कि आरक्षण का लाभ उन्हीं लोगों को मिलना चाहिए, जिन्हें वास्तव में इसकी जरूरत है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा नवबिहार टाइम्स प्रिंटिंग प्रेस बियाडा परिसर, जसोइया, औरंगाबाद से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145865 7295863300
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com